11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 207 पटना (बिहार) गुरुवार, 29 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

दिनदहाड़े कोर्ट कैंपस से पांच कैदी फरार, ज्वेलरी शॉप लूटकांड के यह सभी आरोपी पेशी के लिए गए थे

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना :समस्तीपुर में चौंकाने वाली घटना हुई है। बुधवार दिनदहाड़े कोर्ट परिसर से पांच कैदी फरार हो गए। यह सभी पेशी के लिए पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट गए थे। लेकिन, मौका देखकर पांच कैदियों ने पुलिस को चकमा दे दिया और फरार हो गए। घटना के बाद कोर्ट परिसर ही नहीं पूरे शहर में हड़कंप मच गया। एसपी ने फौरन पांचों की गिरफ्तारी कर निर्देश दिया। जगह जगह पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने लगी। कई जगह नाकेबंदी भी की गई। इस दौरान एक कैदी को पुलिस ने पकड़ लिया। इसकी निशानदेही पर अन्य कैदियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। पकड़ाए गए कैदी की पहचान नागेंद्र कुमार के रूप में हुई।

मामले में सदर एसडीपीओ संजय पांडेय ने कहा कि समस्तीपुर समेत आसपास के जिलों के थानों को भी अलर्ट किया गया है। फरार कैदियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। वहीं इस पूरे मामले की जांच भी की जा रही है। अगर पुलिसकर्मियों की लापरवाही होगी तो उनपर कार्रवाई जरूर होगी।

बताया जा रहा है कि यह सभी आरोपी नगर थाना क्षेत्र में पिछले साल शहर के अनिल ज्वेलर्स में हुए लूटकांड के आरोपी थी। इनमें आरोपियों में राजनंदन उर्फ छोटू उर्फ हंटर भी शामिल है। तीन कैदियों की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र में लूटकांड समेत आधा दर्जन मामलों के आरोपी अरविंद सहनी, मनीष कुमार और मंजीत कुमार के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अनुसार, पुलिस लूटकांड के आरोपी कैदियों को कोर्ट में पेशी के लिए लेकर पहुंची थी। पेशी के बाद हाजत में बंद कर रही थी। तभी हाजत के गेट खोलने के दौरान पांचों कैदियों ने पुलिसकर्मी को धक्का मार दिया और फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने फौरन एक कैदी नागेंद्र कुमार को मौके पर ही दबोच लिया।

65% आरक्षण को फ्खऊने बनाया मुद्दा, युवा राजद का पटना में महाधरना

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में 65 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की युवा इकाई, युवा राजद ने बुधवार को राजद कार्यालय के बाहर एक धरना प्रदर्शन आयोजित किया. इस धरने में बड़ी संख्या में युवा राजद के कार्यकताओं ने हिस्सा लिया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की.

पटना में हुआ धरना प्रदर्शनः कार्यकताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि बिहार में आरक्षण की सीमा को 65 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया गया, तो वे पूरे बिहार में सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे. प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही आरक्षण की सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर राजद लगातार सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है. इसी कड़ी में आज युवा राजद के कार्यकताओं और नेताओं ने पटना में धरना आयोजित किया.

₹बिहार की सरकार पिछड़ों, अति पिछड़ों, गरीबों और दलितों की हकमारी कर रही है. जब बिहार में जातिगत गणना हुई और सभी जातियों की संख्या का पता चल गया, तब आरक्षण की सीमा बढ़ाई गई थी. फिर सरकार इसे लागू क्यों नहीं कर सकी?

नालंदा पूर्व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि के घर हथियारों का जखीरा, ताइवान-इंग्लैंड निर्मित रिवाल्वर, 8 प्रकार की बंदूकें

क्राइम संवाददाता द्वारा

नालंदा : नालंदा में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. गुप्त सूचना के आधार पर बिहार थाना क्षेत्र के बैगनाबाद मोहल्ले में हुई सघन छापेमारी में पुलिस ने जमीन कारोबारी और पूर्व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अखलाखुर रहमान उर्फ अकबर मलिक को गिरफ्तार कर लिया है. नालंदा में हथियारों का जखीरा मिला : अखलाखुर रहमान के घर से सिलेंडरनुमा विस्फोटक कैप्सूल, 2 राइफल, ताइवान और इंग्लैंड निर्मित 2 रिवाल्वर, एयरगन, 168 जिंदा कारतूस, लगभग 800 एयर गन की गोलियां सहित भारी मात्रा में अन्य अवैध हथियार बरामद किये गये हैं. नालंदा एसपी भारत सोनी के नेतृत्व में सदर डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर डीएसपी और तीन थाना पुलिस की टीम ने अकबर मलिक के ठिकानों पर सुबह 8 बजे से करीब 7-8 घंटे तक लगातार छापेमारी की.

अकबर मलिक को पुलिस ने दबोचा : एसपी भारत सोनी ने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बताया कि छापेमारी के दौरान अकबर मलिक घर से भागने की कोशिश की. हालांकि पुलिस ने बाद में उसका पीछा कर घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया. अकबर मलिक का आपराधिक इतिहास रहा है. बिहार थाना में उस पर धोखाधड़ी और जमीन दलाली समेत कुल आठ मामले दर्ज हैं. "2012 से ही अकबर मलिक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया गया है. बिहटा थाना में भी 2025 में उस पर एक मामला दर्ज हुआ है. पुलिस अब इन हथियारों के स्त्रोत और उनके उपयोग के उद्देश्य का

पता लगाने के लिए 'बैकवर्ड लिंकेज' की जांच कर रही है."- भारत सोनी, एसपी, नालंदा अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़ा हो सकता है मामला : भारत सोनी ने आगे बताया कि एसटीएफ को भी इस संबंध में सूचित किया गया है, क्योंकि यह इंटर-डिस्ट्रिक्ट या इंटर-स्टेट गैंग से जुड़ा हो सकता है. अकबर मलिक की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी. क्या-क्या हथियार मिले ? : इस दौरान बरामद अवैध हथियारों में 1 डीबीबीएल लोडेड गन, 1 एस.बी.बी.एल. लोडेड गन, एक .315 बोर का राइफल, एक .30.06 बोर का राइफल, एक एयरगन (जिस पर दूरबीन लगी थी), एक 4.5 एम.एम. लोडेड ताइवान मेड रिवाल्वर, एक .32 का लोडेड पिस्तौल (एक्स्ट्रा मैगजीन के साथ), एक बेबली स्कॉट मेड इन इंग्लैंड .32 रिवॉल्वर. चार सिलेंडरनुमा सी.ओ.2 कैप्सूल (जो विस्फोटक प्रतीत होते हैं), एक बैटन शोर (कुल्हाड़ी), और कई मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं.

छपरा में चाकू घोंपकर युवक का कत्ल, 24घंटे के अंदर हत्या की तीसरी वारदात

क्राइम संवाददाता द्वारा

सारण : छपरा में बैखौफ अपराधियों का तांडव एक बार फिर से देखने को मिल रहा है. फिर से हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है. पिछले 24 घंटे के अंदर हत्या की यह तीसरी वारदात है. घटना भगवान बाजार थाना में गंडक कॉलोनी डीएवी मध्य विद्यालय पानी टंकी के पास हुई है.छपरा में चाकू घोंपकर युवक की हत्या : जानकारी के अनुसार, एक युवक को 2 अपराधियों ने चाकू गोदकर जख्मी कर दिया. आनन-फानन में उसे इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल में भर्ती करया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी.

'घर से निकला, तभी पता चला चाकू मार दिया' : मृतक की पहचान नई बाजार मोहल्ला निवासी मोहम्मद कादरी के 22 वर्षीय पुत्र सलमान उर्फ छोटे के रूप में की गई है. मृतक ऑटो चलाया करता था. युवक के परिजनों ने बताया कि सलमान घर से कहीं बाहर निकाला था. तभी उनलोगों को सूचना मिली कि गंडक कॉलोनी के पास उसे चाकू मारा गया है.

जांच के लिए डॉग स्क्वायड और ऋ्रछ की टीम पहुंची : घटना की सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए भगवान बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया. जांच के लिए डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया.

भगवानबाजार थानान्तर्गत घटित चाकूबाजी की घटना के घटनास्थल का एसएसपी सारण एवं एसपी ग्रामीण द्वारा किया गया निरीक्षण#

"अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है. घटना के सभी बिन्दुओं की जांच की जा रही है. जल्द ही दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी."- डॉक्टर कुमार आशीष, सारण एसएसपी

डबल मर्डर से सहमा छपरा : बता दें कि सोमवार को ही देर रात, बेखौफ अपराधियों ने गोदरेज शोरूम के संचालक और उसके भाई की गोली मारकर हत्या कर दी थी. अमरेंद्र कुमार सिंह और शंभू नाथ सिंह को बदमाशों ने बीच सड़क पर भून दिया था.

समय पर पानी नहीं मिलने से महिला की तड़प-तड़पकर मौत!

क्राइम संवाददाता द्वारा

समस्तीपुरः समस्तीपुर जिले के पटोरी अनुमंडल से सरकारी लापरवाही का बड़ा मुद्दा सामने आया है. अनुमंडल के शाहपुर उंडी के वार्ड नंबर 20 के निवासी राम उदगार पांडेय की मानें तो, समय पर पानी नहीं मिलने की वजह से उनकी पत्नी सामंत देवी की मौत हो गई. हर मंच पर सरकार जहां लगातार पानी मुहैया करवाने को लेकर अपनी पीठ-थपथपाती नजर आती है, ऐसे में ये घटना और आरोप प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़ी करती है.

शिकायत में क्या कहा गया है?: शाहपुर उंडी निवासी राम उदगार ने पटोरी अनुमंडल कार्यालय ने अपनी शिकायत में कहा है कि 19 मई 2025 को शाम 5 बजे उनकी सामंत देवी ने उनसे पानी मांगा. घर में रखी बाल्टी में छिपकली गिरने के कारण वो समय पर पानी नहीं दे सके. इसके बाद, राम उदगार को पानी लाने के लिए पड़ोस के अवधेश भगत के घर जाना पड़ा. लेकिन जब तक वो पानी लेकर लौटे, सामंत देवी की सांसें थम चुकी थीं. मृतक महिला के पति राम उदगार का दावा है कि अगर नजदीक में पानी मिल जाता तो, संभव है कि उनकी पत्नी की मौत नहीं होती .

पटोरी एसडीओ ने लिया एक्शन!: इस शिकायत और मामले के बाद जिला प्रशासन का हाथ-पांव फूल गया है. राम उदगार ने अनुमंडल, जिला और राज्य के उच्च अधिकारियों को आवेदन देकर मामले की गहन जांच की मांग की है. जानकारी के मुताबिक, राम उदगार की शिकायत के बाद पटोरी के एसडीओ बी.के.पांडे ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जन स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के जूनियर इंजीनियर को फटकार लगाई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी. ₹महिला की मौत की शिकायत मिली है. मृतका के पति ने पानी की अनुपलब्धता को इसका कारण बताया है. मामले की जांच शुरू कर दी गई है, और दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कानूनी व विभागीय कार्रवाई की जाएगी.₹- बी.के.पांडे, एसडीओ, पटोरी मूलभूत जरूरतों के लिए कब तक तरसते रहेंगे लोग?: सामंत देवी की मौत ने एक बार फिर बिहार के ग्रामीण इलाकों में पानी जैसी बुनियादी सुविधा की कमी को उजागर किया है. राम उदगार की शिकायत ने न केवल प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया, बल्कि ये भी सवाल उठाया कि आखिर कब तक आम लोग मूलभूत जरूरतों के लिए तरसते रहेंगे.पहले भी चर्चा में रहा है समस्तीपुरः ये पहली बार नहीं है जब समस्तीपुर जिला अनोखी शिकायतों की वजह से सुर्खियों में आया है. कुछ समय पहले भी एक शख्स ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ अजीबोगरीब शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि राहुल गांधी के ₹भारत के खिलाफ लड़ाई₹ वाले बयान से उसे सदमा लगा, जिसके कारण उसके हाथ से दूध की बाल्टी छूट गई

बिहार के स्कूलों में लगेंगी सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें, माहवारी को लेकर जागरूकता अभियान तेज

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटना :मासिक धर्म को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों और शर्म के वातावरण को तोड़ते हुए महिला एवं बाल विकास निगम ने एक बड़ा कदम उठाया है। बिहार के सभी स्कूलों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाने की योजना को गति दी जाएगी, ताकि किशोरियों को माहवारी के दौरान किसी भी तरह की असुविधा न हो। यह घोषणा बुधवार को विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर पटना में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं समाज कल्याण विभाग की सचिव एवं महिला एवं बाल विकास निगम की प्रबंध निदेशक बंदना प्रेयषी ने कहा कि मासिक धर्म कोई बीमारी या शर्म की बात नहीं, बल्कि एक सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे खुले मन से स्वीकार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब यह महिलाएं तय करेंगी कि माहवारी के दौरान वे क्या करेंगी, समाज नहीं।

बंदना प्रेयषी ने जानकारी दी कि महिला विकास निगम द्वारा पहले ही राज्य के 209 विद्यालयों के साथ-साथ पटना के कई कार्यालयों और पार्कों के महिला शौचालयों में

सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें लगाई जा चुकी हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना के तहत राज्य की 22 लाख 58 हजार 425 बालिकाओं को सालाना 300 रुपये की सहायता राशि सेनेटरी नैपकिन के लिए प्रदान की जा रही है।

समाज कल्याण सचिव ने बताया कि माहवारी से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रत्येक बुधवार और गुरुवार को दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक टोल फ्री नंबर 181 पर कॉल कर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श लिया जा सकता है। उन्होंने आमजनों से अपील की कि वे महिलाओं के प्रति अधिक संवेदनशील हों और माहवारी जैसे विषयों पर खुलकर बात करें।

कार्यक्रम में नारी गुंजन की संस्थापक और पद्मश्री सम्मानित सुधा वर्गीज ने किशोरियों के शारीरिक और भावनात्मक बदलावों को लेकर महत्वपूर्ण बात रखी। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था में बदलाव स्वाभाविक होते हैं और इस समय अभिभावकों और शिक्षकों को सहायक की भूमिका निभानी चाहिए। सुधा वर्गीज ने जोर देकर कहा कि माहवारी स्वच्छता के बारे में सही जानकारी और मार्गदर्शन से ही बच्चियों को आत्मविश्वास मिलता है।

इस अवसर पर यूनिसेफ के वॉश विशेषज्ञ प्रभाकर सिन्हा ने कहा कि यह महज कोई सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतना और बदलाव लाने वाला आंदोलन है। उन्होंने कहा कि समाज को मिलकर ऐसे मुद्दों पर बात करनी होगी, तभी बदलाव संभव है। कार्यक्रम के अंत में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर आधारित चर्चित फिल्म ह्यपैडमैनह्न दिखाई गई, जिसे देखकर बालिकाओं ने खुलकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें प्रेरणा मिली है और अब वे इस विषय पर खुलकर बात कर पाएंगी। कार्यक्रम में यूनिसेफ की मोना सिन्हा, मंजुषा चंद्रा, मार्गन सिन्हा समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारी, शिक्षक और छात्राएं मौजूद रहीं।

कैबिनेट ने रेलवे की दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली

यात्रियों और माल का निर्बाध और तेज परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे के तहत दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। सीसीईए के अनुसार, इन परियोजनाओं में रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन और वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन शामिल हैं। परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत लगभग 3,399 करोड़ रुपए है और इन्हें 2029-30 तक पूरा कर लिया जाएगा।

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के चार जिलों को कवर करने वाली ये परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 176 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। परियोजनाओं के निर्माण के दौरान लगभग 74 लाख दिन के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होगा। इस निर्णय से यात्रा सुविधा में सुधार होगा, लॉजिस्टिक लागत कम होगी, तेल आयात में कमी आएगी और सीओटू उत्सर्जन कम करने में योगदान मिलेगा, जिससे सस्टेनेबल और कुशल रेल संचालन को बढ़ावा मिलेगा। सीसीईए के अनुसार, ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो इंटीग्रेटेड योजना के माध्यम से संभव हो पाई हैं और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए ये आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 18.40 एमटीपीए (प्रति वर्ष मिलियन टन) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, तेल आयात (20 करोड़ लीटर) को कम करने और सीओटू उत्सर्जन (99 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा, जो 4 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

अहियापुर हत्याकांड: पीड़ित परिवार से मिले पूर्णिया सांसद, भावुक होकर रो पड़े

क्राइम संवाददाता द्वारा

बक्सर जिले के अहियापुर गांव में हाल ही में हुए तिहरे हत्याकांड ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। इस दुखद घटना के बाद पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उनके पहुंचते ही गांव में भावनात्मक माहौल बन गया। पीड़ित परिवार की विधवाओं और बच्चों ने सांसद का पैर पकड़कर रोना शुरू कर दिया, जिससे वहां मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। इस मार्मिक दृश्य को देखकर सांसद पप्पू यादव भी अपने आंसुओं को नहीं रोक पाए। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया और अपराधियों को

कड़ी सजा दिलाने की कसम खाई। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों के सामने केंद्र सरकार पर भी गंभीर सवाल उठाए।

पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में उस परिवार से मिलने पहुंचे, जो हाल ही में हुए तिहरे हत्याकांड से प्रभावित हुआ था। इस घटना में आपसी वर्चस्व को लेकर हुए विवाद में पांच लोगों को गोली मारी गई थी, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायलों में से एक युवक का पैर काटना पड़ा। सांसद के गांव पहुंचते ही पीड़ित परिवार की विधवाएं और बच्चे उनके पैरों पर गिरकर रोने लगे। कई महिलाएं तो गम में बेहोश हो गईं, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया।

पीड़ित परिवार की व्यथा सुनकर और उनके दर्द को इतने करीब से देखकर सांसद पप्पू यादव भावुक हो गए। बच्चों और महिलाओं को एक साथ रोता देख उनकी आंखें भी नम हो गईं। इस दौरान उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि वे तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक अपराधियों को फांसी के फंदे तक नहीं पहुंचा दिया जाता। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए 20-20 लाख रुपये की आर्थिक मदद, सरकारी नौकरी और अपराधियों को सजा मिलने तक पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग प्रशासन से की।

पीड़ित परिवार से मिलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने केंद्र सरकार को ह्यसिंदूर का सौदागरह्न करार देते हुए कहा कि यह सरकार केवल वोट लेने और सियासत का गंदा खेल खेलने में माहिर है। उन्होंने अपने सात बार सांसद बनने का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कभी किसी माफिया या डॉन से वोट नहीं मांगा। सांसद ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह सिंदूर की इज्जत करे और इसका सौदा बंद करे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राजनीतिज्ञ महिलाओं की इज्जत की हिफाजत नहीं कर सकते, तो उन्हें सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है।पीड़ित परिवार की महिलाओं ने सांसद से बातचीत के दौरान कहा कि देश के अंदर भी ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदमों की जरूरत है। उनका कहना था कि जिस तरह अपराधी बेखौफ होकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, उससे महिलाओं और उनके परिवारों की सुरक्षा खतरे में है। अहियापुर हत्याकांड ने न केवल स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है, बल्कि यह भी सवाल उठाया है कि क्या प्रशासन ऐसी घटनाओं को रोकने में सक्षम है। इस घटना ने जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में कुछ दिन पहले आपसी वर्चस्व को लेकर हुए विवाद में पांच लोगों पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों में से एक युवक को इतनी गंभीर चोटें आई थीं कि उसका एक पैर काटना पड़ा। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी थी और स्थानीय लोग अब भी इस सदमे से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

जिले में 1500 लाभुकों का किया गया अबुआ आवास का गृह प्रवेश

विधायक , त्रिस्तरीय जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी सहित अन्य गृह प्रवेश कार्यक्रम में हुए शामिल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ प्रखंड के नरोत्तमपुर पंचायत के रामचन्द्रपुर गांव में अबुआ आवास योजना के चार लाभुकों को पक्का मकान मिला। माननीय विधायक पाकुड़ निसात आलम व उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, सांसद प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं मुखिया सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लाभुक के नवनिर्मित अबुआ आवास का फीता काटकर व नारियल फोड़ कर गृह प्रवेश कराया। लाभुक ने माननीय मुख्यमंत्री जी व जिला प्रशासन के प्रति अपना आभार जताया। कहा कि हमलोगों के पास रहने के लिए पक्के का मकान नहीं था। कच्चे मकान में किसी तरह गुजर बसर करते थे। सरकार के मदद से आज हमलोगों के पास पक्का का मकान बन गया। इसके पश्चात माननीय विधायक पाकुड़, उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त, बीडीओ सहित अन्य प्रतिनिधियों ने पौधारोपण किया। महेशपुर विधायक प्रो. स्टफिन मरांडी, उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार एवं झामुमो नेत्री उपासना मरांडी ने महेशपुर व धर्मखांपाड़ा गांव में बुधवार को अबुआ आवास का दो लाभुको का नारियल फोड़कर व फीता काट कर गृह प्रवेश कराया।

माननीय विधायक और उपायुक्त ने बताया कि जिले भर में 1500 अबुआ आवास का गृह प्रवेश कराया गया। महेशपुर लाभुक संजय राउत और धर्मखांपाड़ा गांव के लाभुक हासान शेख को अबुआ आवास योजना के तहत आवास मिला था। जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सभी प्रखंडों में कराया गया गृह प्रवेश पाकुड़ जिला के सभी प्रखण्डों में अबुआ आवास योजना के लाभुकों के गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरे जिले में 1500 लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। सभी प्रखण्ड़ों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरीय पदाधिकारियों ने लाभुकों को गृह प्रवेश करवाया। पाकुड़ प्रखंड में 500, हिरणपुर प्रखंड में 200, लिट्टीपाड़ा में 250, अमड़ापाड़ा में 100, महेशपुर प्रखंड में 300, पाकुड़िया प्रखंड में 150 लाभुकों ने अपने अबुआ आवास में गृह प्रवेश किया।

अबुआ आवास के लाभुकों ने साझा किये अपने अनुभव

आयोजित कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना के लाभुकों ने उपायुक्त के समक्ष अपने अनुभव साझा किये। लाभुकों ने बताया कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में योजना के लाभ के लिए उन्होंने आवेदन दिया था और अब उनका सपना पूरा हुआ है। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि अन्य लाभुक जिन्हें किस्त का भुगतान किया गया है वो जल्द अपना आवास निर्माण करायें, आवास संपूर्ण होने पर कार्यक्रम आयोजित कर उनका गृह प्रवेश कराया जायेगा।

देवघर में एसबीआई-आरसेटी द्वारा जेनरल ईडीपी प्रशिक्षण का समापन, युवाओं को स्वरोजगार की राह दिखाने का आह्वान

देवघर। एस.बी.आई आरसेटी,रोहिणी, देवघर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जेनरल एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (ई.डी.पी.) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन बुधवार को संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 23 मई से शुरू होकर 25 मई तक चला, जिसमें देवघर जिले के 30 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक भाग लिया। समापन समारोह में डीएम स्किल जेएसएलपीएस के संतोष कुमार और आरसेटी के निदेशक भोला बिलुंग ने उपस्थित प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उन्हें

स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निदेशक भोला बिलुंग ने कहा,आज के दौर में स्वरोजगार ही सबसे सशक्त माध्यम है। हर गांव में राशन-पानी या जनरल स्टोर जैसी छोटी दुकानें भी बड़ी आमदनी का जरिया बन सकती हैं। प्रशिक्षु 500 से 1000 रुपये प्रतिदिन आसानी से कमा सकते हैं, बशर्ते वे ईमानदारी से इसे अपनाएं और बैंकों से जुड़ें। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से अपील की कि वे मुद्रा ऋण जैसी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और समय पर ऋण की अदायगी सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने बिक्री बढ़ाने के लिए दुकानों को आकर्षक बनाने, डिजिटल माध्यमों के प्रयोग, ग्राहक संतुष्टि और मूल्य निर्धारण रणनीति को मजबूत करने की सलाह दी।

साहिबगंज में 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान का शुभारंभ, रेड डॉट चैलेंज से शुरू हुई पहल

माहवारी जागरूकता को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार, तिथि-वार गतिविधियों के सफल संचालन पर जोर

साहिबगंज : साहिबगंज जिले में 'चुप्पी तोड़ो, स्वस्थ रहो' अभियान का शुभारंभ उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना, सही जानकारी देना और समाज में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन लाना है। अभियान की शुरूआत प्रतीकात्मक रूप से रेड डॉट चैलेंज के माध्यम से की गई, जो माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है ।बैठक में 28 मई से 11 जून 2025 तक आयोजित होने वाली तिथि-वार गतिविधियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि अभियान का संचालन प्रभावी और सफल ढंग से हो सके ।कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को माहवारी स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। यह शपथ समाज में माहवारी के प्रति खुले और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के संकल्प के रूप में ली गई ।इस अवसर पर सदर डीएसपी विजय कुस्वाहा, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी उमेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, कनीय अभियंता, सहायक अभियंता, सभी जिला समन्वयक, प्रखंड समन्वयक सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अभियान की सफलता सुनिश्चित करने हेतु समर्पित भाव से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

डीसी ने जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल ने समाहरणालय परिसर से राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए युवाओं को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों और इसके नियंत्रण के उपायों के बारे में व्यापक जागरूकता

फैलाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। साथ ही कोटपा 2003 के विभिन्न प्रावधानों एवं द प्रोहिबिशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक सिगरेटस एक्ट 2019 (पी.ई.सी.ए.) का प्रभावकारी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए इस इस वर्ष की थीम है, तंबाकू दिखावे का दम, इरादों में जहर आकर्षण के पीछे का खतरनाक सच उपायुक्त ने कहा कि इन रथों को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भेजा जाएगा। जहां ये ऑडियो और प्रचार सामग्री के माध्यम से आम जनता को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी देंगे। यह लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे और उन्हें सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी बताएंगे। उपायुक्त ने जिले के सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और तंबाकू मुक्त स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान देने की अपील की है।

कोडरमा जिला के 25 वें उपायुक्त के रूप में ऋतुराज ने संभाला पदभार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिला के 25 वें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के रूप में ऋतुराज ने बुधवार को पदभार संभाला। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त मेघा भारद्वाज से पदभार लिया, निवर्तमान उपायुक्त ने नये उपायुक्त को शुभकामनाएं दी। वहीं मीडिया से बातचीत के क्रम में उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिले के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। जिले की जो भी समस्याएं सामने आयेंगी, उनका ईमानदारी के साथ समाधान करने का हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास करेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय में बैठक हुई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय के नेतृत्व में बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में बैठक हुई। इस बैठक में पुण्यशलोक देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष्य में होने वाले संगोष्ठी की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि लोकमाता और पुण्यश्लोक की उपाधि से सम्मानित न्यायप्रिय शासिका अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 29 मई को शाम 04:00 बजे अपर्णा मार्केट कॉम्प्लेक्स में जिला संगोष्ठी का आयोजन किया है। इस

कार्यक्रम में महगामा के पूर्व विधायक श्री अशोक भगत जी बतौर मुख्य वक्ता शामिल होंगे। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को न्यायप्रियता की मिसाल दी जाती है। उन्होंने अपने पुत्र को भी अन्यायपूर्ण आचरण के लिए दंडित किया। अहिल्याबाई होलकर की विरासत आज भी जीवित है। उनका जीवन आज भी शासन, सेवा और नारी सशक्तिकरण के लिए प्रेरणाप्रद है। कार्यक्रम में उनके जीवन और कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह, जिला महामंत्री रूपेश भगत, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह,पूर्व प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक,पूर्व जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, पूर्व जिला मंत्री सपन दुबे,नगर मंत्री प्राची चौधरी, रतन भगत, दुलाल सिंह, पवन भगत, जीतू सिंह, सादेकुल आलम,सूरज भगत, राजू ठाकुर उपस्थित हुए।

चतरा जिला के 39 वें उपायुक्त के रूप में कीर्तिश्री ने किया पदभार ग्रहण

शिक्षा एवं आजीविका सृजन, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कुछ नया करने का उद्देश्य:उपायुक्त

दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो,कुन्दन

चतरा। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में जिले के 39 वें उपायुक्त के रूप में नव पदस्थापित उपायुक्त कीर्तिश्री ने स्वतः पदभार ग्रहण किया। सरकार की प्राथमिकता को अपनी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन दोनों जनता के लिए है। आगे उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से शत प्रतिशत पात्र लाभुकों को लाभान्वित करना और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका सृजन, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कुछ नया करने का उद्देश्य है। इससे पहले नव पदस्थापित उपायुक्त कीर्तिश्री के चतरा जिला आगमन पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा,अपर समाहर्ता अरविंद कुमार,अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज समेत मौके पर उपस्थित अन्य अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

लायंस क्लब ऑफ राँची हरिकनक ग्रेटर में हुई निदेशकों की हुई नियुक्ति

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के वर्तमान अध्यक्ष लायन राजेश केडिया की अध्यक्षता में कोर कॉमेटी की बैठक अशोक नगर मोहन कॉम्प्लेक्स(सांसद श्री संजय सेठ जी के कार्यालय के नीचे)मे संपन्न हुई जिसमे सर्वसम्मति से सदस्यों को क्लब के निदेशक के रूप में मनोनीत किया गया। 1)भारत विभूषण लायन डॉक्टर राजेंद्र कुमार हाजरा, 2) लायन अधिवक्ता प्रिया रानी (उच्चतम न्यायालय), 3)लायन अधिवक्ता पूरण कुमारी (उच्च न्यायालय), 4) लायन सुबोध कश्यप, 5) लायन प्रमोद पांडे एवं 6) लायन सुभमल दत्ता। हरिकनक ग्रेटर क्लब ने नवनियुक्त सभी निदेशकों को बधाई दी एवं आशा जताई की इनके मार्गदर्शन में क्लब आने वाले सत्र 2025-26 में डिस्ट्रिक्ट 322 अ में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

बंगलिया गांव में पोखर में डूबने से एक आदिवासी व्यक्ति की हुई मौत

मंडरो: मंडरो प्रखंड क्षेत्र के सिमड़ा पंचायत के बंगलीया गांव के रहने वाले 35 वर्षीय रिबो हांसदा आदिवासी व्यक्ति की मौत बुधवार दोपहर मंडरो के बंगलिया पोखर में डुबने से हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक रिबो हांसदा दो दोस्तों के साथ बंगलिया पोखर में स्नान करने के क्रम में गहरे पानी में जाने से डुबने से उसकी मौत हो गई ।जहां मौके पर पहुंची मिर्जाचौकी थाना पुलिस पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को कहा लेकिन परिजनों द्वारा नहीं माना गया ।वहीं मृतक के परिजन द्वारा पोस्टमार्टम नहीं करने को लेकर लिखित आवेदन दिया गया। वही मिजाचौकी पुलिस द्वारा बताया गया की पोखर में डूबने से एक आदिवासी व्यक्ति की मौत हो गई । परिजनों से पोस्टमास्टम कराने से इनकार किया। वही मामले की जानकारी आग की तरह क्षेत्र में फैल चुका। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 छात्र-छात्राओं को उपायुक्त ने किया सम्मानित

साहिबगंजः जिले में मैट्रिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 छात्र-छात्राओं को आज जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती द्वारा सम्मानित किया गया। जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त ने सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया ।सम्मानित विद्यार्थियों में फिरदौस अंसारी, दीपिका घोष, अमरीन प्रवीन, अंकित कुमार मालतो, राजकुमार शिल, स्वाति कुमारी, साक्षी कुमारी, उमंग दास, सचिन कुमार यादव और शिवानी कुमारी शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और लगन से जिले का नाम रौशन किया है ।इस अवसर पर उपायुक्त हेमंत सती ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ये बच्चे आने वाले समय में समाज और देश की दिशा तय करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास की कुंजी है और हर विद्यार्थी को अपना लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए ।जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी, शिक्षकगण और अभिभावक भी उपस्थित रहे। सभी ने इन विद्यार्थियों की उपलब्धि पर गर्व जताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षा योजनाओं की प्रगति को लेकर उपायुक्त हेमंत सती ने की समीक्षा बैठक

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पिछले समीक्षात्मक बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में हुए कार्यों की जानकारी ली और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।उपायुक्त ने विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों एवं स्कूल बैग के वितरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि वितरण कार्य को शीघ्र शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए, ताकि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने कहा कि समय पर शैक्षणिक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को बच्चों की उपस्थिति, विद्यालय भवनों की स्थिति, मिड डे मील योजना की गुणवत्ता सहित अन्य बिंदुओं पर भी गंभीरता से निगरानी रखने का निर्देश दिया ।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति से उपायुक्त को अवगत कराया और आगे की कार्रवाई की रूपरेखा पर चर्चा की।

गायत्री परिवार ने नशा मुक्ति अभियान चलाने का लिया निर्णय

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

गायत्री परिवार का नशा मुक्ति अभियान 31 म ई 2025 को ,,,, अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पूर्वाह्न 11 बजे गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम के साधना कक्ष में जिला समन्वयक बरूण कुमार की अध्यक्षता में एक मासीय ज्योति कलश रथयात्रा का समापन तथा 31 म ई को विश्व नशा उन्मूलन दिवस पर जन जागरण अभियान को लेकर बैठक की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने मीडिया को बताया कि गायत्री शक्तिपीठ डाबरग्राम, जसीडीह, देवघर शहरी क्षेत्र के टावर चौक, बेलाबगान,करनीबाग,बिलासी टाउन, विलियम्स टाउन तथा मधुपुर अनुमंडल सहित सभी प्रखंडों में कुल 20 चयनित केन्द्रों से प्रातः 8 से 9 बजे के बीच एक दिन एक समय पर नशा मुक्ति जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। बैनर पोस्टर मुद्रित पंपलेट आदि की व्यवस्था की जा रही है ।साथ ही देवघर जिला में ज्योति कलश रथयात्रा की उपलब्धि पर बताया गया कि सनातनी श्रद्धालुओं में दिव्य ज्योति कलश रथ के दर्शन और पूजन को लेकर उत्साह देखा गया ।लोग गायत्री मंत्र तथा यज्ञ परंपरा से जुडकर जीवन में देवत्व धारण करने के लिए संकल्पित हो रहे हैं तथा साधना की बुनियाद पर सतयुगी वातावरण तैयार करने की मनोभावना विकसित हो रही है। ज्योति कलश रथ को जामताड़ा जिला के लिए भावभीनी विदाई की गई। बैठक में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी देवनारायण रजक, गायत्री मंदिर मधुपुर प्रबंधक रामानुज कुमार, ब्रह्मचारी ज्ञान प्रकाश,संजीव लोचन मिश्र, राम प्रसाद यादव, कांति देवी, निशा देवी, अनिता सिन्हा,राधा भारती, आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने नवनियुक्त उपायुक्त को दी बधाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के नवनियुक्त उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकडा.को देवघर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने अपने सहयोगी साथियों के साथ मिलकर पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाऐं दी तथा उनका बाबा वैद्यनाथ की पावन नगरी में पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक स्वागत किया। मौके पर देवघर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार भी मौजूद थे। इस दौरान जिला बीस सूत्री सदस्य एवं कांग्रेस जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, सोसल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय ने नवनियुक्त उपायुक्त को बधाई दी।

कांग्रेसियों ने नवनियुक्त उपायुक्त को दी बधाई

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर के नवनियुक्त उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकडा.को देवघर जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने अपने सहयोगी साथियों के साथ मिलकर पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाऐं दी तथा उनका बाबा वैद्यनाथ की पावन नगरी में पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक स्वागत किया। मौके पर देवघर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार भी मौजूद थे। इस दौरान जिला बीस सूत्री सदस्य एवं कांग्रेस जिला महासचिव दिनेश कुमार मंडल, सोसल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय ने नवनियुक्त उपायुक्त को बधाई दी।

कवि गोपाल प्रसाद व्यास की 20 वीं पुण्यतिथि पर काव्य संवाद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में आधुनिक हिंदी साहित्य के महान कवि एवं हास्य व्यंग के सशक्त हस्ताक्षर गोपाल प्रसाद व्यास की 20वीं पुण्यतिथि पर काव्य संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह , उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद करते हुए जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि गोपाल प्रसाद व्यास जी ब्रजभाषा और पिंगल के मर्मज्ञ विद्वान के रूप में चर्चित थे।दिल्ली में हिंदी भवन के निर्माण में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लाल किले पर विशेष प्रयोजन पर होने वाले राष्ट्रीय कवि सम्मेलन की शुरूआत करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी कई पत्र पत्रिकाओं का संपादन कार्य भी किया था। दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन के संस्थापक और 35 वर्षों तक महामंत्री के रूप में उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया था।किसी भी राष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक संस्था में उनकी उपस्थिति मात्र से ही उस संस्था की विशेषता का पता चलता था की संस्था की कितनी महता है।अखिल भारतीय स्तर पर महान पर्व होली के मौके पर मूर्ख महा सम्मेलन के जन्मदाता थे और राष्ट्रीय स्तर पर संचालन भी किया करते थे उनकी कालजई कृतियां गोपीन के अधरान की भाषा,हास्य सागर,कदम कदम बढ़ाए जा,रंग जंग और व्यंग्य आधुनिक हिंदी साहित्य की आधारभूत कृतियां हैं जिनके माध्यम से हिंदी साहित्य को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

गायत्री परिवार तथा रेडक्रॉस सोसाइटी के संयुक्त प्रयास से लगाया गया मोतियाबिंद का 11वां निशुल्क जांच शिविर

निःशुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने वाले रोगियों को मिलेगा 10 दिनों का राशन

जमालपुर। गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर एवं रेडक्रास सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में अखंड ज्योति आई हॉस्पीटल दलसिंहसराय के द्वारा जमालपुर के गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में निःशुल्क मोतियाबिंद का ग्यारहवां जांच शिविर लगाया गया। शक्तिपीठ के व्यवस्थापक सह जमालपुर रेडक्रास सोसाइटी के सचिव बासुदेव पुरी ने कहा कि गायत्री परिवार द्वारा संचालित चालीस से ज्यादा अखंड ज्योति आई हॉस्पीटल एवं क्लीनिकों के द्वारा लाखों रोगियों का निःशुल्क मोतियाबिंद का आपरेशन कर लेंस लगाया जाता है। यहां तक कि जांच केंद्रों से रोगियों को आई हॉस्पीटल तक ले जाना, वापस लाना तथा भोजन इत्यादि सुविधा सभी निःशुल्क होती है। बासुदेव पुरी जी ने कहा कि अब निःशुल्क मोतियाबिंद का आपरेशन क राने वाले रोगियों को दस दिनों का राशन भी दिया जाएगा। शिविर में 146 रोगियों का जांच किया गया। इनमें 43 का ऑपरेशन कर लेंस लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को वैचारिक रूप से समृद्ध एवं सर्वश्रेष्ठ बनाने हेतु गायत्री मिशन के द्वारा सप्त सूत्रीय कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जांच शिविर को सफल बनाने में डॉ प्रिंस कुमार, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ धर्मेंद्र, सुरेश चौरसिया, विजय शर्मा, जे पी मंडल, शिवलाल रजक, सरदार चंदन सिंह, बलबिंदर सिंह, अमित नंदन, भरत पोद्दार, राजेन्द्र विश्वकर्मा, हलधर मंडल, शंभू सिंह, उषा मंडल,

अनामिका, काजल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजद थे।

भाजपा ने मनाई रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती

निकाली भव्य शिवलिंग शोभा यात्रा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारतीय जनता पार्टी ने रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई। इस दौरान शिवलोक परिसर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और देवी अहिल्याबाई के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। संगोष्ठी के बाद भव्य शिवलिंग शोभा यात्रा महिला मोर्चा के नेतृत्व में निकाली गई शोभायात्रा शिवलोक परिसर से बाबा मंदिर गेट निकाला गया मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र राय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण और न्याय की प्रतीक थीं राजमाता अहिल्याबाई अहिल्याबाई ने अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित किया और कहा कि अहिल्याबाई ने जल, जंगल और जमीन का संरक्षण किया। उन्होंने न्यायप्रिय शासन की मिसाल पेश की। विधवा पुनर्विवाह और अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित कर सामाजिक सुधार किए। मौके पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डाँ नीतू दबास ने कहा कि अहिल्या बाई होलकर केवल एक शासिका नहीं थीं, वे धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक भी थीं। अहिल्याबाई होलकर की जयंती के मौके पर उनके जीवन और उपलब्धियों के बारे में जानिए, ताकि हर नारी अहिल्याबाई होलकर से सीख ले सकें। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आरती सिंह कार्यक्रम का संचालन करते हुए अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई एक न्यायप्रिय व धर्मनिष्ठ शासिका थीं। जो धर्म और नीति के पालन के लिए अपने पुत्र को भी मृत्युदंड देने को तत्पर थीं। वे भगवान शंकर की परम भक्त थीं और उन्होंने सोमनाथ व काशी विश्वनाथ जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के पुनर्निर्माण में योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें पुण्यश्लोक की उपाधि दी गई। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने कहा कि रानी अहिल्याबाई का जीवन देश के लिए सदैव प्रेरणादाई रहा है. उनको एक वीरांगना और शासक के साथ धार्मिक एवं सामाजिक सुधार में अभूतपूर्व योगदान के लिए याद किया जाता है. उन्होंने न केवल 30 वर्षों तक एक बड़े भूभाग पर शानदार शासन किया. बल्कि पूरे भारतवर्ष में घूम-घूम धार्मिक एवं समाज सुधार के अनगिनत कार्यों को अंजाम दिया. बदरीनाथ, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ आदि तमाम धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं मंदिरों के निर्माण में उनका योगदान है. भारतीय जनता पार्टी उनकी 300वीं जयंती को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर में जनसहयोग से मना रही है. ऐसे ही कार्यक्रमों को भाजपा महिला मोर्चा हर जिले में आयोजित करेंगी. मंच पर कार्यकारी अध्यक्ष रविन्द्र राय, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डाँ नीतू दबास, प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कूजुर, जिला अध्यक्ष सचिन रवानी कोडरमा विधायक नीरा यादव,जमुआ विधायक मंजू देवी पूर्व विधायक नारायण दास पूर्व मंत्री राजपलिवार प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता झा, प्रदेश मंत्री सुचिता अर्चना बिहार प्रदेश प्रवक्ता रीमा सिंह ,पूर्व दुमका नगर परिषद अध्यक्ष अमिता रक्षित, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विशाखा सिंह,रीता चौरसिया, संजीव जजवाड़े, दिवाकर गुप्ता नवल राय ,जिला प्रभारी सतेन्द्र सिंह,बबलू भगत एच डी मिश्रा (शिक्षा विद्)

मौके पर जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया, संतोष उपाध्याय ,विजया सिंह मालती सिन्हा, अलका मलिका झा आशा झा सिमरन मिश्रा महामंडलेश्वर रोज मौसी तुफान महथा कन्हैया झा प्रो राजीव रंजन सिंह सचिन सुल्तानिया अमृत मिश्रा विनय चंद्रवंशी चंद्र शेखर खवाड़े रवि तिवारी ,प्रज्ञा झा आशीष दुबे दशरथ दास सोना धारी झा मनोज मिश्रा अभय आनंद झा आदि मौजूद थे मंच का संचालन महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रूपा केसरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने किया

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व.नरसिंह पंडित

पंडित जी ने नैतिक मूल्यों पर दिया जोर:अशोकानंद झा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर 28 मईः अपने जमाने में शिक्षा का अलख जगाने वाले महान शिक्षाविद स्व.नरसिंह पंडित की 22 वीं पुण्यतिथि बुधवार को मनाई गई। हिंदी विद्यापीठ में अयोजित समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि व्यवस्थापक अशोकानंद झा ने पंडित जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात अपने संबोधन में कहा कि मुझे भी नरसिंह पंडित जी से शिक्षा ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। साथ ही कहा कि पंडित जी से हमारा पारिवारिक संबंध रहा है। उन्होंने मेरे पिता स्व.कृष्णानंद झा को शिक्षा प्रदान करने के बाद मुझे व मेरे पुत्र को भी आशीर्वाद प्रदान किया है। उनका व्यक्तित्व महान था। उन्होंने हमेशा नैतिक मूल्यों का निर्वहन किया। पंडित जी का हिंदी विद्यापीठ के प्रति लगाव भी जगजाहिर है। उनके कार्य हमेशा प्रशंसनीय रहे। इस बीच अन्य वक्ताओं में बीएड कॉलेज की प्राचार्या डॉ.आशा मिश्रा ने पंडित जी को महान विभूति बताया। साथ ही कहा कि पंडित जी ने हमेशा सादा जीवन जीते हुए विद्यादान किया। वहीं गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के शिक्षक नीतीश द्वारी ने कहा कि पंडित जी शिष्यों को पढ़ाने में सात्विक आनंद की अनुभूति करते थे।उन्होंने कभी भी अर्थ को महत्व नहीं दिया। साहित्य प्रेस के प्रबंधक हिमांशु झा ने स्व.नरसिंह पण्डित एवं पूर्व व्यवस्थापक पूर्व मंत्री स्व.कृष्णानंद झा की गुरु शिष्य परंपरा को लोगों के लिए उदाहरण बताया। इस बीच पंडित जी के पुत्रद्वय क्रमशः मुनेंद्र पंडित एवं बीरेंद्र पंडित ने अपने स्व.पिता पंडित जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि पंडित जी की जन्मभूमि मुंगेर(बिहार) थी। कालांतर में वे स्वतंत्रता सेनानी पंडित विनोदानंद झा के संपर्क में आने के बाद देवघर आ गए। बाद में देवघर उनकी कर्मभूमि बन गयी। कार्यक्रम के आरंभ में आयोजनकर्ता गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय खवाड़े ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। साथ ही दिवंगत प्राचार्य स्व.पंडित जी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए की अपने ज्ञान का छात्रों में सफल समावेश करने वाले शिक्षक हमेशा पूजनीय रहते हैं। स्व.नरसिंह पंडित जी वैसे ही शिक्षक के सर्वोत्तम उदाहरण हैं। इस अवसर पर हिंदी विद्यापीठ,बीएड कॉलेज एवं गोवर्धन साहित्य महाविद्यालय के तमाम शिक्षक व कर्मचारी समेत संस्थान के मीडिया प्रभारी शम्भू सहाय मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ऑपरेशन सिंदूर : नरेंद्र मोदी के स्वागत में रोड शो और रैली का आयोजन

बिहार सरकार के मंत्री कृष्ण कुमार सिंह और भाजपा नेता राकेश सिंह कार्यक्रम को लेकर कार्यकताओं के साथ मिलकर की तैयारी

दिघवारा , ।बिहार सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मंटू सिंह तथा सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह का दिघवारा पहुंचने पर दिघवारा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद नीतू देवी तथा मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह के नेतृत्व में हाथी घोड़े तथा बैंड बाजे के बीच सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोगों के उपस्थिति में स्वागत व अभिनंदन किया,साथ ही अंग वस्त्र देकर दोनो आगंतुक अतिथियों को सम्मानित किया ।इस दौरान मंत्री कृष्ण कुमार सिंह सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के आपार सफलता के बाद 29 मई तथा 30 मई को प्रधानमंत्री रोड शो तथा रैली में भाग लेने हेतु सभी को निमंत्रण भी दिया ।इससे पहले मंत्री कृष्ण कुमार मंटू व भाजपा नेता राकेश सिंह रिवीलगंज, गरखा, छपरा, दरियापुर आदि क्षेत्रों का दौरा कर रैली में अधिक से अधिक संख्या में चलने के लिए प्रेरित किया ।मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष दीपक गुप्ता,युगल प्रसाद,अमरेंद्र चौरसिया,वार्ड पार्षद मुनेश्वर पासवान,रणधीर मालाकार,वीरेंद्र पंडित,टुनटुन सिंह,नीतू सिंह,रुपाली सिंह,बिहारी,शैलेश कुमार,पंकज कुमार,राजकुमार के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपथित थे।

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने जिला स्तर के अधिकारियों के साथ की बैठक

जवाबदेही और जिम्मेदारी के साथ जमीनी स्तर पर करे कार्य:- उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में आज दिनांक-28.05.2025 को जिला स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर उनका परिचय प्राप्त किया और अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि अपने कार्यों के लिए समयबद्ध एक्शन प्लान हो तथा वस्तुनिष्ठ तथ्यों से अवगत रहें। आगे उन्होंने कहा कि केवल कार्य करते रहना महत्वपूर्ण नहीं बल्कि समयबद्ध परिणाम देना जरूरी है। साथ ही योजनाओं एवं कार्यालय क्रियाकलापों की समीक्षा करते हुए अधिकारी अपने स्तर से क्षेत्र भ्रमण कर आमजनों के समस्याओं का निदान करें। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने सभी संबंधित विभागों से संचालित योजनाओं और परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि जिले में विकास कार्यों को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ संचालित किया जाय, इसका विशेष रूप से ध्यान रखें। उपायुक्त ने तकनीकी विभागों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। *इस दौरान उपरोक्त के अलावा* अपर समाहर्ता हीरा कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेष कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला पंचायती राज पदाधिकारी रणवीर सिंह, सहायक नगर आयुक्त, कार्यपालक दण्डाधिकारी नगर पर्षद मधुपुर, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना, निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सरीता भारती, जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थी।

चपरा गांव में मछली पालक किसान को नक्सलियों ने दी धमकी, लेवी की मांग को लेकर परचा थमाया

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) बंदेया थाना क्षेत्र स्थित चपरा गांव से नक्सली गतिविधियों की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां तालाब में मछली पालन करने वाले किसान गया पासवान को अज्ञात नक्सली ने लेवी की मांग करते हुए धमकी भरा परचा थमा दिया। थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना बीती रात की है जब चेहरा ढके एक अज्ञात नक्सली चुपचाप गया पासवान के पास पहुंचा और उसके हाथ में एक परचा थमा दिया। परचे में साफ तौर पर लिखा था कि ३लेवी की रकम नहीं देने पर गंभीर अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो।३ इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल फैल गया है। गया पासवान ने इस संबंध में बंदेया थाना में अपनी लिखित शि३कायत दी, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात नक्सली के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने केस को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और नक्सली की पहचान के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें। वहीं, मछली पालक किसान गया पासवान और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। यह घटना नक्सली गतिविधियों के फिर से सिर उठाने के संकेत के रूप में देखी जा रही है, जिसे लेकर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

पारा विधिक स्वयं सेवक द्वारा तलाश किये गये गुमशुदा व्यक्ति को परिजन को सौपा गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले में पारा विधिक स्वयं सेवक कई स्तरों पर अपने कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में निभाते हैं अहम भूमिका, -सचिव। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के दो पारा विधिक स्वयं सेवक जिन्हें अधिकार मित्र भी कहा जाता है के द्वारा खोजा गया व्यक्ति रामजन्म मौर्या पुत्र स्व0 जयराम मोर्या निवासी ग्राम बडेरिया पो0 बेनीपुर तहसील भीती थाना भीती जिला अम्बेदकर नगर राज्य उत्तर प्रदेश को जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव तान्या पटेल द्वारा आज अपने प्रकोष्ठ में उनके परिजनों की उपस्थिति में सौपा गया। इस अवसर पर रामजन्म मौर्या के बड़े भाई विजय लाल मोर्या द्वारा सचिव को बताया गया कि रामजन्म मौर्या लगभग 15 वर्ष पूर्व घर से गायब हुए थे जिनकी तलाश कई स्तर पर किये जाने के बावजूद कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी परन्तु जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार मित्र द्वारा खोजने की सूचना मिलने पर आज उपस्थित होकर अपने भाई को सकुशल देखकर काफी हर्ष हो रहा है। ज्ञातव्य है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अधिकार मित्र नरेन्द्र कुमार एवं राजेन्द्र यादव द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को यह सूचना दी गयी थी कि जिला पदाधिकारी और सिंह कोठी के आवास के बीच नाले के समीप झाड़ी के आस-पास कई दिनों से अधेड़ को देखा जा रहा है इसपर कार्यालय द्वारा दिये गये निर्देश पर अधिकार मित्र द्वारा अधेड़ व्यक्ति से पूछा गया कि आप कौन है और आप कहां के रहने वाले हैं, उनसे पूछताछ करने पर सारा मामला पता चला और उस अधेड़ व्यक्ति के द्वारा अपना नाम और गाव की जानकारी अधिकार मित्र को दी गयी इसपरा जिला विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर अधिकार मित्र द्वारा सत्यापन हेतु भीती थाना से सम्पर्क कर इनके घर वालों से बात की और सत्यापन हो जाने के उपरान्त इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को दिया गया। गुमशुदा व्यक्ति के परिजन से सम्पर्क करने पर उनके द्वारा बताया गया कि औरंगाबाद आ रहे हैं और आज उनके परिजन के आगमण पर उनके परिजन को 15 वर्ष से गुमशुदा व्यक्ति को लिखित रूप में सौपा गया। गुमशुदा व्यक्ति को उनके भाई को सौपने के उपरान्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राजकुमार द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया तथा इस प्रकार की भविष्य में भी कार्य एवं पहल करने के लिए प्रेरित भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव द्वारा बताया गया कि पारा विधिक स्वयं सेवक कई स्तरों पर अपने कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में अग्रणी भूमिका निभाते हैं सचिव द्वारा बताया गया कि पंचायत से लेकर गॉव तक पारा विधिक स्वयं सेवकों की पहूँच होती है जिसके कारण जिला विधिक सेवा प्राधिकार से सम्बन्धित प्रत्येक गतिविधि में उनकी भूमिका अहम होती है। सचिव द्वारा इस कार्य के लिए लिए पारा विधिक स्वय नरेन्द्र कुमार एवं राजेन्द्र यादव की प्रशसा करते हुए कहा कि आपके द्वारा किये गये पहल के कारण 15 वर्ष पूर्व बिछड़े परिवार के बीच खुषी का वातावरण उत्पन्न हुआ है जिसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुंगेर में बने हथियारों से पटना में लंबे समय से सज रही थी हथियारों की मंडी, पुलिस ने किया खुलासा

भारी मात्रा में देसी पिस्टल सहित 10 मौत के सौदागर गिरफ्तार, हथियारों के खरीद बिक्री का चल रहा था गैंग

अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के लिए चर्चित मुंगेर की राह पर राजधानी पटना

रंजीत विद्यार्थी

मुंगेर : पटना में बोरिंग रोड फायरिंग केस में आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रहने के कारण सवालों के घेरे में आए पटना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पटना में चल रहे हथियारों के बिजनेस का खुलासा किया है। जिसका तार अवैध हथियार निर्माण एवं तस्करी के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित मुंगेर से जुड़ा हुआ है. पुलिस ने बताया कि कुछ लोग बाहर से हथियार लाकर पटना में बेच रहे थे, जिसकी जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो महिला सहित 10 हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिसमें मुंगेर के दो मौत के सौदागर भी शामिल हैं. गिरफ्तार तस्करों के पास से बेचने के लिए लाए गए हथियार भी जब्त किए गए हैं. जानकारी देते हुए शरत आरएस, पश्चिमी एसपी ने बताया कि बेऊर झजक्कनपुर इलाके में 70 फिट महावरी कॉलोनी स्थित साई निवास में अवैध आग्नेयास्त्र एवं मादक एकत्रित होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस की टीम इस पर काम कर रही थी। जिसके बाद मामले में पुलिस ने एक घर में छापेमारी की। जहां से दो महिला सहित दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह लोग पटना में हथियारों और मादक पदार्थों की बिक्री का पूरा गैंग चला रहे थे। जिनमें अलग अलग जिले के लोग शामिल हैं। मुंगेर की तर्ज पर पटना में मिनी गन फैक्ट्री लगाने की थी तैयारी पटना पश्चिमी एसपी शरत आर एस ने बताया कि गिरफ्तार हथियार तस्कर मुंगेर की तर्ज पर बिहार की राजधानी पटना में भी मिनी गन फैक्ट्री का निर्माण करने वाले थे। हथियार तस्कर सागर दो महीने से पटना में थे एक्टिव, डिमांड देख गन की अवैध फैक्ट्री लगाने की फिराक में था । मौत के सौदागर मुंगेर से मंगाते थे हथियार, यहीं से भेजा जाता था अन्य जिलों में हथियार पश्चिमी एसपी ने बताया कि ये लोग मुंगेर से अवैध हथियार मगवाते हैं और मुनाफा लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहकर्मियों के सहयोग से बिकी करते हैं। इसके साथ-धाथ मादक पदार्थ गांजा का भी कारोबार करते हैं। गिरफ्तार लोगों में दो मुंगेर से हथियारों की डिलिवरी के लिए पहुंचे थे। बाकि यहां से हथियार लेकर दूसरे जिले में बेचने के लिए ले जाते थे। मकान में हथियारों के निर्माण के सामान भी जब्त किए गए है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुछ्-ताछ के दौरान इस काड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है। इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार तस्करों के पास से देसी पिस्टल-10, मैगजीन-18, दूल्स बॉक्स-10 लोहे का रेती-10, पिस्टल का स्प्रिंग-06, नगद-51.000/- रुपया, मोबाइल-13, बाइक-01, मादक पदार्थ गांजा-800 ग्राम, चार चक्का वाहन-02 जब्त किया गया है। जिन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें 1. सागर कुमार पे. स्व. सुरेश सिंह सा. धर्मपुर थाना अथमलगोला जिला पटना, वर्तमान 70 फीट महावीर कॉलोनी साई निवास सविता देवी के मकान में किरायेदार थाना बेडर जिला पटना।, 2.अभिषेक कुमार उर्फ मोकली पे. संजीव पोददार सा. मकससपुर छोटी मस्जिद थाना कासिम बाजार जिला मुंगेर 3.सन्नी कुमार पे. अशोक सिंह सा. पुरानी दुर्गा स्थान थाना कासिम बाजार जिला मुंगेर। 4.आर्यण कमार पे. विमलेश सिंह सा. पतलापुर थाना शाहपुर जिला पटना। 5. विकास कुमार पे. दारोगा सिंह सा. पतलापुर थाना शाहपुर जिला पटना। 6. रोहित सिंह पे. स्व. कमलेश सिंह ग्राम धर्मपुर थाना अथमलगोला जिला पटना। 7. राहुल चौधरी पे. राजेश चौधरी सा माणिकपुर थाना सिमरी जिला बक्सर. 8. अंजली सिंह, पति सागर कुमार सा. बाजार समिति राघोपुर थाना विहटा जिला पटना, वर्तमान पता-70 फीट, महावीर कॉलोनी साई निवास, सचिता देवी के मकान में किरायेदार थाना बेउर जिला पटना। 9. सविता कमारे पति राजकिशोर सिंह सा. 70 फीट महावीर कॉलोनी साई निवास, सविता देवी के मकान में किरायेदार थाना बेडर जिला पटना।, 10 शुभम कुमार पे मौला कुमार गुप्ता सा. बाजार समिति राघोपुर थाना चिहटा जिला पटना शामिल हैं। छापामारी दल में कौन-कौन थे शामिल पुलिस की कार्रवाई में पुनि रितुराज सिंह, थानाध्यक्ष जक्कनपुर, पुनि अमरेन्द्र साह थानाध्यक्ष बेउर थाना, परि पुअनि रजनीगंधा, बेउर थाना, परि पुअनि संतोपी कुमार बेउर थाना, जक्कनपुर एवं बेऊर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे.

बिहार के दरभंगा में शिक्षक की बेरहमी से हत्या, साइकिल से स्कूल जा रहे थे...रास्ते में अपराधियों ने मार दी गोली, मचा हड़कंप

दरभंगा : बिहार में दरभंगा जिले के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में अपराधियों ने बुधवार की सुबह एक शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

किराए के मकान में रहते थे

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मधुबनी जिले के परसौनी निवासी शिक्षक मंसूर आलम अपनी साइकिल से प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर निस्ता जा रहे थे। इसी दौरान भरवाड़ा-कमतौल पथ अपराधियों ने शिक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। मंसूर आलम वर्ष 2006 से उर्दू शिक्षक के रूप में सिंघवारा प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय, निस्ता में तैनात थे और दरभंगा जिले के सिंघवारा थाना क्षेत्र के भरवाड़ा शंकरपुर में किराए के मकान में रहते थे।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर दो) ज्योति कुमारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। बहुत जल्द मामले का पदार्फाश कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये दरभंगा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (DMCH) भेज दिया गया है। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। स्कूल के शिक्षकों से पूछताछ की गई है। घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए नाकेबंदी कर छापेमारी की जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

07 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

हाजीपुरः ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनके सुविधाजनक आवागमन हेतु चलायी जा रही 07 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अविध में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी सं. 04504 चंडीगढ़-पटना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे चंडीगढ़ से 05.06.2025 से 10.07.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी । 2. गाड़ी सं. 04503 पटना-चंडीगढ़ स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे पटना. से 06.06.2025 से 11.07.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलायी जाएगी । 3. गाड़ी सं. 09067 उधना-जयनगर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे उधना से 01.06.2025 से 29.06.2025 तक प्रत्येक रविवार को चलायी जाएगी । 4. गाड़ी सं. 09068 जयनगर-उधना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे जयनगर से 02.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 5. गाड़ी सं. 09069 उधना-समस्तीपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे उधना से 07.06.2025 से 28.06.2025 तक प्रत्येक शनिवार को चलायी जाएगी । 6. गाड़ी सं. 09070 समस्तीपुर-उधना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे समस्तीपुर से 09.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 7. गाड़ी सं. 07315 हुब्बल्लि-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे हुब्बल्लि से 02.06.2025 से 30.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 8. गाड़ी सं. 07316 मुजफ्फरपुर-हुब्बल्लि स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे मुजफ्फरपुर से 05.06.2025 से 03.07.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी । 9. गाड़ी सं. 07311 वास्को द गामा-मुजफ्फरपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे वास्को द गामा से 09.06.2025 से 23.06.2025 तक प्रत्येक सोमवार को चलायी जाएगी । 10. गाड़ी सं. 07312 मुजफ्फरपुर-वास्को द गामा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे मुजफ्फरपुर से 12.06.2025 से 26.06.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी । 11. गाड़ी सं. 06563 यशवंतपुर-गया स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे यशवंतपुर से 21.06.2025 एवं 28.06.2025 (शनिवार) को चलायी जाएगी । 12. गाड़ी सं. 06564 गया-यशवंतपुर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे गया से 23.06.2025 एवं 30.06.2025 (सोमवार) को चलायी जाएगी । 13. गाड़ी सं. 06211 मैसूर-दरभंगा स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे मैसूर से 17.06.2025 एवं 24.06.2025 (मंगलवार) को चलायी जाएगी । 14. गाड़ी सं. 06212 दरभंगा-मैसूर स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे दरभंगा से 21.06.2025 एवं 28.06.2025 (शनिवार) को चलायी जाएगी ।

नेत्रवेदम – अत्याधुनिक आंख अस्पताल का पटना में हुआ भव्य उद्घाटन

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

पटना :- स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में आज पटना को नेत्रवेदम के रूप में एक अत्याधुनिक आंख अस्पताल की सौगात मिली। इस अस्पताल का उद्घाटन बिहार सरकार के माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा किया गया। कंकड़बाग (एम.आइ

.जी.80ए, पी.सी.कॉलोनी) पटना में स्थित यह अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा केंद्र, आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है और इसका उद्देश्य पटना एवं आसपास के जिलों के नागरिकों को विश्वस्तरीय नेत्र उपचार की सुविधा प्रदान करना है। अस्पताल में नवीनतम उपकरणों से युक्त ऑपरेशन थिएटर, रेटिना क्लिनिक, ग्लूकोमा क्लिनिक,कॉर्निया क्लीनिक, मोतियाबिंद इलाज, ऑप्टिकल यूनिट तथा फार्मेसी सेवाएं उपलब्ध हैं। इस मौके पर उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री ने कहा : मैं नेत्रवेदम जैसे अत्याधुनिक और सुपरस्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के उद्घाटन पर अत्यंत हर्षित हूँ। यह न केवल पटना, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है कि अब नेत्र रोगों के इलाज के

लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं हमारे अपने राज्य में उपलब्ध हैं। यह अस्पताल न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से उन्नत है, बल्कि इसकी सेवाओं में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी साफ झलकता है। विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए जो निःशुल्क जांच और परामर्श की व्यवस्था की गई है, वह अत्यंत सराहनीय है। मैं डॉ. सबिताभ कुमार और उनकी टीम को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि नेत्रवेदम, सेवा और उत्कृष्टता का प्रतीक बनेगा। यह अस्पताल आने वाले समय में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में बिहार को एक नई ऊँचाई प्रदान करेगा। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. सबिताभ कुमार ने कहा,हमारा संकल्प है कि किसी भी व्यक्ति को नेत्र रोग के कारण अंधकार में न रहना पड़े। हम गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और किफायती नेत्र चिकित्सा सेवाएं समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना चाहते हैं। इस मौके पर उपस्थित पटना की जानी-मानी नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर पल्लवी ने कहा अब पटना में ही उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे पटनावासियों और बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले को इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी है। अस्पताल में विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की एक अनुभवी टीम नियुक्त की गई है, जो मरीजों को समर्पित सेवाएं प्रदान करेगी। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर ,और परामर्श सेवाएं भी नियमित रूप से आयोजित की जाएंगी। यहां आयुष्मान भारत के कार्ड होल्डरों को भी मुफ्त में आयुष्मान स्कीम के तहत इलाज किया जाएगो

सेंगोल हटाओ, लोकतंत्र बचाओ : संसद में संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की पी.डी.ए. गठबंधन की मांग

नई दिल्ली, ।

कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आज पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पी.डी.ए.) मंच की ओर से एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संसद भवन में स्थापित सेंगोल की वैधानिकता, प्रतीकात्मकता और संवैधानिक प्रभाव पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और मोहनलालगंज से सांसद आर. के. चौधरी ने किया, साथ ही समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव ने भी विचार रखे। सेमिनार का विषय यह था कि सेंगोल, जो ऐतिहासिक रूप से तमिलनाडु में शाही सत्ता के प्रतीक के रूप में प्रयुक्त होता था, क्या लोकतांत्रिक भारत की संसद में स्थापित किया जाना उचित है। वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि संसद जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों की संस्था है, न कि किसी शासक वर्ग का प्रतीकात्मक स्थल। आर. के. चौधरी ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि सेंगोल एक शाही परंपरा का प्रतीक है, जबकि भारतीय संसद लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। संसद में किसी राजचिह्न के बजाय भारतीय संविधान की विशाल प्रति को स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि यह सदैव स्मरण रहे कि देश का शासन संविधान द्वारा संचालित होता है, न कि परंपरागत राजसत्तात्मक प्रतीकों से। वहीं मनोज यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज जब लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के मूल तत्वों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं, ऐसे समय में संसद में सेंगोल की स्थापना हमारी लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विरुद्ध प्रतीत होती है। संविधान ही भारत की आत्मा है, और उसकी सर्वोच्चता ही देश को एकता और न्याय की दिशा में आगे ले जाती है। सेमिनार में यह भी कहा गया कि सेंगोल की स्थापना प्रतीकात्मक रूप से न्याय का प्रतिनिधित्व भले करता हो, परंतु उसकी उत्पत्ति शाही परंपरा में है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की वैधता और नैतिक आधार संविधान से आता है, न कि किसी राजकीय या धार्मिक प्रतीक से। वक्ताओं ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि संसद भवन में संविधान की एक विशाल प्रति को प्रमुखता से स्थापित किया जाए, जिससे लोकतंत्र, समानता और प्रतिनिधित्व के मूल्यों की पुनर्पुष्टि हो सके। कार्यक्रम के अंत में उपस्थितजनों ने ₹संविधान को बचाना है, सेंगोल को हटाना है और सेंगोल हटाएं झ देश बचाएं जैसे नारों के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण का संकल्प लिया।

शहीद हवलदार संतोष यादव को यदुवंश महासभा की ओर से दी गई श्रद्धांजलि

शहीद के बच्चों की पूरी शिक्षा व्यवस्था उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान में कराए जाने की महासभा ने उठाई मांग

मुंगेर। जम्मू के नौशेरा सेक्टर में शहीद हुए सेना के हवलदार संतोष यादव को यदुवंश महासभा की ओर से श्रद्धांजलि दी गई। जानकारी देते हुए यदुवंश महासभा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव शबनम यादव एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मानसी कुमारी ने कहा कि मुंगेर जिला तथा भागलपुर जिला से यदुवंश महासभा की ओर से एक प्रतिनिधिमंडल नवगछिया प्रखंड अंतर्गत इस्माइलपुर के समीप भिट्टा गांव पहुंचकर शहीद हवलदार संतोष यादव के परिजनों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने शहीद हवलदार संतोष यादव के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। यदुवंश महासभा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव ने कहा कि शहीद हवलदार संतोष यादव की वीरता, निष्ठा और देशभक्ति हर भारतवासी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। बिहार के भागलपुर जिला निवासी भारतीय सेना के हवलदार संतोष यादव ने कश्मीर में देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। शहीद हवलदार संतोष यादव परिवार से मुलाकात के

बाद यदुवंश महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यजीत यादव, भागलपुर जिला अध्यक्ष जयप्रकाश यादव, महानगर अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य अजय यादव ने बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा है कि शहीद संतोष यादव के बच्चों को आगे की पूरी शिक्षा की व्यवस्था प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में सरकार द्वारा मुफ्त में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। शहीद हवलदार के बच्चों को भविष्य में तकनीकी शिक्षा यह किसी अन्य क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण करने की रुचि हो तो वह भी सरकार द्वारा मुफ्त में मुहैया कराने की दिशा में पहल की जानी चाहिए। शहीद हवलदार के बच्चों तथा अन्य परिजनों से मुलाकात करने के बाद महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि इस दुख भरी बेला में भी शहीद का पूरा परिवार देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत है। परिजनों के कुशल व्यवहार के कारण यहां अपनापन महसूस हुआ। बुद्धिजीवी जिला अध्यक्ष भागलपुर महेंद्र प्रसाद यादव ने शहीद संतोष यादव के पुत्र लव यादव को आशीर्वाद दिया। शिक्षा के प्रति विशेष रूप से ध्यान देने तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को उत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में डरना नहीं है। निडर बनकर आपको भी देश की सेवा करना है और यादव समाज का नाम रोशन करना है। अभिषेक यादव ने कहा कि शहीद संतोष यादव का जल्द से जल्द स्मारक बनाया जाए। शहीद के गांव में सड़क और नाले की जर्जर अवस्था को जल्द से जल्द दुरुस्त करने तथा पेयजल की समस्या को भी जल्द से जल्द दूर करने के लिए बिहार सरकार से ठोस कदम उठाए जाने का निवेदन किया है। उन्होंने मांग किया है कि भागलपुर जिले में किसी स्कूल अथवा कॉलेज का नामकरण शहीद संतोष यादव के नाम पर किया जाए।

Vote for Earth, Vote for Democracy ! थीम पर त्रिदिवसीय SVEEP जागरूकता अभियान हेतु समीक्षा बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आगामी त्रिदिवसीय रशएएढ विशेष जागरूकता अभियान के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह अभियान विश्व साइकिल दिवस (03 जून) से विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून) तक आयोजित किया जाएगा, जिसकी थीम Vote for Earth, Vote for Democracy !निर्धारित की गई है। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी महोदय ने बताया कि निर्वाचन विभाग के निदेर्शानुसार यह अभियान आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदाताओं को न केवल अपने मतदान अधिकार के प्रति जागरूक करेगा, बल्कि पर्यावरणीय चेतना से भी जोड़ने का कार्य करेगा। इस अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों जैसे नए मतदाता, युवा, महिलाएँ, दिव्यांगजन एवं अन्य सभी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने जानकारी दी कि 03 जून 2025 को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर इस त्रिदिवसीय अभियान की शुरूआत एक भव्य साइकिल रैली से की जाएगी। यह रैली गेट स्कूल मैदान से प्रारंभ होकर नए समाहरणालय स्थल, सिंचाई कॉलोनी के मैदान तक आयोजित होगी। इस रैली में स्काउट एवं गाइड के छात्र, 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थी, कॉलेज छात्र-छात्राएं, सरकारी कर्मचारी, अधिकारी एवं नए मतदाता शामिल होंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य साइकिल चलाओ, वोटिंग बढ़ाओ एवं फिट भी वोटर, हिट भी वोटर जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है। साथ ही

दिव्यांग मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु एक विशेष दिव्यांगजन साइकिल यात्रा का भी आयोजन किया जाएगा, जो उनकी सशक्त भागीदारी का प्रतीक होगा। 04 जून 2025 को मतदाता संवाद दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, सामुदायिक केंद्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मतदाता जागरूकता से संबंधित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें ईवीएम एवं वीवीपैट का डेमो, मतदान पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी, पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की शपथ, पर्यावरणीय मतदान का संकल्प एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशन की जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही स्कूल एवं कॉलेजों में मेहंदी, पोस्टर, रंगोली इत्यादि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जिनके माध्यम से जन से संवाद - मतदान का संदेशह्व को प्रभावी रूप से प्रसारित किया जाएगा। 05 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर SVEEP अभियान के अंतर्गत जिले के लो वोटर टर्नआउट (Low VTR) वाले मतदान केंद्रों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मतदान केंद्रों के आसपास स्वच्छता अभियान एवं मतदाता शपथ के माध्यम से नागरिकों को न केवल मतदान के प्रति बल्कि पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति भी सजग किया जाएगा। इस अवसर पर हर वोट के साथ एक पौधा लगाओह्व, स्वस्थ लोकतंत्र, हरा पर्यावरणह्व, मैं वोट दूंगा - मैं पेड़ लगाऊंगा और Green Future, Stronger Democracy जैसे संदेशों के माध्यम से जनसाधारण को प्रेरित किया जाएगा। उक्त बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती अनन्या सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्रीमती रत्ना प्रियदर्शिनी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद गजाली, डीपीएम स्वास्थ्य मोहम्मद अनवर आलम, डीपीओ शिक्षा श्री दयाशंकर, डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती विनीता कुमारी, डीआरडीए के निदेशक श्री अनुपम कुमार, प्रमुख सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर सुश्री दीपशिखा, सनीश कुमार, अंकित सिन्हा, मयंक पाठक, आदित्य राज, रोशन राज एवं शुभम राज सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीमती रुचि सिंह तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में सम्मिलित हुए।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति कौन कर रहा है, जानें सर्वे में लोगों की राय क्या

अधिकांश लोग राहुल गांधी के इस दावे से असहमत हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्रालय ने सफ़ाई दी है कि पाकिस्तान को ऑपरेशन के बाद सूचित किया गया था ताकि तनाव कम हो और यह स्पष्ट हो कि लक्ष्य केवल आतंकी ठिकाने थे। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रतिनिधिमंडल में कौन जाएगा, ये चुनाव करने का अधिकार पार्टियों को होना चाहिए? जवाब में 56.4 फ़ीसदी लोगों ने हाँ कहा, जबकि 12.2 फ़ीसदी लोगों ने असहमति जताई। बाक़ी लोगों की राय साफ़ नहीं थी। सर्वे में आधे से अधिक लोगों का मानना है कि राजनीतिक दलों को प्रतिनिधिमंडल में अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार होना चाहिए। यह जनता के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया में पार्टियों की भागीदारी के लिए समर्थन को दिखाता है। 34.9 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि बीजेपी और सरकार राजनीति कर रही है। 31.7 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष राजनीति कर रहे हैं। 19.1 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि दोनों राजनीति कर रहे हैं। बाक़ी लोगों ने कोई राय नहीं दी। सर्वे के अनुसार, जनता का मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही राजनीति कर रहे हैं।

ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सियासी गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। लेकिन आम लोग क्या सोचते हैं? ताज़ा सर्वे में सामने आई जनता की राय से जानें कौन कर रहा है असली राजनीति। क्या सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के लिए संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए? क्या आप राहुल की इस आलोचना से सहमत हैं कि विदेश मंत्री ने ऑपरेशन शुरू होने से पहले पाकिस्तान को जानकारी दी? क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रतिनिधिमंडल में कौन जाएगा, ये चुनाव करने का अधिकार पार्टियों को होना चाहिए? आपके हिसाब से ऑपरेशन सिंदूर पर कौन राजनीति कर रहा है? क्या बीजेपी सरकार ऑपरेशन सिंदूर का क्रेडिट लेकर सही कर रही है? राहुल की विदेश मंत्री की आलोचना से आप सहमत हैं? ऐसे ही सवालों पर एक सर्वे में लोगों की राय सामने आई है। वोट वाइब सर्वे ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जनता की राय जानने के लिए एक सर्वेक्षण किया। इसमें कई अहम सवालों पर जनता के विचार सामने आए। जानिए, इस सर्वे में किन सवालों पर लोगों ने किस तरह की राय रखी।

सर्वे के प्रमुख सवाल और नतीजे : क्या सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के लिए संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए? इस सवाल के जवाब में 61.3 फ़ीसदी लोगों ने समर्थन किया, जबकि 18.3 फ़ीसदी लोगों ने असहमति जताई। बाक़ी लोगों ने कोई राय नहीं दी। सर्वे में स्पष्ट बहुमत का मानना है कि सरकार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का संयुक्त सत्र बुलाना चाहिए। क्या आप राहुल गांधी की इस आलोचना से सहमत हैं कि विदेश मंत्री ने ऑपरेशन शुरू होने से पहले पाकिस्तान को जानकारी दी? 36.8 फ़ीसदी लोगों ने सहमति जताई, जबकि 48.7 फ़ीसदी लोगों असहमति जताई। बाक़ी लोगों ने इस पर कोई राय नहीं दी। अधिकांश लोग राहुल गांधी के इस दावे से असहमत हैं कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया। विदेश मंत्रालय ने सफ़ाई दी है कि पाकिस्तान को ऑपरेशन के बाद सूचित किया गया था ताकि तनाव कम हो और यह स्पष्ट हो कि लक्ष्य केवल आतंकी ठिकाने थे। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रतिनिधिमंडल में कौन जाएगा, ये चुनाव करने का अधिकार पार्टियों को होना चाहिए? जवाब में 56.4 फ़ीसदी लोगों ने हाँ कहा, जबकि 12.2 फ़ीसदी लोगों ने असहमति जताई। बाक़ी लोगों की राय साफ़ नहीं थी। सर्वे में आधे से अधिक लोगों का मानना है कि राजनीतिक दलों को प्रतिनिधिमंडल में अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार होना चाहिए। यह जनता के बीच कूटनीतिक प्रक्रिया में पार्टियों की भागीदारी के लिए समर्थन को दिखाता है।

आपके हिसाब से ऑपरेशन सिंदूर पर कौन राजनीति कर रहा है? : 34.9 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि बीजेपी और सरकार राजनीति कर रही है। 31.7 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष राजनीति कर रहे हैं। 19.1 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि दोनों राजनीति कर रहे हैं। बाक़ी लोगों ने कोई राय नहीं दी। सर्वे के अनुसार, जनता का मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर पर बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही राजनीति कर रहे हैं। हालाँकि अधिकतर लोग बीजेपी और सरकार को दोषी बता रहे हैं। दोषारोपण का यह बँटवारा दिखाता है कि जनता इस मुद्दे पर गहरे राजनीतिक ध्रुवीकरण को देख रही है। क्या बीजेपी सरकार ऑपरेशन सिंदूर का क्रेडिट लेकर सही कर रही है? इस सवाल पर 59.0 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि मोदी ने लीड किया, जबकि 30.7 फ़ीसदी लोगों ने कहा कि सेना को क्रेडिट मिलना चाहिए। बाक़ी लोग साफ़ राय नहीं रख पाए। इस सवाल पर जनता की राय बँटी हुई है। अधिकतर लोग मानते हैं कि बीजेपी सरकार का ऑपरेशन का श्रेय लेना उचित है, जबकि कुछ लोग असहमत हैं। यह दिखाता है कि ऑपरेशन के राजनीतिकरण पर जनता में मतभेद है। राहुल गांधी की विदेश मंत्री की आलोचना से आप सहमत हैं? 44 फ़ीसदी महिलाओं और 29 फ़ीसदी पुरुषों ने इससे सहमति जताई। यदि इसे उम्र वर्ग के हिसाब से देखा जाए तो 18-24 साल के वर्ग के 47 फ़ीसदी सहमत हैं, जबकि 40 फ़ीसदी असहमत हैं। 25-34 उम्र के 44 फ़ीसदी सहमत हैं, जबकि 48 फ़ीसदी असहमत हैं। 35-44 साल के 24 फीसदी सहमत हैं, जबकि 52 फ़ीसदी असहमत हैं। 45-54 साल के 44 फीसदी सहमत हैं जबकि 47 फ़ीसदी सहमत नहीं हैं। 55 साल से ऊपर के 22 फ़ीसदी सहमत हैं जबकि 59 फ़ीसदी सहमत नहीं हैं। इस तरह जनता का बड़ा हिस्सा राहुल गांधी की विदेश मंत्री की आलोचना से असहमत है, जैसा कि ऊपर बताया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर कौन कर रहा है राजनीति? : 31 फ़ीसदी पुरुष और 39 फ़ीसदी महिलाएँ मानती हैं कि बीजेपी और सरकार राजनीति कर रही है। 33 फ़ीसदी पुरुष और 30 फ़ीसदी महिलाएँ कांग्रेस व विपक्ष पर राजनीति करने का दोष देते हैं। 19 फ़ीसदी पुरुष और 20 फ़ीसदी महिलाएँ दोनों को दोषी मानती हैं। 18-24 साल के युवाओं की बात करें तो 62 फ़ीसदी बीजेपी व सरकार को और 14 फ़ीसदी कांग्रेस व विपक्ष को राजनीति करने का दोषी मानते हैं। वोट वाइब सर्वे के परिणाम दिखाते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर एक राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है और इस पर जनता गंभीर चर्चा और पारदर्शिता चाहती है। हालाँकि, राजनीतिक दलों के बीच दोषारोपण और श्रेय लेने की होड़ ने जनता की राय को विभाजित कर दिया है। सर्वे में यह भी साफ़ है कि जनता संसद में इस मुद्दे पर खुली बहस की पक्षधर है, लेकिन विदेश मंत्री की आलोचना और ऑपरेशन के राजनीतिकरण पर जनता की राय बँटी हुई है।

बलूचिस्तान में क्यों सुलग रही चिंगारी

रहीस सिंह

नई दिल्ली : 'आप हत्या, मौत और विनाश के माध्यम से भाईचारा नहीं बना सकते। आप जबरदस्ती एकजुट राष्ट्र नहीं बना सकते।' यह बलूच उक्ति बताती है कि इस्लामाबाद का राजनीतिक तंत्र अपनी फौज के सहारे किस तरह से बलूचिस्तान के मन और विचार की हत्या कर रहा है।

बलूच राष्ट्रवाद : सवाल यह उठता है कि बलूचों का संघर्ष भाषा और संस्कृति के लिए है, स्वतंत्रता के लिए है, स्वायत्तता के लिए है या पाकिस्तानी सेना की तरफ से चल रहे 'किल एंड डंप' ऑपरेशंस के खिलाफ रिएक्शन है। प्रश्न यह भी है कि क्या बलूच आंदोलन, बलूच राष्ट्रवाद से भटक चुका है या वह सशस्त्र राष्ट्रवाद का प्रतीक बन चुका है। सवाल तो यह भी है कि क्या बलूचिस्तान वास्तविक नियंत्रण (डिफैक्टो कंट्रोल) से वास्तविक स्वतंत्रता (डिफैक्टो इंडिपेंडेंस) की ओर बढ़ रहा है?

आजादी का ऐलान : इस बीच 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा तो बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा पर तीखा हमला किया। इससे पहले 11 मार्च को क्वेटा और सिबी के बीच पर्वतीय क्षेत्र में लगभग 400 यात्रियों के साथ जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को अगवा करके इस्लामाबाद और रावलपिंडी की सत्ताओं को एक कठोर संदेश भी दिया जा चुका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इन हमलों की प्रकृति और पैमाना पहले से कहीं अधिक व्यापक और विविधता लिए हुए है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान से स्वतंत्रता की घोषणा भी कर दी है। यह स्वतंत्रता भले ही प्रतीकात्मक लगे, लेकिन इसने एक ही क्षण में बलूच मुद्दे को बलूचिस्तानी बनाम पाकिस्तानी में परिवर्तित कर दिया।

टकराव की जड़ें : जहां तक बलूचों के पाकिस्तान के साथ टकराव का प्रश्न है तो इसकी जड़ें अतीत में खोजी जा सकती हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से बलूचिस्तान जनजातियों के एक संघ के रूप में 12वीं शताब्दी में ही अस्तित्व में आ गया था, जिसमें 44 जनजातियां शामिल थीं। 15वीं शताब्दी तक यह एक शक्तिशाली और विशाल बलूच संघ बन गया, जिसकी सीमाएं पश्चिम में किरमान से लेकर पूर्व में सिंधु नदी तक विस्तृत थीं। लेकिन इस ऐतिहासिक राजनीतिक संरचना से बहुत पहले यह बलूच संघ सांस्कृतिक दुनिया के इतिहास में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका था। जो इतिहास से सरोकार रखते हैं उन्हें पता है कि मेहरगढ़ (बलूचिस्तान) के लोगों ने ईसा से कई हजार वर्ष पहले व्यापार व कस्बाई जीवन की शुरुआत कर दी थी। यही संस्कृतियां थीं, जिन्होंने अपने संयुक्त प्रयासों से सिंधु घाटी में एक सभ्यता का विकास किया।

पंजाबी संस्कृति थोपी : इस्लामाबाद और रावलपिंडी के शासकों ने बलूच संस्कृति को अस्पृश्य बना दिया और पंजाबी-उर्दू संस्कृति थोपने का उपक्रम किया। उन्होंने बलूचिस्तान के डिट्राइबलाइजेशन (विजनजातीयकरण) की कोशिश की। इसके तहत वहां तीन कार्य किए गए - किल एंड डंप ऑपरेशन चलाना, प्रॉक्सी समूहों का निर्माण करना और इस्लामीकरण की प्रक्रिया तेज करना। पाकिस्तानी हुक्मरान अपने इन प्रयासों में कुछ हद तक सफल भी रहे क्योंकि बलूच अस्मिता, प्रांतीय संप्रभुता, संसाधनों के वितरण और स्थानीय भाषा व संस्कृति की सुरक्षा जैसी अभिव्यक्तियों की शक्ति निरंतर कमजोर पड़ती गईं।

बांग्लादेश सिंड्रोम : 1986 में पाकिस्तानी राष्ट्रपति जिया-उल-हक ने ईश निंदा कानून लागू किया। इसके प्रचार-प्रसार के लिए बलूचिस्तान में मौलवियों को लगाया गया और बड़े पैमाने पर मदरसों की स्थापना की गई। दरअसल, यह 'बांग्लादेश सिंड्रोम' का परिणाम था जो आज तक पाकिस्तानी नीति निर्धारकों के दिमाग में घुसा हुआ है। लेकिन इस व्यवस्था से पैदा हुए मौलवियों-इमामों के वर्ग का न केवल बलूचों ने बल्कि पख्तूनों ने भी विरोध किया।

बांटने का सिलसिला : एक सच यह भी है कि बलूचों के साथ इतिहास ने न्याय नहीं किया। बलूचस्तिान में विभाजनों की शुरुआत 'द ग्रेट गेम' के हिस्से के रूप में औपनिवेशिक शासन के दौरान ही हो गई थी, जब ब्रिटेन ने रूस को भारत से दूर रखने की योजना के तहत बलूच भूमि को बड़े हिस्सों में बांट दिया था। 1871 में 'गोल्डस्मिड रेखा' खींचकर बलूचिस्तान का एक चौथाई भाग ईरान (तत्कालीन फारस) को दे दिया गया। इसके बाद 1896 और 1905 में 'इंडो-पर्शियन बॉर्डर कमिशन' बनाकर और भी सीमाएं तय की गईं। इसी बीच, 1894 में डुरंड रेखा समझौते के जरिए एक अहम इलाका अफगानिस्तान को दे दिया गया। अंतिम विभाजन पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद हुआ, जब बलूचिस्तान का विलय करने के साथ ही जैकबाबाद, डेरा ग़ाजी खान आदि पंजाब को दे दिए गए।

लड़ना होगा : बहरहाल, बलूचिस्तान आज अनेक 'खोए हुए अवसरों' और 'अधूरे वादों के खंडहर' के रूप में खड़ा है और लड़ने की कोशिश कर रहा है। बलूच चीख-चीख कर कह रहे हैं कि वे 'पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी' हैं। वे अपने इतिहास के उन पन्नों को पलट रहे हैं जिनमें लिखा है कि आपको ब्रिटिश हुक्मरानों ने ही नहीं पाकिस्तानी हुक्मरानों ने भी बांटा है; आपकी संपत्तियों पर कब्जा किया, उन्हें लूटा है और चीन जैसे दोस्तों को उपहार में दिया है; आपकी भाषा और संस्कृति को नष्ट-भ्रष्ट करने की निरंतर चेष्टाएं की गई हैं। आपको अराजकता के दलदल में धकेल कर एक ऐसा कड़ाह बना दिया गया है, जिसमें विभिन्न प्रकार की हिंसक घटनाएं उबाल मारती रहें। यही इतिहास उनसे कहता है-तुम्हें अपने अस्तित्व के लिए युद्ध करना ही होगा।

(लेखक विदेश मामलों के जानकार हैं)

जहां परिंदा भी नहीं मारता पर, ऐसे जुए के अड्डे पर दिल्ली पुलिस का धावा, रेड से मची खलबली

कुणाल कश्यप

नई दिल्ली : नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली के सीलमपुर इलाके में पिछले दिनों जुए के एक बड़े अड्डे पर रेड हुई। बड़ा अड्डा इसलिए क्योंकि यहां कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता था। इसकी वजह यह है कि अड्डा कुख्यात गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू के खास मुमताज के आशियाने पर चलाया जा रहा था। मगर डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने वहां रेड कर आठ जुआरियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। इसके बाद वहां खलबली मच गई। वहां दांव पर लगे करीब साढ़े 15 लाख रुपये भी बरामद किए गए। इस रेड ने गैंग से जुड़े लोगों के अहंकार को इस तरह चोट पहुंचाई कि वे रेड करने वाली पुलिस टीम के लोगों को टारगेट करने लगे। टीम पर आरोप लगाया कि टीम ने अड्डे से लाखों रुपयों का गबन किया। मगर आरोप से जुड़े सबूत अभी तक पेश नहीं कर पाए हैं। यही कारण है कि आला अधिकारियों ने आरोपों को गंभीरता से नहीं लिया।

दरवाजे तोड़कर अंदर घुसी थी पुलिस : दिल्ली पुलिस सूत्र ने बताया, नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ को 20 मई को गुप्त सूचना मिली थी कि न्यू सीलमपुर के जी-ब्लॉक स्थित डीडीए मार्केट के पास घर में बड़े पैमाने पर जुआ चल रहा है। सूचना के बारे में आला अधिकारियों को बताया गया। इसके बाद एसीपी ऑपरेशंस मंगेश गेडम और स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर धीरज कुमार के सुपरविजन में एसआई कौशिक घोष, पवन मलिक, प्रमोद कुमार, एएसआई दीपक कुमार, अमित त्यागी, अमरीश पंवार, हेड कॉन्स्टेबल सुशील मलिक, सचिन तोमर, विजय कुमार, अमित मान, सचिन कुमार और प्रशांत त्यागी की टीम को रेड के लिए तैयार किया गया। टीम ने रेड के लिए वहां दस्तक दी। किसी ने गेट नहीं खोला तो पुलिस टीम गेट तोड़कर अंदर घुस गई। वहां जुआ खेलते 8 लोगों को गिरफ्तार किया। जबकि चार से पांच लोग छत के रास्ते भागने में कामयाब हो गए। मौके से दांव पर लगे 15 लाख 46 हजार, 500 रुपये और 156 ताश के पत्ते बरामद किए। सभी के खिलाफ सीलमपुर थाने में गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

गैंग को ये सब कर रहे सपोर्ट : रेड होने से आहत गैंग के लोगों ने रेड करने वाली पुलिस टीम को टारगेट करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने आरोप लगाया कि पुलिस टीम ने मौके से करीब 40 लाख रुपये बरामद किए थे। रकम का गबन करके कुछ आरोपियों को छोड़ दिया। जबकि वे अपने आरोपियों के दावे को साबित करने के लिए अब तक कोई सबूत पेश नहीं कर सके हैं। सूत्र का दावा है कि आरोप लगाने वाले इस गैंग से जुड़े हैं। इनमें एक वकील भी शामिल है। जो गैंग के लिए मांडवली (सौदेबाजी) करता है। इसके अलावा कुछ मीडियाकर्मी भी उनके साथ जुड़े हुए हैं जो अपने निजी हितों के लिए उनके लिए काम कर रहे हैं।

इसलिए बनाई 40 लाख की कहानी : दावा किया जा रहा है कि गैंग के लोग 40 लाख की कहानी बनाकर एक तीर से दो शिकार करना चाह रहे हैं। पहला शिकार रेड करने वाली टीम है। उन्हें सबक सिखाने और 'आगे कोई रेड करने से पहले सौ बार सोचे' यह भी मैसेज देने की कोशिश की जा रही। क्योंकि अगर टीम पर कोई एक्शन हुआ तो उनका मनोबल गिरेगा। वहीं स्थानीय पुलिस या कोई और भी स्टाफ रेड करने के बारे में नहीं सोचेगा। दूसरा शिकार देनदार हैं। इन्हें रुपये देने से बचना है। दरअसल बुकियों के बीच चर्चा है कि यह कहानी इसलिए बनाई गई क्योंकि आरोपी देनदारी से बचना चाहते हैं। आरोपियों को जिन लोगों के रुपये देने थे, उन्हें यह कहकर पल्ला झाड़ा जा रहा है कि पैसा पुलिस ने ले लिया।

मुमताज ही है मास्टर माइंड : इस अड्डे का मास्टर माइंड मुमताज ही है। वह वहां जुआ खिलवाने के रुपये तो लेता ही था। साथ ही वह जुआ हारने वालों के रुपयों की गारंटी भी लेता था। ऐसा कोई नहीं है, जो उसकी बात के खिलाफ जाए। इलाके के लोग भी उसके खिलाफ बोलने से कतराते हैं। क्योंकि उस पर 25 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। इनमें मकोका, हत्या, हत्या के प्रयास, लूट जैसी वारदात शामिल हैं। फिलहाल वह बेल पर बाहर है। पुलिस टीम उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

बिहार : जब एक रात में जेल से फरार हुए 389 कैदी, पूरे शहर में एलान कर बम-बंदूक सब लूट ले गए नक्सली

कीर्तिवर्धन मिश्र

बिहार में भागलपुर नरसंहार से लेकर बेलछी, लक्ष्मणपुर बाथे, बारा और ऐसे ही कई हत्याकांडों में सैकड़ों लोगों की जान गई। बिहार के इन महाकांडों की कहानी सिर्फ नरसंहार तक ही सीमित नहीं है। कुछ दूसरी घटनाओं ने भी बिहार को दहलाया है। ऐसी ही एक घटना थी- जहानाबाद का जेल ब्रेक कांड। यह घटना 2005 में तब हुई, जब पूरे बिहार में चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी। बिहार के महाकांड' सीरीज की 10वीं कड़ी में आज जहानाबाद जेल ब्रेक कांड की बात करेंगे। 2005 में यह घटना कैसे हुई थी? 13 नवंबर 2005 की रात को कैसे जेल में बंद 658 कैदियों के भागने का रास्ता बना? इस पूरे प्रकरण ने कैसे जहानाबाद प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया था? आइये जानते हैं...

क्या है जहानाबाद जेल ब्रेक कांड की पृष्ठभूमि? : बिहार में 1967 के बाद से अति-वामपंथी संगठनों ने भूमिहीन मजदूरों को साथ लाकर जमींदारों के खिलाफ अभियान की शुरुआत कर दी। धीरे-धीरे यह अभियान हिंसक होने लगा। वामपंथी संगठनों के जवाब में जमींदारों ने उच्च जातियों के अलग-अलग समूहों का गठन किया। इसके साथ हिंसा और प्रतिहिंसा का खूनी दौर चल पड़ा। नतीजतन बिहार में 1970 से 1990 तक का दशक नरसंहार और अलग-अलग बर्बर हिंसक घटनाओं के लिए बदनाम हुआ। बिहार में इन तीन दशकों में प्रशासन नरसंहार-हत्याकांड की घटनाओं को रोकने में तो नाकाम रहा ही, साथ ही अधिकतर घटनाओं के अभियुक्तों को सजा दिलाने में भी नाकाम रहा। इससे प्रशासन के प्रति लोगों में गुस्सा बढ़ता गया।

इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली मैगजीन में लेख जहानाबाद-1: जेल ब्रेक एंड द माओइस्ट मूवमेंट में बेला त्रिवेदी लिखती हैं कि 2005 में जहानाबाद में जो जेल ब्रेक कांड हुआ, उसकी वजह माओवादियों में प्रशासन के खिलाफ भड़का गुस्सा था। माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) का आरोप था कि जेल में बंद किए जाने के बाद जमींदारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले उसके समर्थकों के साथ जातीय आधार पर भेदभाव होता। इतना ही नहीं उनके रहने की स्थितियां भी दयनीय थीं।

अब जानें- 13 नवंबर की उस रात क्या हुआ था? :13 नवंबर 2005 का दिन बिहार के जहानाबाद के लिए आम दिनों की तरह ही था। लेकिन, रात होते-होते बहुत कुछ बदल गया। क्योंकि इसी रात एक बहुत बड़ी साजिश को अंजाम दिया गया। ये साजिश जहानाबाद जेल ब्रेक की थी।

इस साजिश के लिए उस वक्त को चुना गया जब बिहार में विधानसभा के चुनाव हो रहे थे। दो चरण की वोटिंग हो चुकी थी, जबकि दो और चरणों में मतदान होना बाकी था। ऐसे में राज्य की पुलिस पोलिंग ड्यूटी पर तैनात थी। इसका फायदा माओवादियों ने उठाया। उस वक्त जहानाबाद के सांसद रहे गणेश प्रसाद सिंह ने सदन में कहा था "शाम साढ़े सात बजे से आठ बजे तक जहानाबाद शहर पर माओवादियों का कब्जा हो गया था। जहानाबाद जेल और पुलिस लाइन के साथ शहर के अधिकतर हिस्सों की बिजली काट दी गई। इसके बाद माओवादी पुलिस की वर्दी में और पुलिस लिखी गाड़ियों में बैठकर जहानाबाद के केंद्र में पहुंचे। चूंकि उन्होंने पुलिस की वर्दी पहनी थी, इसलिए लोगों को शक नहीं हुआ। हालांकि, बाद में कुछ चश्मदीदों ने घटना को याद करते हुए बताया कि कई माओवादियों को वर्दी फिट नहीं आई थी। इतना ही नहीं कुछ माओवादी तो चप्पलें और नंगे पैर ही पहुंच गए थे। सभी छोटे-छोटे समूहों में बंट गए। इस दौरान स्थानीय लोगों को अपने घरों के अंदर रहने और खिड़की-दरवाजे बंद रखने के लिए कहा गया। माओवादियों ने इसे आम लोगों के खिलाफ नहीं, बल्कि प्रशासन से जंग करार दिया। संसद में तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जयसवाल ने जो बयान दिया था, उसके मुताबिक, 300 से 400 नक्सलियों ने रात करीब 9 बजे एक बार में सीआरपीएफ कैंप, पुलिस स्टेशन, पुलिस लाइन्स और जहानाबाद उप-संभागीय जेल पर हमला बोल दिया। वहीं, सदन में इस मुद्द पर बहस के दौरान ही जहानाबाद सांसद गणेश प्रसाद सिंह ने कहा, "इनकी संख्या तीन-चार सौ नहीं, बल्कि दो हजार थी। ये सभी हथियारों, राइफलों, बमों से लैस थे। वे सीधे-सीधे सरकार और पुलिस प्रशासन को चुनौती दे रहे थे। वे जीप में बैठकर माइक से प्रचार कर रहे थे कि यदि कोई आदमी सड़क पर बाहर निकला, तो उसे बुरा अंजाम भुगतना पड़ेगा, उसे गोलियों से भून दिया जाएगा, बम से उड़ा दिया जाएगा। मैंने वहां देखा है, ऐसी मुख्य सड़क पर जहां कचहरी चौक है, जहां न्यायालय है, उस चौक पर बहुत बड़ा बम रखा हुआ है।

जहानाबाद जेल पर हमला : उस रात जहानाबाद जेल की सुरक्षा के हाल भी खस्ता थे। 600 से ज्यादा कैदियों की जिम्मेदारी सिर्फ आठ सुरक्षाकर्मियों पर थी। इनमें तीन पुलिस कॉन्स्टेबल और पांच होम गार्ड थे। माओवादियों ने जेल पर हमला बोला और 389 कैदी भाग निकले। इनमें से कई माओवादी कार्यकर्ता थे। इनमें से भाकपा (माओवादी) का एक बड़ा नेता अजय कानु भी शामिल था। हमलावरों ने इस दौरान जेल के हथियारखाने के गार्ड को घायल कर दिया और सुरक्षाकर्मी को मार दिया। इसके अलावा रणवीर सेना से जुड़ा बीनू शर्मा उर्फ बड़े शर्मा और एक अन्य कैदी भी मारा गया। बड़े शर्मा तब जहानाबाद जेल में 'दादागिरी' की वजह से कई कैदियों के निशाने पर था। जहानाबाद में इस पूरे कांड को अंजाम देने के बाद माओवादियों को भाग निकलने में कोई खास दिक्कत नहीं आई। आखिरकार 14 नवंबर की सुबह 11 बजे जहानाबाद में सुरक्षाबलों ने नियंत्रण स्थापित किया। इससे पहले तक सैकड़ों की संख्या में लोग सुबह-सुबह ही जेल के हालात देखने अंदर तक जा चुके थे। एक व्यक्ति ने मीडिया समूह से बातचीत में यह तक कहा था- "सुबह में पूरे जहानाबाद की जनता जेल के अंदर थी और कैदी बाहर। राज्य सरकार के मुताबिक, बाद में होम गार्ड्स की आठ राइफल और कुछ गोला-बारूद भी लूटे जाने की बात सामने आई। कुल-मिलाकर दो जेलकर्मियों, दो रणवीर सेना के कार्यकर्ताओं और दो नक्सलियों के अलावा एक आम व्यक्ति की इस हमले में मौत हुई।

बहुत कुछ है, जिस की पर्दादारी है!

>> विचार

> ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका के साथ-साथ, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की है। संभवतः इसी प्रस्ताव का रास्ता तैयार करने के लिए, मोदी सरकार ने सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया था, जिस पर विपक्षी पार्टियों ने इस आधार पर आपत्ति भी की थी कि चूंकि यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यमंत्रियों को ब्रीफ करने के लिए बुलायी जा रही थी, विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर क्यों रखा जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजनीतिक राय की एकता की जिस तरह की मांग सत्तापक्ष और मीडिया में उसके पक्षधरों द्वारा उठायी जा रही थी, यह भी उसके इकतरफापन का एक और उदाहरण था। लेकिन, नरेंद्र मोदी एकता के ऐसे तकाजों से रुकने वाले नहीं थे।

राजेंद्र शर्मा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद, राजस्थान में बीकानेर की अपनी सभा में प्रधानमंत्री मोदी, डॉयलागबाजी के अपने शीर्ष पर थे। यहां श्रोताओं की जोरदार तालियों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ इसी का बखान नहीं किया कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सफलता तथा सटीकता के साथ, पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डों को तबाह कर दिया गया, उन्होंने इसका भी बखान किया कि किस तरह भारत ने पाकिस्तान के सीने पर ऐसा तगड़ा प्रहार किया था, जिससे पाकिस्तानी सेना लड़ाई रुकवाने के लिए बातचीत की प्रार्थना करने पर मजबूर हो गयी। भारत ने उसे अच्छी तरह समझा दिया है कि आइंदा उसके खिलाफ आतंकवादी हरकत की गयी, तो उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी; पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी, पाकिस्तान की सेना को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी आदि। बहरहाल, डॉयलागों की इस शृंखला का सिरमौर था प्रधानमंत्री मोदी का सिंदूर वाला डॉयलाग - "अब तो मोदी की नसों में लहू नहीं, गरम सिंदूर दौड़ रहा है"!

चाहे यह सिर्फ संयोग हो या बरबस वास्तविक मंतव्य का सामने आ जाना, प्रधानमंत्री मोदी को बीकानेर की इस सभा के मौके पर, पांच साल पहले बालाकोट एअर स्ट्राइक के बाद राजस्थान में ही चुरू में हुई अपनी सभा खूब याद थी। यह तो सभी जानते हैं कि बालाकोट एअर स्ट्राइक पुलवामा के आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई थी, जिसमें सुरक्षा बलों के करीब चालीस जवान शहीद हुए थे। लेकिन, यह शायद ज्यादा लोगों को याद नहीं होगा कि चुरु की उक्त सभा से ही, जिसमें भी प्रधानमंत्री मोदी ने 'देश नहीं मिटने दूंगा, देश नहीं झुकने दूंगा' की प्रभावशाली डॉयलागबाजी की थी, पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के राजनीतिक और वास्तव में 2019 के आम चुनाव के लिए, दोहन के जबर्दस्त अभियान की शुरूआत हुई थी। बीकानेर की सभा से प्रधानमंत्री मोदी ने उसी सिलसिले के एक और चक्रकी शुरूआत कर दी लगती है। यह संयोग ही नहीं है कि सिंदूर के प्रतीक को सचेत रूप से इस अभियान के केंद्र में बनाए रखा जा रहा है। सिंदूर के प्रतीक का अगले कुछ ही महीने में होने वाले बिहार के विधानसभाई चुनाव के लिए और उसके कुछ और आगे, अगले साल के आरंभ में होने वाले बंगाल-असम के चुनावों के लिए विशेष महत्व है, हालांकि हिंदी सिनेमा से लेकर शिक्षा तथा सांस्कृतिक लेन-देन तक, प्रतीकों के सार्वदेशीकरण की प्रक्रिया में धीरे-धीरे सिंदूर, देश भर में विवाहिता के एक चिन्ह के रूप में स्थापित हो गया है, जोकि विडंबनापूर्ण तरीके से पितृसत्ता का प्रतीक भी है। इसीलिए, यह संघ परिवार के प्रिय प्रतीकों में से है, जो स्त्री के पूरे व्यक्तित्व को ही उसके वैवाहिक दर्जे में घटाने की कोशिश करता है। यह संयोग ही नहीं है कि संघ के इसी नजरिए को स्वर देते हुए, हरियाणा से भाजपा के सांसद, रामचंद्र जांगड़ा ने तो उन औरतों को, जिनके पतियों/पिताओं की पहलगाम में आतंकवादियों ने हत्या की थी, बाकायदा इसके लिए फटकारा है कि उन्होंने मौके पर "वीरांगना के भाव" का प्रदर्शन नहीं किया! सत्ताधारी पार्टी के सांसद के अनुसार, उनका वीरांगना के भाव का प्रदर्शन न करके हाथ जोड़ना ही, उनके अपनों के काल का कारण बना। होना तो यह चाहिए था कि वे भले खुद शहीद हो जातीं, पर लाठी-डंडा जो भी मिल जाता, उसी से सामने से मुकाबला करतीं, पर वे तो हाथ जोड़े रहीं। बस संघ परिवार के नेता के इतना कहने की ही कसर रह गयी कि जब घर के पुरुष ही मार दिए गए, फिर इन महिलाओं के जिंदा रहने का क्या फायदा? यहां आकर सिंदूर के प्रतीक के उपयोग की वह प्रतिगामिता खुलकर सामने आ जाती है, जिसकी ओर 'ऑपरेशन सिंदूर' के आरंभ में ही कई नारीवादियों और जनतंत्रवादियों ने इशारा किया था। पुनः जैसाकि मोदी राज में नियम ही बन गया है, इस अभियान के केंद्र में भी, सेना को हटाकर मोदी को लाया जा चुका है। यह, ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद, 13 से 23 मई तक के भाजपा के देशव्यापी अभियान में पहले ही किया जा चुका था। अब जगह-जगह लगे होर्डिंगों, बैनरों पर, कहीं हवाई जहाजों के साथ, तो कहीं तोपों के साथ, सैनिक पोशाक में सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी हैं। बीकानेर की सभा के दो-तीन दिन बाद ही, प्रधानमंत्री गुजरात के दौरे पर निकल गए हैं, जहां रोड शो समेत तरह-तरह के उन्हीं पर केंद्रित कार्यक्रमों के जरिए, मोदी की छवि के गिर्द ऑपरेशन सिंदूर और उसमें जीत के दावों को पुख्ता किया जाएगा। यह शायद इसलिए और भी जरूरी है कि अभी चुनाव में थोड़ा सा वक्त बाकी है यानी हवा को अपेक्षाकृत ज्यादा दिन तक बनाए रखना है।यह भी कोई संयोग नहीं है कि नीति आयोग की काउंसिल के मौके पर आयोजित, एनडीए के मुख्यमंत्रियों तथा उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक ने, बाकायदा एक प्रस्ताव पारित कर, ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका के साथ-साथ, प्रधानमंत्री के नेतृत्व की प्रशंसा की है। संभवतः इसी प्रस्ताव का रास्ता तैयार करने के लिए, मोदी सरकार ने सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया था, जिस पर विपक्षी पार्टियों ने इस आधार पर आपत्ति भी की थी कि चूंकि यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर पर मुख्यमंत्रियों को ब्रीफ करने के लिए बुलायी जा रही थी, विपक्षी मुख्यमंत्रियों को इससे बाहर क्यों रखा जा रहा था। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय राजनीतिक राय की एकता की जिस तरह की मांग सत्तापक्ष और मीडिया में उसके पक्षधरों द्वारा उठायी जा रही थी, यह भी उसके इकतरफापन का एक और उदाहरण था। लेकिन, नरेंद्र मोदी एकता के ऐसे तकाजों से रुकने वाले नहीं थे। उनकी निगाह अपनी प्रशंसा के प्रस्ताव पर थी और इसका नतीजा यह हुआ कि एकता की सारी लफ्फाजी के बीच सिर्फ सत्तापक्षीय मुख्यमंत्रियों-उप-मुख्यमंत्रियों की बैठक हुई, जिसने खुशी-खुशी उक्त प्रस्ताव पारित किया। इस इकतरफापन का एक और भी बड़ा उदाहरण, विपक्ष के सारे आग्रह के बावजूद, मोदी सरकार का संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार नहीं होना और इसके बजाए, सांसदों के नेतृत्व में विभिन्न देशों में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का था, जिसमें पुनः आतंकवाद के मुद्दे पर राष्ट्रीय राय की एकता का वही संदेश दिया जाना है। इन प्रतिनिधिमंडलों के लिए सत्तापक्ष द्वारा जिस तरह से विपक्ष से प्रतिनिधियों को चुना गया है, वह भी उसी इकतरफापन का एक और उदाहरण है। बहरहाल, राष्ट्रमत की यह कथित एकता तब कथित राष्ट्रमत की तानाशाही का रूप ले लेती है, जब इसके सहारे तमाम सवालों को दबाया जाने लगता है, भले ही वे सीधे शासन को कटघरे में खड़े करने वाले सवाल न हों, जैसे पहलगाम में सुरक्षा चूक के सवाल और जम्मू-कश्मीर में धारा-370 के खत्म किए जाने के बाद से, आतंकवाद के आखिरी सांसें गिन रहे होने के ढपोरशंखी दावों के सवाल, जो सीधे शासन को कटघरे में खड़ा करते हैं। विपक्ष के नेता, राहुल गांधी जब सीमावर्ती इलाके में पुंछ में, भारत-पाकिस्तान के बीच घोषित-अघोषित युद्ध की विभीषिका झेल रहे लोगों से जाकर मिले, इसने प्रभावशाली ढंग से यह याद दिलाया कि युद्ध से प्रभावित होने वाले ये लोग भी इसी देश के नागरिक हैं। राजधानियों के फैसलों के नतीजे में इन सीमावर्ती इलाकों को जो झेलना पड़ता है, क्या राजधानियों के फैसलों में उसका समुचित या पर्याप्त हिसाब रखा जाता है? युद्ध संबंधी निर्णयों की इस कीमत की मौजूदा निजाम में शायद ही कभी चर्चा सुनाई देती हो। इसीलिए, प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी भाषण, किसी भी बयान में, सीमावर्ती इलाकों के लोगों की इन मुश्किलों और कुर्बानियों का भी कोई जिक्रतक नहीं मिलता है। लेकिन, क्या सैन्य विकल्प का कोई भी फैसला करते हुए, इस कीमत को भी हिसाब में नहीं लिया जाना चाहिए। ऐसा ही एक और मुद्दा, जिसे राहुल गांधी ने ही प्रभावशाली तरीके से उठाया है, युद्ध के वास्तविक नतीजों का है। मोदी सरकार, ऑपरेशन सिंदूर के खत्म नहीं होने के स्वांग की आड़ में, इसकी न्यूनतम प्रामाणिक जानकारियां तक छुपा कर रखने की कोशिश कर रही है कि इस लड़ाई में हमें क्या और कितनी कीमत चुकानी पड़ी है? सत्ताधारी पार्टी के पास एक ही रटा-रटाया जवाब है - यह ऐसे सवालों के जवाब देने का समय नहीं है। वास्तव में इसके पीछे मूल समझदारी यह है कि सरकार के सिवा और किसी को ऐसी जानकारी की जरूरत ही क्या है? दूसरी ओर मिट्टी में मिला देने से लेकर धूल चटा देने तक के दावों को अंतहीन तरीके से दोहराया जा रहा है। इस तरह एक ऐसा नैरेटिव गढ़ा जा रहा है, जिसमें सरकार और उसके गोदी मीडिया की ओर से बोलने वालों की मानें तो, भारत के लिए युद्ध की कोई कीमत ही नहीं है, जबकि पाकिस्तान के लिए इकतरफा तरीके से भारी कीमत है। इस तरह का असंतुलित विचार बाकायदा युद्धोन्माद को हवा दे रहा है। और यह युद्धोन्माद, संघ-भाजपा की मूल कार्यनीति के साथ बखूबी फिट बैठता है, हालांकि आपरेशन सिंदूर के शस्त्रविराम को अपने अनुयाइयों के ही गले उतरवाने में उन्हें भी अच्छी-खासी मशक्कत करनी पड़ी थी। दुर्भाग्य से कथित राष्ट्रमत की तानाशाही, विपक्ष के भी बड़े हिस्सों को इसी गाड़ी के पीछे घिसटने के लिए मजबूर करती नजर आ रही है। नसों में दौड़ते सिंदूर की डॉयलागबाजी, इसी सब पर पर्दा डालने का साधन है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोकलहर' के संपादक हैं।)

संपादकीय

भरोसा बढ़ेगा

पहलगाम में जम्मू-कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जगेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं।

पर्यटक बढ़े : सरकारी आंकड़े बताते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से 99.93 लाख से अधिक पर्यटकों ने घाटी की सैर की। जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा।

डराना था मकसद : ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था। इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की।

आर्थिक झटका : पहलगाम के बाद जम्मू-कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल-टैक्सी वगैरह की 90% तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है।

अकेला नहीं छोड़ना : सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ-साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है।

प्रयास बढ़ाए जाएं : उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में यह सुझाव भी दिया था कि ढरव२ के लिए कश्मीर में बैठक करना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही, संसदीय समितियों को भी घाटी में जाकर मीटिंग करनी चाहिए। ये कदम छोटे-छोटे ही सही, पर स्थानीय लोगों में सुरक्षित होने का अहसास पैदा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस कड़ी में पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की यह बात भी गौर करने लायक है कि केवल टूरिज्म पर निर्भर न रहकर इंडस्ट्री लाई जाए। इससे तमाम दूसरे रास्ते अपने आप खुल जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के निष्कर्षों से सीखें सबक

एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर (अ.प्रा.)

ऑपरेशन सिंदूर का अचानक यूं खत्म होना एकदम अप्रत्याशित था झ्रवास्तव में, यह किसी परीक्षा-पत्र में 'पाठ्यक्रम से इतर' आए सवाल की तरह रहा! हालांकि, अच्छा हुआ कि पूर्ण पैमाने का युद्ध टल गया और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम का आगे उल्लंघन नहीं होगा। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखे हुए हों, तथापि कुछ निष्कर्ष ऐसे हैं जो समीक्षा के रूप में निकाले जा सकते हैं। सर्वप्रथम, मौजूदा सेना के रिवायती त्रि-सेवा तंत्र ने रणभूमि कमान के बिना भी काम कर दिखाया है। इसलिए, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए नरसंहार और 7 मई को आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद तीन दिन चले हमलों की शुरुआत होने के बीच की अवधि में थल और वायुसेना ने बड़ी विशेषज्ञता से संयुक्त योजना की रूपरेखा तय कर इनके परिणाम दिए। पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के हमले निरंतर, तीव्र और सघन थे और हमारी प्रतिक्रियाएं भी समान रहीं, लगभग सभी पाकिस्तानी प्रक्षेपास्त्र (यूएवी, मिसाइल, सशस्त्र और बिना हथियार वाले ड्रोन) सफलतापूर्वक गिरा लिए गए, इसका श्रेय भारतीय वायुसेना के स्वदेश विकसित एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएससीसीएस) को जाता है, जो सभी सैन्य और नागरिक राडार जनित समग्र सूचना को एकीकृत स्क्रीन पर संश्लेषित कर दिखा देता है। यह प्रणाली लक्ष्यों से पैदा होने वाले खतरों का इलेक्ट्रॉनिक आकलन करके, युद्ध नियंत्रक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो भी हथियार प्रणाली सबसे उपयुक्त हो, उसका इस्तेमाल कार्रवाई करने का आदेश देती है। दूसरा, चार दिनों तक चले आपसी टकराव मुख्यतः पूरी तरह से न सही, हवाई माध्यम से चोट पहुंचाने वाले रहे। यह टकराव एक ऐसे सघन वायु रक्षा प्रणाली से लैस इलाके में हुए, जहां दोनों पक्ष वार-प्रतिवार की हवाई लड़ाई लड़ रहे थे, यह स्थिति इराक, अफगानिस्तान और सीरिया में पश्चिमी ताकतों द्वारा और गाज़ा एवं लेबनान पर इस्राइलियों द्वारा की गई हवाई बमबारी से उलट थी, जहां उन्हें अपने अभियानों में विरोधियों के हवाई हमला निरोधक उपायों का सामना नहीं करना पड़ता। स्वाभाविक है युद्ध में नुकसान भी होता है और यह संघर्ष की एक अनन्य प्रकृति है कि आक्रामक पक्ष को कुछ नुकसान झेलना ही पड़ता है, निश्चित रूप से भारतीय वायुसेना इसका भी आलोचनात्मक विश्लेषण करेगी। अब उपलब्ध फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चलता है कि भारत के यूएवी और मिसाइलों के हमले बहुत प्रभावी रहे, और यह तथ्य है कि पाकिस्तान भर में फैले उसके ग्यारह फ्रंटलाइन एयरबेसों पर भारतीय वायुसेना ने करारी चोट की है और यह हमारी पहुंच और हथियारों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या और वायु-शक्ति के बारे में काफी खबरें आती रही हैं और चूंकि हमारी सीमाएं आगे भी सक्रिय रहेंगी, इसलिए भारतीय वायुसेना की प्रहारक क्षमता बनाए रखने पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हथियार प्रणाली, एन्क्रिप्टेड संचार और प्रहारक क्षमता जैसे कि एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, एरियल फ्लाइट रिफ्यूलर और अत्याधुनिक अस्त्रास्त्र जैसी प्रणालियों की जरूतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतिम विश्लेषण में यह याद रखना चाहिए कि यह एक अन्य उदाहरण रहा, जब वायु शक्ति की प्रभावशीलता ने शांति स्थापना की दिशा में राजनीतिक और कूटनीतिक वार्ता की राह प्रशस्त की। तीसरा, हालांकि एस-400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यतः मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है। गौरतलब है कि यह क्षमता डीआरडीओ और निजी क्षेत्र के सम्मिलित उद्यम से बनी है और वास्तव में यह बहुत उत्साहजनक है। ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम की प्रचुर उपलब्धता रहने के पीछे क्षेत्रीय कमानों के वाइस चीफ और कमांडर-इन-चीफ को दी गई आपातकालीन शक्तियों का परिणाम भी हो सकता है। वहीं भारतीय वायुसेना द्वारा डिजाइन की गई कम दूरी की एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणाली, सरफेस-टू-एयर मिसाइल फॉर एश्योर्ड रिटेलिएशन (एसएएमएआर) के रूप में अपने ही संस्थानों में विकसित किए स्वदेशी अस्त्र बहुत काम आए। यह एसएएमएआर हमने सरफेस-टू-एयर मिसाइल के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली रूस निर्मित आर-73 और आर-27 एयर टू एयर मिसाइलों का नवीनीकरण करके पाया है (वरना इससे पहले उनका जीवनकाल समाप्त होने पर कबाड़ के रूप में खुर्द-बुर्द करना पड़ता था)। यह बताता है कि हमारे अपने संस्थानों में तीक्ष्ण बुद्धि दिमाग हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। यहां पर, उन अथक वायु रक्षा गनर्स (जिन्होंने लगातार एल-70 एंटी एयरक्राफ्ट गन जैसे रिवायती शस्त्रास्त्र चलाए) और बीएसएफ के जवान (जिन्होंने एंटी-यूएवी सिस्टम को प्रभावशाली रूप से इस्तेमाल किया) द्वारा किए गए अद्भुत काम की सराहना करना लाजिमी है। चौथा, एक आम आदमी जिसकी सूचना तक पहुंच केवल मीडिया से मिले समाचारों तक थी, लगता है इस बारे में नागरिक-सैन्य-राजनयिक तंत्र ने अच्छा काम किया है। एक ईमानदार मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है कि क्या नवीनतम स्थिति युद्ध विराम समझौते की ओर ले जाने वाली घटनाओं और युद्ध विराम को स्वीकार करने से पहले मिले आश्वासनों के अनुरूप है। इसका उत्तर इस एक अकेले प्रश्न के उत्तर में निहित होगा, क्या हर बार आतंकवादी कार्रवाई होने पर इस किस्म की गतिज कार्रवाई करने की आवश्यकता पड़ेगी? हालांकि पाकिस्तान को याद रहे कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा होने पर बदले में दंडात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। पांचवां, क्या युद्ध विराम इस बात का संकेत है कि हम लगभग पूर्ण युद्ध की कगार पर पहुंच चुके थे? कुछेक प्रश्नों को स्पष्ट करने की आवश्यकता है। पहलगाम के आतंकवादी कहां हैं, जिन्होंने अपने निर्दयी नरसंहार से यह सब शुरू किया था? क्या यह आश्वासन दिया गया है कि पाकिस्तान उन्हें ढूंढ़कर सौंप देगा? इतना ही महत्वपूर्ण पहलू यह है कि चूंकि शिमला समझौते में आपसी समस्याओं का समाधान केवल द्विपक्षीय वार्ता के जरिए निकालने की बात कही गई है, इसलिए युद्ध विराम की घोषणा करते समय अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो के बयान का यह भाग कि 'सभी मुद्दों पर तटस्थ जगह पर चर्चा करें', इस पर आधिकारिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। यह करना फौरी तौर पर जरूरी है क्योंकि 'सभी मुद्दे' शब्द से समस्याओं का पिटारा खुल सकता है। और अंत में, किंतु सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बात का जवाब चाहिए कि क्या चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ वाली प्रणाली, जिसके लिए यह टकराव पहली परीक्षा रहा, क्या उसने वह काम कर दिखाया जिसके लिए इसकी स्थापना हुई थी। सैन्य मिशनों की योजना वास्तव में कौन बना रहा था और 'युद्ध' को अंजाम किसने दिया झ्र एकीकृत रक्षा स्टाफ ने या फिर सेना और वायु सेना के क्षेत्रीय कमान मुख्यालयों के कमांडर-इन-चीफ इन कार्रवाइयों का संचालन कर रहे थे? इस प्रश्न का उत्तर हमारे उच्चतर रक्षा संगठन तंत्र (थिएटराइजेशन) के फिलहाल जारी पुनर्गठन में एक अमूल्य योगदान होगाझ्र युद्ध की भट्टी से तपकर निकले अनुभव से ज्यादा बढ़िया सबक दुबारा मिलना असंभव होगा। वास्तव में, यह करना उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं को एक उचित श्लाघा होगी जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का नेतृत्व किया।

(लेखक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक हैं।)

कोरी 'लक्ष्मण रेखा' से ही नहीं होगा तंबाकू निषेध

पंकज श्रीवास्तव

शिक्षण संस्थानों के साथ उससे जुड़े संस्थान जैसे हॉस्टल, कोचिंग व लाइब्रेरी आदि की 100 गज की परिधि में तंबाकू उत्पादों की बिक्री रोकने के लिए अब और सख्ती की जाएगी। विश्व तंबाकू निषेध दिवस यानी ३१ मई से छेड़े जाने वाले अभियान को लेकर भारत सरकार की ओर से जो गाइलाइन प्रशासन और स्कूलों के पास पहुंची है जिसमें एक बिंदु अहम है। गाइड लाइन में कहा गया है कि ऐसी संस्थाओं के 100 गज के दायरे में एक पीली रेखा खींची जाए। साथ ही इसके अंदर यदि कोई तंबाकू उत्पाद बेचने को लेकर संदिग्ध दुकान आ रही है तो उस पर कार्रवाई की जाए। एक तरह से यह 'लक्ष्मण रेखा' होगी। इस तरह से रेखाएं खींचना ये जानने का तरीका तो हो सकता है कि शैक्षणिक संस्था के आसपास का संबंधित हिस्सा तंबाकू मुक्त है या नहीं। पर इससे

तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सकेगी इस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह बात सही है कि ऐसे उत्पादों को शैक्षणिक संस्थाओं से दूर रखना ही चाहिए लेकिन बड़ी जरूरत इस बात की है कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के प्रयास किए जाएं। मामूली जुर्माना प्रावधान से क्या तंबाकू की बिक्री शिक्षण संस्थाओं की तय परिधि में रोकी जा सकती है? क्योंकि तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 में तो महज २०० रुपए के जुर्माना का प्रावधान है। सजा सख्त नहीं होंगी तो कितने ही अभियान चलाए जाएं इन्हें रोकना मुश्किल काम है। ऐसी रेखा खींचने से तो एक तरह से निर्धारित दूरी से थोड़ी ही दूरी पर तंबाकू बिक्री और आसान हो जाएगी। जबकि प्रयास इस बात के होने चाहिए कि किशोर वय में ही बच्चों को तंबाकू सेवन से कैसे रोका जाए? होना तो यह चााहिए कि 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे या किशोर को यदि कोई तंबाकू उत्पाद बेचते पाया जाए तो उसे सीधे जेल भेजा जाए। जुर्माना जैसी कार्रवाई में राशि भी ज्यादा ही होनी चाहिए। उन लोगों पर भी सख्ती होनी चाहिए जो बच्चों से तंबाकू उत्पाद मंगवाते हैं। ऐसी सामग्री का प्रचार करने वाले संचार माध्यमों व सिने कलाकारों को भी पाबंद करना होगा। सोशल मीडिया पर नशे को महिमा मंडित कर रहे चैनलों पर रोक लगानी होगी। ऐसी फिल्में और ओटीटी सीरीज पर रोक लगानी होगी जिनमें युवाओं को नशे में दिखाया जाता है। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि सिर्फ जमीनी लक्ष्मण रेखाएं ही नशे के रावण को रोक नहीं सकती हैं। इसके लिए संबंधित विभागों और कानून के तरकश में ऐसे बाण होना चाहिए जिनका भय आरोपी के मन में समा जाए। देश के किसी भी हिस्से में चले जाएं आज तो शिक्षण संस्थाओं के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री प्रशासन की नाक के नीचे होते दिख जाएगी। तंबाकू बेचने वाले भी और इसका इस्तेमाल करने वाले भी, नियम- कायदों को धता बताने से कोई नहीं चूक रहा। हकीकत तो यह है कि लक्ष्मण रेखा से कोई दायरा तो तय हो सकता है लेकिन सख्ती कानून के कठोर प्रावधानों से ही हो सकती है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

सीईईडब्ल्यू ने लॉन्च की इंडियाज हीटवेव हीरोज सीरीज, बतायेगी भीषण गर्मी से निपटने के स्थानीय समाधान

नई दिल्ली। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) ने इंडियाज हीटवेव हीरोजः लोकल सॉल्यूशंस इन ए हॉटर वर्ल्ड नामक वीडियो सीरीज लॉन्च की। पांच भागों में बनी यह यूट्यूब सीरीज देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से निपटने के स्थानीय प्रयासों और नवाचारों को उजागर करती है। इस सीरीज को लोकप्रिय राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स ने होस्ट किया है, जिनमें अभिनेता आशीष विद्यार्थी, अशरफ एक्सेल, अलीवा मिश्रा (लुईस गुड लाइफ), शक्ति सिंह (ट्रैवलिंग मंडेज) और श्वेता राठौर (विट्टीस्पेस) शामिल हैं। गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, ओडिशा और केरल जैसे राज्यों में यह सीरीज ऐसे ग्रासरूट चैंपियंस और स्थानीय संस्थाओं को रेखांकित करती है जो गर्मी से निपटने की सामर्थ्य और कूलिंग इनोवेशन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह सीरीज ऐसे समय में आई है जब भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती मौसमी अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है–देश के भीतरी हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं, उत्तर भारत में मई में रिकॉर्ड वर्षा हुई है और दक्षिण व पूर्वोत्तर में समय से पहले मानसून ने दस्तक दी है। सीईईडब्ल्यू के एक हालिया अध्ययन में सामने आया है कि भारत के 57 प्रतिशत जिले अत्यधिक हीट रिस्क का सामना कर रहे हैं।

इंटरनेशनल फिल्म सिटी की राह हुई आसान, बोनी कपूर ने जमा किया लेआउट प्लान

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' के निर्माण की राह अब आसान हो गई है। निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने फिल्म सिटी का लेआउट प्लान यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) को सौंप दिया। अब यीडा इस प्लान की समीक्षा करेगा और जरूरी अनुमोदन के बाद निर्माण कार्य को औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। यह फिल्म सिटी यमुना एक्सप्रेसवे के सेक्टर-21 में 1000 एकड़ में विकसित की जा रही है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर काम शुरू होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1510 करोड़ रुपये है। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि फिल्म निर्माता और फिल्म सिटी के निर्माण की जिम्मेदारी हासिल करने वाले बोनी कपूर ने अपनी कंपनी की ओर से लेआउट प्लान को सबमिट किया है। अब प्राधिकरण इसका अवलोकन और परीक्षण करेगा, जिसके बाद उन्हें कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुणवीर सिंह ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य पूरी तरह समझौते के अनुसार ही होगा।

राहुल के 'नॉट फाउंड सूटेबल' पर शिक्षा मंत्री ने गिनाए आंकड़े, कहा मोदी सरकार ने दूर की पिछड़ों की बाधायें

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर 'झूठ और फरेब' की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को अपना अधिकार मिल रहा है। वहीं कांग्रेस काल में उन्हें इससे वंचित रखा गया था। धर्मेन्द्र प्रधान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक आरोप का जवाब दे रहे थे। इसमें राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि योग्य उम्मीदवार न मिलने का बहाना कर सरकार जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी उम्मीदवारों को शिक्षा और नेतृत्व से दूर रख रही है। इसके जवाब में आंकड़ों के साथ शिक्षा मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी को पीलिया हुआ है इसीलिए उनको सबकुछ पीले रंग का ही दिखाई पड़ता है। या यूं कहें कि हर अच्छे में भी उन्हें बुरा ही दिखाई पड़ता है। शिक्षा मंत्री ने राहुल गांधी के इन आरोपों का एक्स पर जवाब दिया। प्रधान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'नॉट फाउंड सूटेबल' (योग्य उम्मीदवार नहीं मिला) जैसी व्यवस्था कांग्रेस की दलित-विरोधी नीति की देन थी। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने 2019 में ऐतिहासिक कानून लाकर इस अन्याय का अंत किया। उन्होंने कहा कि देश का युवा अब कांग्रेस की इस राजनीति की सच्चाई समझ चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को पुरस्कृत किया

मुंबई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र सरकार की ओर से स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान को छत्रपति संभाजी महाराज के नाम पर 'राज्य प्रेरणा गीत पुरस्कार' देकर सम्मानित किया। मुंबई में हो रही बारिश की वजह से आज यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के शासकीय आवास वर्षा बंगले पर आयोजित किया गया। छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार इस वर्ष से दिए जाने की घोषणा की गई थी। कार्यक्रम में स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित गीत अनाड़ी मी.. अनंत मी... के लिए 2025 का छत्रपति संभाजी महाराज राज्य प्रेरणादायक गीत पुरस्कार के रुप में अमित शाह ने दो लाख रुपये का धनादेश स्वातंर्त्यवीर सावरकर प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों को सौंपी। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज का जीवन जीने और मरने दोनों के लिए प्रेरणा देता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले उपराष्ट्रपति, शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए सदा तैयार हों

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम चरण 7 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी शक्ति की आवश्यकता है। युद्ध से सबसे अच्छा बचाव तब होता है जब हम शक्ति की स्थिति में हों। शांति तब सुनिश्चित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहें। शक्ति केवल तकनीकी क्षमता या पारंपरिक हथियारों से नहीं आती, बल्कि यह जनता से भी आती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'संतुलन बनाए रखना जरूरी है। हम केवल अपने मौलिक अधिकारों की बात करते हैं, उन्हें 24×7 मांगते हैं, और मौलिक कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह उदासीन रहते हैं!ज अगर हम केवल अपने अधिकारों पर ध्यान दें और कर्तव्यों की अनदेखी करें, तो हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में एक नागरिक के रूप में

अपने दायित्व को पूरा नहीं करते। संविधान में शुरू में ये कर्तव्य नहीं थे। हमारे संविधान निर्माताओं ने अपेक्षा की थी कि हम इन कर्तव्यों के प्रति स्वाभाविक रूप से समर्पित रहेंगे। लेकिन बाद में जब इसकी आवश्यकता महसूस हुई, तो इन्हें 42वें और 86वें संविधान संशोधन के माध्यम से शामिल किया गया। यदि मैं मौलिक कर्तव्यों का सार बताऊं, तो यह है कि राष्ट्रीय कल्याण को प्राथमिकता देना, लोक व्यवहार, अनुशासन, सार्वजनिक संवाद, पर्यावरण और जीवन में भलाई की सभी बातों में अपना योगदान देना।' उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि हम योगदान कैसे करें? स्वदेशी का विचार आर्थिक राष्ट्रवाद से जुड़ा हुआ है। आर्थिक राष्ट्रवाद का मतलब है कि हम स्वदेशी वस्तुओं का उपभोग करें। 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाएं। यह हमारे कारीगरों को प्रेरित करेगा कि वे हमारी आवश्यकताओं को पूरा करें। लेकिन अगर हम उन वस्तुओं का आयात करते हैं जिन्हें देश में बनाया जा सकता है, तो तीन समस्याएं उत्पन्न होती हैं- एक, विदेशी मुद्रा भंडार पर अनावश्यक दबाव; दूसरा, अपने देश के लोगों से रोजगार छीनना; और तीसरा, उद्यमशीलता को कुंद करना। हर व्यक्ति योगदान दे सकता है - वह क्या पहनता है, क्या खाता है, कौन से जूते पहनता है।

राष्ट्रपति ने 68 हस्तियों को प्रदान किए पद्म पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने दूसरे चरण में राष्ट्रपति भवन में 68 विभूतियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। देश के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति में आज चार को पद्म विभूषण, 8 को पद्म भूषण और 56 को पद्मश्री प्रदान किए गए।जस्टिस (सेवानिवृत्त) जगदीश सिंह खेहर, कुमुदिनी लाखिया (मरणोपरांत), डॉ. शारदा सिन्हा (मरणोपरांत), डॉ. शोभना चंद्रकुमार को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। वहीं, नल्ली कुप्पुस्वामी चेत्ती, डॉ. बिबेक देबरॉय (मरणोपरांत), कैलाश नाथ दीक्षित, जतिन गोस्वामी, डॉ. मनोहर जोशी (मरणोपरांत), अनंत नाग, साध्वी ऋतंभरा, वेलु आसन को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 56 हस्तियों को पद्मश्री प्रदान किए गए।

पाकिस्तानी सेना आईसीयू में, आतंकवाद को लेकर सख्त भारत : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि पाकिस्तान सेना मौजूदा समय में आईसीयू में है। तरुण चुघ ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि गुजरात के गांधीनगर में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से यह साफ है कि अब भारत आतंकवाद के खात्मे को एक लक्ष्य मानता है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में अपने संबोधन में पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को महज 20 मिनट में ध्वस्त कर दिया। इसे हमने वीडियो में भी कैद कर लिया, ताकि अगर कोई सबूत मांगे, तो उसे दिखा सकें। पाकिस्तान इस बात को जानता है कि वह हमसे जीत नहीं सकता, इसलिए वह सीमापार से आतंकवादी भेजकर यहां पर माहौल को अव्यवस्थित करना चाहता है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। भाजपा नेता तरुण चुघ ने प्रधानमंत्री के इस संबोधन को 140 करोड़

देशवासियों की आवाज बताया। कहा कि आज की तारीख में देशवासी नहीं चाहते हैं कि कोई भी आतंकवादी अपना फन उठाए। पाकिस्तान को हर हमले की कीमत चुकानी होगी। साथ ही, तरुण चुघ ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को 'बारात' कहने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि शिवसेना (यूबीटी) के नेता सेना की बहादुरी पर सवाल उठा रहे हैं और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के संबंध में विवादित टिप्पणी कर रहे हैं, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ की। बोले, अगर बाला साहेब ठाकरे जिंदा होते, तो प्रधानमंत्री मोदी को गले लगाते। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया।

उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) पर हिंदुत्व की विचारधारा से समझौता किए जाने की निंदा की। कहा कि पहले जो नेता हिंदुत्व की बातें किया करते थे, अब वह पार्टी हनुमान चालीसा पढ़ने वालों को जेल भेज रही है। अब इन लोगों को आपत्ति हो रही है कि आखिर कोई कैसे हनुमान चालीसा पढ़ सकता है।

शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 29 मई से देशभर में चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रारंभ हो रहे देशव्यापी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां पूरी हो गई हैं। इस अभियान की शुरूआत 29 मई को पुरी (ओडिशा) से की जाएगी, जहां केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह भी शामिल होंगे।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के मुताबिक 15 दिनों तक चलने वाले इस वृहद अभियान के दौरान शिवराज सिंह चौहान करीब 20 राज्यों में प्रवास करेंगे। इस दौरान वह किसानों एवं वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन करने के साथ ही उनसे सीधा संवाद करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 29 मई को ओडिशा के बाद 12 जून तक के अभियान के दौरान जम्मू, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, मेघालय, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश,

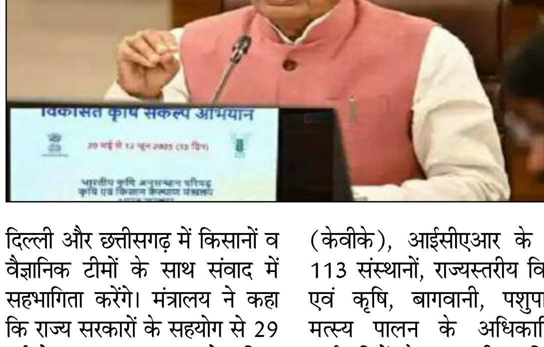

दिल्ली और छत्तीसगढ़ में किसानों व वैज्ञानिक टीमों के साथ संवाद में सहभागिता करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि राज्य सरकारों के सहयोग से 29 मई से 12 जून तक 700 से अधिक जिलों में यह अभियान आयोजित किया जाएगा। इस दौरान वैज्ञानिकों की टीम गांवों में जाकर किसानों से संवाद करेगी। अभियान में देशभर के सभी 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), आईसीएआर के सभी 113 संस्थानों, राज्यस्तरीय विभागों एवं कृषि, बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही प्रगतिशील किसान व कृषि से जुड़े अन्य लोग शामिल होंगे।

सीबीआई की बड़ी जीतः इंटरपोल के नए सिल्वर नोटिस से पकड़े गए 2 बड़े धोखेबाज, दुबई में भी मिली संपत्ति

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटरपोल ने 'सिल्वर नोटिस' नामक एक नई पहल शुरू की है, जिससे सदस्य देश वांछित अपराधियों की संपत्तियों से संबंधित अलर्ट और जानकारी साझा कर सकेंगे। यह पहल वित्तीय अपराधों से प्राप्त संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें जब्त करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि सिल्वर नोटिस और डिफ्यूजन के माध्यम से, सदस्य देश धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, नशीले पदार्थों की तस्करी, पर्यावरणीय अपराध और अन्य गंभीर अपराधों से जुड़ी संपत्तियों के बारे में जानकारी का अनुरोध कर सकते हैं। यह नोटिस अपराधियों द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग की गई संपत्तियों, जैसे अचल संपत्ति, वाहन, बैंक खाते और व्यवसायों का पता लगाने और उनके बारे में जानकारी जुटाने में मदद करेगा। इस जानकारी का उपयोग बाद में

द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर संपत्ति की जब्ती, कुर्की या वसूली के लिए किया जा सकता है, जो राष्ट्रीय कानूनों के अधीन होगा। प्रवक्ता ने बताया कि सिल्वर नोटिस को वर्तमान में 51 देशों और क्षेत्रों के साथ एक पायलट चरण के रूप में लॉन्च किया गया है, जो कम से कम नवंबर 2025 तक चलेगा। इस पायलट चरण में प्रत्येक देश 9 सिल्वर नोटिस प्रकाशित करवा सकता है। भारत ने सीबीआई, ईडी और एनसीबी द्वारा जांच किए जा रहे मामलों में सिल्वर नोटिस प्रकाशित करने के लिए पहले ही अनुरोध प्रस्तुत कर दिए हैं। पहला नोटिसः शौकीन शुभम के खिलाफ (वीजा धोखाधड़ी) 23 मई, 2025 को, सीबीआई ने भारत का पहला सिल्वर नोटिस शौकीन शुभम के खिलाफ प्रकाशित करवाया। शुभम नई दिल्ली स्थित एक विदेशी दूतावास में कार्मिक वीजा और स्थानीय कानून अधिकारी था।

उसने सितंबर 2019 से मई 2022 के बीच अन्य आरोपियों के साथ मिलकर वीजा आवेदकों से 15,00,000/- रुपये से 45,00,000/- रुपये तक की अवैध राशि लेकर शेंगेन वीजा जारी करने में मदद की। इस आपराधिक आय से उसने दुबई, यूएई में 7,760,500 दिरहम (लगभग 15,73,51,250 रुपये) की छह अचल संपत्तियां हासिल कीं। इससे पहले, सीबीआई ने उसके ठिकाने का पता लगाने के लिए उसके खिलाफ एक ब्लू नोटिस भी प्रकाशित करवाया था।

भारत में विकसित होगा ई-हनसा, अगली पीढ़ी का इलेक्ट्रिक ट्रेनर विमान

नई दिल्ली। भारत ने अगली पीढ़ी के दो-सीटर इलेक्ट्रिक ट्रेनर विमान 'ई-हनसा' (इलेक्ट्रिक हनसा) के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस विमान का विकास वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला (एनएएल) बेंगलुरु द्वारा किया जा रहा है। इसकी अनुमानित लागत लगभग दो करोड़ रुपये होगी। यह कीमत विदेशी ट्रेनर विमानों की कीमत से लगभग आधी है। यह जानकारी आज केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। वह विज्ञान भवन में सभी प्रमुख विज्ञान विभागों के सचिवों के साथ उच्चस्तरीय मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री के साथ ही सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि नया विमान सीएसआईआर की राष्ट्रीय वैमानिकी प्रयोगशाला बेंगलुरु द्वारा पूरी तरह स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। ई-हनसा, हनसा-3 (न्यू जेनरेशन) ट्रेनर विमान कार्यक्रम का हिस्सा है। इसे

पायलट प्रशिक्षण के लिए एक किफायती और स्वदेशी विकल्प के रूप में तैयार किया जा रहा है। भारत का ई-हनसा विमान देश के हरित विमानन लक्ष्यों और स्वच्छ ऊर्जा आधारित विमानों के उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल से बिरला ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की आवश्यक

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद किसी एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह पूरी मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। उन्होंने सभी देशों से इसके खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने की अपील की।

अध्यक्ष बिरला ने आज संसद भवन में श्रीलंका की संसद के डिप्टी स्पीकर और संसद की समितियों के सभापति डॉ. रिज्वी सालीह के नेतृत्व में भारत यात्रा पर आए श्रीलंका के संसदीय शिष्टमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका की मित्रता सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित है। दोनों देशों के बीच बौद्ध धर्म की साझी विरासत को भी उन्होंने गर्व के साथ उल्लेख किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच फिनटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने हाल ही में श्रीलंका में यूपीआई-आधारित भुगतान प्रणाली की शुरुआत और पर्यटन के लिए समुद्री रास्तों में

सुधार की बात की। बिरला ने भारत की संसद में तकनीकी नवाचारों के महत्व पर जोर दिया। कहा कि संसद डिजिटल और एआई तकनीकों के जरिए पारदर्शिता और जन भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। डॉ. रिज़्वी सालीह ने भारत के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। इस अवसर पर लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। श्रीलंका का संसदीय शिष्टमंडल इस समय संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग ले रहा है।

एनएचआरसी ने तमिलनाडु में टैंक की सफाई के दौरान श्रमिकों की मौत पर जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले में एक निजी औद्योगिक इकाई में बिना किसी सुरक्षात्मक उपायों के सीवेज टैंक की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत का संज्ञान लिया है। आयोग ने लापरवाही के लिए वहां के आला अफसरों को नोटिस भी जारी किया है। वहां पर 19 मई को हुए हादसे में एक श्रमिक की हालत गंभीर है। आयोग ने तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जानकारी के अनुसार श्रमिक तिरुप्पुर के कराईपुदुर क्षेत्र में एक रंगाई मिल में कार्यरत थे। उन्हें कारखाने के सीवेज टैंक को साफ करने के लिए कहा गया था। एनएचआरसी का कहना है कि वे लगातार पर्याप्त और उचित सुरक्षात्मक उपाय व आवश्यक उपकरण के बिना खतरनाक सफाई की गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। साथ ही काम के अनुकूल और प्रौद्योगिकी आधारित रोबोटिक मशीनो का उपयुक्त प्रयोग किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि रिपोर्टों के अनुसार टैंक में उतरने के कुछ ही देर बाद चारों का दम घुटने लगा और वे बेहोश हो गए। सहकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला और एक निजी अस्पताल ले गए।

विश्व परिक्रमा करके भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी 29 मई को गोवा के तट पर लौटेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। आईएनएसवी तारिणी पर सवार होकर विश्व परिक्रमा के लिए निकलीं भारतीय नौसेना की दो महिला अधिकारी 29 मई को गोवा के तट पर लौटेंगी। भारतीय नौसेना नाविका सागर परिक्रमा द्वद्ध के विजयी दल का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस असाधारण नौकायन अभियान को पिछले साल 02 अक्टूबर को गोवा के नौसेना महासागर नौकायन नोड से रवाना किया गया था। गोवा के मोरमुगाओ बंदरगाह पर इस ऐतिहासिक घटना के ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, जो औपचारिक रूप से जल यात्रा के समापन का प्रतीक होगा। नौकायन पोत तारिणी से नौसेना की दो साहसी महिला अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए को 02 अक्टूबर को इस चुनौतीपूर्ण अभियान पर गोवा से रवाना किया गया था। आठ महीनों के दौरान नौसेना की इस जोड़ी ने चार महाद्वीपों, तीन महासागरों और तीन ग्रेट केप में 25,400 एनएम (लगभग 50,000 किमी) की दूरी तय की, जिसमें मौसम की प्रतिकूल स्थिति और चुनौतीपूर्ण समुद्रों का सामना किया। दोनों महिलाओं ने फ्रेमेंटल (ऑस्ट्रेलिया), लिटलटन (न्यूजीलैंड), पोर्ट स्टेनली (फॉकलैंड द्वीप) और केप टाउन

(दक्षिण अफ्रीका) के बंदरगाहों पर विराम लिया। इस दौरान इन महिला अधिकारियों ने कई कूटनीतिक और आउटरीच कार्यक्रमों में भाग लिया, दुनिया भर के सांसदों, भारतीय प्रवासियों, स्कूली बच्चों, नौसेना के कैडेटों और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ बातचीत की। उनकी उपलब्धियों के लिए पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई संसद में विशेष आमंत्रित के रूप में सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों को स्थानीय समुदायों, अंतरराष्ट्रीय नौकायन संगठनों और विदेशी संसदों से सराहना मिली, जो महिला सशक्तीकरण, समुद्री उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में काम कर रहे हैं।यात्रा के दौरान चालक दल को 50 नॉट (93 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ-साथ तूफानी मौसम की स्थिति और बेहद ठंडे तापमान का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रत्येक चरण की अपनी चुनौतियां थीं, लेकिन लिटलटन से पोर्ट स्टेनली तक की यात्रा का तीसरा चरण सबसे कठिन था। चालक दल ने तीन चक्रवातों का सामना किया, खतरनाक ड्रेक पैसेज से गुजरा और केप हॉर्न को सफलतापूर्वक पार किया। यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व-संध्या पर रक्षा मंत्री के साथ चालक दल को बातचीत करने का अवसर मिला। इसके अलावा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी विभिन्न अवसरों पर चालक दल के साथ बातचीत की।

जमाई षष्ठी पर अमित शाह का 'शाही' दौरा, एक जून को कोलकाता में करेंगे भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी एक जून को पश्चिम बंगाल के दौरे पर आएंगे। राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसी दिन कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में भाजपा की एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बैठक आयोजित की जाएगी। यह दौरा उस दिन हो रहा है, जब बंगाल में पारंपरिक जमाई षष्ठी का त्योहार मनाया जाता है। अमित शाह का यह दौरा कई हफ्तों की अनिश्चितता और तारीखों के फेरबदल के बाद तय हुआ है। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि शाह मई के अंत में बंगाल आएंगे, लेकिन फिर भाजपा की राज्य इकाई ने कुछ पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए दौरा टालने की अपील की थी। इस कारण दौरे की तारीख को लेकर असमंजस बना रहा। हालांकि,

अब साफ हो गया है कि शाह एक जून को ही बंगाल आएंगे और पार्टी के सभी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के एक वर्ग ने जमाई षष्ठी के दिन कार्यक्रम को लेकर आपत्ति जताई थी क्योंकि इस दिन पारिवारिक आयोजन होते हैं। लेकिन विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि जमाई षष्ठी की रस्में आमतौर पर दोपहर तक खत्म हो जाती हैं, इसलिए कार्यक्रम में उपस्थित रहने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। इस दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव 2026 की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। शाह इस दौरान बंगाल भाजपा की संगठनात्मक स्थिति का जायजा लेंगे और चुनावी रणनीति को लेकर मार्गदर्शन देंगे। बंगाल भाजपा लंबे समय से अमित शाह के दौरे का इंतजार कर रही थी। पार्टी के भीतर इसको लेकर कई दौर की चर्चाएं और रणनीतिक बैठकों का सिलसिला भी चला। अंततः केंद्र और राज्य नेतृत्व के बीच सहमति बनने के बाद एक जून की तारीख तय की गई। शाह की मौजूदगी से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होने की उम्मीद है।

हारट्रोन के माध्यम से 87 एडवांस स्किल सेंटर होंगे स्थापितः राव नरबीर

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे राज्य सरकार के हारट्रोन के माध्यम से चलाई जा रही सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) परियोजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल युग युवाओं के लिए अनेक नए अवसर लेकर आया है और हरियाणा सरकार उन्हें इस दिशा में सक्षम और स्वावलंबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री राव नरबीर सिंह हारट्रोन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हारट्रोन के प्रबंध निदेशक डॉ. जे. गणेशन ने उन्हें आईटी क्षेत्र में चल रही पहलों की जानकारी दी। बैठक में प्रबंध निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार की 'स्टार्टअप-2022' नीति के अंतर्गत मोबाइल ऐप्लिकेशन डेवलपमेंट सेंटर्स की स्थापना के लिए एक करोड़ रुपये प्रति वर्ष की सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे राज्य में नवाचार और तकनीकी उद्यमिता को बल मिलेगा। प्रदेश में भविष्य की आईटी मैनपावर तैयार करने के लिए 87 हारट्रोन एडवांस स्किल्स सेंटर्स खोले जाएंगे। वर्तमान में 10 सेंटर्स पहले ही कार्यशील हैं, जिनमें हर वर्ष लगभग 25 हजार से अधिक युवाओं को आईटी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के एक हजार विद्यार्थियों को अनुदान सहायता दी जाती है। इस योजना के तहत विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत फीस माफ की जाती है। इस योजना को ष्टस्क्र और अन्य स्रोतों से लगभग 2.5 करोड़ रुपये की फंडिंग प्राप्त होती है।

वर्ष 2047 के लक्ष्य को देखते हुए बिजली निगमों का इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाया जाये : विज

चंडीगढ। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत को ध्यान में रखते हुए बिजली निगम के अधिकारियों को बिजली के सब स्टेशन एवं पोल इत्यादि की स्थापना करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।मंत्री विज ऊर्जा व परिवहन विभागों की उच्च स्तरीय खरीद समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री ने पिछले दिनों राज्य में आई आंधी व बेमौसम बरसात पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में जितने भी बिजली के सब स्टेशन स्थापित किए जाएं तो जगह इत्यादि के संबंध में संबंधित अधिकारियों व विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाए, ताकि बाढ़ इत्यादि आपदा होने पर सब स्टेशन व उपकरणों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। बैठक में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री को अवगत कराया कि पिछले दिनों आई आंधी व बेमौसम बरसात से हुए नुकसान के आकलन के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों व इंजीनियरों को मौके पर भी भेजा गया है। उन्होंने कहा कि हमें 2047 की मांग को देखते हुए हमें सब स्टेशन व बिजली के पोल की स्थापना करनी होगी।

नगरपालिका सेवाओं में नई तकनीक साझा करने को दिया प्रशिक्षण

नारनौल। नारनौल में नगरपालिका सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीक और खोज को साझा करने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का कोऑर्डिनेटर, सीयूएस/आईआईपीए प्रोफेसर केके पांडेय ने शुभारंभ किया। केके पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते परिवेश में जलवायु और पर्यावरण के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए हमें नगरपालिका तथा नगर परिषद की सेवाओं को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी में उन्नत तकनीकों जैसे सेंसर और डेटा एनालिटिक्स की सहायता से शहरों को अधिक कुशल और प्रतिक्रियाशील बनाने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा हरित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना, ऊर्जा दक्षता में सुधार, बेहतर जल प्रबंधन, कुशल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को अपनाकर अपशिष्ट को कम किया जा सकता है और संसाधनों का संरक्षण किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान शहरी अध्ययन केंद्र भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के रिसोर्स पर्सन ने पावर पॉइंट के माध्यम से देशभर के कुछ स्मार्ट सिटी की केस स्टडी और कार्यप्रणाली पर चर्चा की। इसमें योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा स्वच्छता पर फोकस किया।

चोर गिरोह के दो सदस्य दबोचे, 22 चोरियों को दिया था अंजाम

पानीपत। पानीपत पुलिस ने एक चोर गिरोह का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में इन दोनों ने 22 चोरी की वारदात का खुलासा किया है। यह युवक नशे के आदी हैं और इसी के लिए चोरी करते थे। उप पुलिस अधीक्षक सतीश वत्स ने में पत्रकार वार्ता में बताया कि इंस्पेक्टर विजय को सोमवार देर शाम गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि संदिग्ध किस्म के दो युवक एक स्पलेंडर बाइक लेकर सेक्टर 25 में हनुमान चौक के पास खड़े हैं। इस पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दो युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों की युवकों की पहचान रवि उर्फ दानेदार निवासी पूरेवाल कॉलोनी और शिवा उर्फ रसगुल्ला निवासी चुलकाना के रूप हुई। पुलिस ने उनके पास से चोरी की बाइक बरामद की। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उप अधीक्षक वत्स ने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर कई चोरी की वारदात करना कबूल किया।

मुख्यमंत्री ने मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई के लिए उपायुक्तों को दिए निर्देश

- **मुख्य मंत्री ने बैठक में ली स्टेट्स रिपोर्ट**
- **मुख्य सचिव 10 जून को करेंगे समीक्षा**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिलों में बाढ़ सुरक्षा प्रयासों की निगरानी कर रहे सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिलों में मानसून सीजन से पहले ड्रेनों की सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस कार्य के लिए उन्हें तुरंत एक शेड्यूल बनाने और कार्य की निगरानी के लिए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि ड्रेन की सफाई का कार्य हर हाल में 15 जून, 2025 से पहले पूरा हो सके। मुख्यमंत्री सैनी सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ अल्पकालिक बाढ़ सुरक्षा कार्यों तथा ड्रेनों की आंतरिक सफाई की प्रगति की समीक्षा बैठक की

अध्यक्षता कर रहे थे। ड्रेनों की आंतरिक सफाई की वर्तमान गति पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून आने में बहुत कम समय बचा है और अभी यह काम शेष है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करते हुए इस सम्बन्ध में सभी लंबित कार्यों को बिना देरी के पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी अन्य प्रशासनिक सचिवों के साथ 10 जून को फिर से इस कार्य प्रगति की समीक्षा करेंगे। यदि किसी अधिकारी की ओर से कोई लापरवाही पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में ली जाएगी। सैनी ने कहा कि अधिकारी अल्पकालिक उपायों पर फोकस करते हुए बाढ़ नियंत्रण से संबंधित चल रही योजनाओं को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को जल निकासी के लिए आवश्यक पंपों की स्थिति और उपलब्धता का आकलन करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पंचायतों द्वारा अनुशंसित बाढ़ सुरक्षा कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान बताया गया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग मानसून के दौरान जल भंडारण के लिए एसवाईएल और हांसी-बुटाना लिंक नहरों के मौजूदा चैनलों का उपयोग करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम कर रहा है। इस योजना में ड्रेनों सहित घग्गर नदी के पानी को इन दोनों नहरों में भेजना और पानी को रोकने के लिए अस्थायी अवरोधों का निर्माण करना शामिल है।

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने टूटी सड़कों व मुख्य मार्गों का उठाया मुद्दा

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री रणबीर गंगवा से चंडीगढ़ सचिवालय में मुलाक़ात कर शहर में टूटी सड़कों व मुख्य मार्गो का मुद्दा उठाया।यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने बताया कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र यमुनानगर में लगातार हरियाणा भाजपा सरकार के सहयोग से विकास कार्य करवा रहे हैं।इसी कड़ी के अंतर्गत आज उन्होंने चंडीगढ़ में लोक निर्माण विभाग मंत्री रणवीर गंगवा से मुलाकात कर अपने यमुनानगर विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख मांगे उनके समक्ष रखी।उन्होंने बताया कि हरियाणा भाजपा सरकार के सहयोग से वह लगातार अपने निर्वाचन क्षेत्र को अग्रणीय बनाने में लगे हुए हैं। वह विकास कार्य चाहे वह नगर निगम का हो जाए , लोक निर्माण विभाग का हो ,जन स्वास्थ्य विभाग का हो या अन्य किसी भी विभाग का हो। अपने निर्वाचन क्षेत्र में वह विकास कार्य करवा रहे हैं और इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भाजपा सरकार को जाता है।

हरियाणा में पंजीकृत होंगे योग व प्राकृतिक चिकित्सक, शुरुआत इसी वर्ष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने योग को जन-जन तक पहुंचाने और प्राकृतिक चिकित्सा को प्रमाणिकता के बारे में कहा है कि अब योग और प्राकृतिक चिकित्सकों का पंजीकरण किया जाएगा। इस पंजीकरण की शुरूआत इसी वर्ष से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि अगर आयुष योग सहायकों की सेवा के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अपने ऐच्छिक कोष से तीन-तीन लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं पंचकूला में आयोजित योग महोत्सव के दौरान की। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 'सूर्य नमस्कार अभियान 2025' के 264 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुष मंत्री कुमारी आरती सिंह राव भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग में और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए तीन

पोर्टल,ई-मार्केट प्लेस पोर्टल, आयुष औषधि इन्वेंटरी पोर्टल और ई औषधि लाइसेंसिंग पोर्टल भी लांच किये। इनमें ई-मार्केट प्लेस पोर्टल के माध्यम से औषधीय पौधे तैयार करने वाले किसान, स्टाकिट्स आदि अपना पंजीकरण कर सकेंगे। उनसे कोई भी व्यक्ति औषधीय पौधों की खरीद कर सकेगा। आयुष औषधियों की प्रबंधन प्रणाली पर आयुष विभाग के अधिकारी औषधियों की मांग कर सकते हैं और स्टॉक अपडेट देख सकते हैं। इसके अलावा, लाइसेंसिंग पोर्टल पर नये अथवा लोन लाइसेंस प्राप्त करने, पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण आदि के लिए आवेदन किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का परिणाम है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। उस दिन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने की पहली व सच्ची पहल की गई थी।

राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा का जलवा

एजेंसी

पलवल। पलवल स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-17 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में हरियाणा ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया है। प्रतियोगिता में लड़कियों की फ्री स्टाइल कुश्ती में हरियाणा की बेटियों ने 10 में से 7 स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रदेश के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम विशेष रूप से पलवल पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यहां के विजेता पहलवान आगामी वियतनाम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी देश का नाम रोशन करेंगे। पलवल में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा के पहलवानों ने लड़के व लड़कियों दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। लड़कियों ने जहां 10 में से 7 स्वर्ण पदक जीते, वहीं लड़कों ने भी 10 में से 5 स्वर्ण पदकों के साथ अपनी धाक जमाई।खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा सिर्फ दूध-दही, खेती और संस्कृति के लिए ही नहीं, बल्कि अब पूरे देश में खेलों की

राजधानी के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, हर मैट पर हरियाणा के खिलाड़ी हौसले, मेहनत और जीत की नई कहानियां लिख रहे हैं। यह गर्व की बात है कि राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन पलवल में हुआ है।अंडर-17 महिला वर्ग फ्री स्टाइल में चेष्टा, रचना व रूतुजा ने जीता स्वर्ण अंडर-17 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन विभिन्न वर्गों की लड़कियों की फ्री स्टाइल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 40 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा प्रदेश की चेष्टा ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश की प्रीति यादव ने रजत, दिल्ली की दिशा और महाराष्ट्र की स्नेहल ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक, 43 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की रचना ने स्वर्ण, छत्तीसगढ की सुभद्रा यादव ने रजत, दिल्ली की खुशी व महाराष्ट्र की अनुष्का ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक, 46 किलोग्राम भार वर्ग में महाराष्ट्र की रूतुजा ने स्वर्ण, दिल्ली की अदिती कुमारी ने रजत, राजस्थान की कशिश गुरजार और हरियाणा की पूजा ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक जीता।

जलभराव रोकने को 15 जून तक पूरी हो ड्रेन सफाईःडा. मनोज कुमार

एजेंसी

सोनीपत। मानसून से पूर्व जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। जलभराव की समस्या को रोकने के लिए उपायुक्त स्तर पर कार्रवाई तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों के बाद संबंधित विभागों को समयबद्ध लक्ष्य दिया गया है, ताकि आमजन को राहत मिल सके। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने निर्देश दिए हैं कि जिले की सभी ड्रेनों की सफाई का कार्य 15 जून तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या को रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता है, विशेषकर कुंडली क्षेत्र में जहां समस्या अधिक गंभीर होती है। डॉ. मनोज कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि ड्रेनों की सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं

की जाएगी। वे स्वयं भी कार्यों का औचक निरीक्षण करेंगे और यदि कोई खामी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाढ़ नियंत्रण को लेकर सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उसके पश्चात उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों संगसमीक्षा बैठक कर कार्यों की गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंडली क्षेत्र में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए, जिससे स्थानीय लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने ड्रेनों की विस्तृत सूची, उनकी लंबाई, जल प्रवाह व अन्य तकनीकी विवरण जल्द उपायुक्त कार्यालय में भेजने को कहा है। इस बैठक में एसीयूटी योगेश दिल्हौर, एसई तरुण अग्रवाल, आर.के. बड़वाल, एक्सईएन मंजीत हुड्डा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिरसा के गांव बेगू में बिजली निगम के विरोध में उतरे ग्रामीण

सिरसा। सिरसा जिला के गांव बेगू में बिजलीघर में 33 केवी लाइन पहुंचाने हेतु टॉवरों को कॉलोनी की गली में खड़ा करने के विरोध में ग्रामीणों ने निगम प्रशासन के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। निगम की टीम कुछ दिन पहले टॉवर लगाने पहुंची, तब क्षेत्र के लोग लामबद हो गए। फिर से टीम ने दस्तक दी तो क्षेत्र के लोगों ने एकजुटता के साथ निगम की इस कार्रवाई का कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों ने एकस्वर में कहा कि वे अपनी गली के भीतर बिजली टॉवर नहीं लगने देंगे। ग्रामीणों ने कहा कि पहले बिजली टॉवर को पीछे खेत में लगाने की योजना थी वहां विरोध हो गया जिसके बाद टॉवर को हमारी रिहायशी कॉलोनी में लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसे हम किसी भी सूरत में सिरे नहीं चढने् देंगे। उन्होंने कहा कि अगर निगम की टीम ने हमारे साथ किसी प्रकार की ज्यादती की और जबरन टॉवर खड़ा करने की कोशिश की तो वे निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल देंगे। चाहे धरना देना पड़े या जाम लगाना पड़े वे गली में टॉवर नहीं लगने देंगे। क्षेत्र के लोगों ने कहा कि कॉलोनी के आगे व पीछे काफी गैरआबादी वाला एरिया पड़ा है, निगम वहां टॉवर लगा ले, हमें कोई एतराज नहीं।

फ्लू कॉर्नर या फ्लू ओपीडी स्थापित करें निजी अस्पताल : डा. अलका सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। सभी निजी अस्पताल अपने संस्थानों में अनिवार्य रूप से फ्लू कॉर्नर या फ्लू ओपीडी स्थापित करें, ताकि फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों की शीघ्र पहचान की जा सके। उन्हें सामान्य मरीजों से अलग रख कर संभावित संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके। यह बात उन्होंने कोविड प्रबंधन को लेकर सिविल सर्जन ने निजी अस्पतालों, लैब्स व आईएमए प्रतिनिधियों के साथ की बैठक में कही। जिले में कोविड संक्रमण की रोकथाम एवं समुचित प्रबंधन के उद्देश्य से बैठक में सिविल सर्जन डॉ. अलका सिंह ने निजी अस्पतालों, डायग्नोस्टिक लैब्स तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के प्रतिनिधियों के बात की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोविड संक्रमण को लेकर सावधानी, सतर्कता एवं आवश्यक तैयारी संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए।उन्होंने कहा कि आईएलआई और एसएआरआई मामलों की स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दी जाए। इसके लिए अस्पतालों के मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि वे कोविड जैसे लक्षणों की पहचान,

संक्रमण नियंत्रण उपायों तथा तत्काल उपचार प्रक्रिया से भली-भांति अवगत हो सकें। बैठक के दौरान सिविल सर्जन ने यह भी कहा कि सभी अस्पताल यह सुनिश्चित करें कि कोविड जांच एवं उपचार संबंधी प्रक्रिया निर्धारित सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि जिले में कोविड की वर्तमान स्थिति पर स्वास्थ्य विभाग की सतर्क निगरानी बनी हुई है और सभी संस्थानों को एक्टिव सर्विलांस बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों तथा लैब्स की किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। सिविल सर्जन ने आमजन से भी अपील की कि वे फ्लू जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें। किसी भी प्रकार के लक्षण सामने आने पर शीघ्र नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें, कोविड टेस्ट कराएं और चिकित्सकीय परामर्श लें। उन्होंने कहा कि संभावित संक्रमण को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग पूर्ण रूप से सतर्क है और नागरिकों के सहयोग से हम संक्रमण की रोकथाम में सफल होंगे।

कोरोना को लेकर सरकार पूरी तरह से अलर्ट, चिंता करने की कोई जरूरत नहीं : डॉ. अरविंद शर्मा

एजेंसी

रोहतक। कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलो को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार कोरोना को लेकर पूरी तरह से अलर्ट है और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश कोरोना संक्रमण की स्तिथि पर नजर बनाए हुए है। साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वेरिएंट उतना खतरनाक नहीं है, फिर भी स्वास्थ्य विभाग स्तर पर न केवल तैयारियां है, अपितु उनके द्वारा आमजन के लिए दिशा-निर्देश भी स्पष्ट हैं।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मैना टूरिस्ट काम्प्लेक्स में संगठन पदाधिकारियों, नगर पार्षदों व पार्षद प्रतिनिधियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती को लेकर सर्वसमाज में गजब का उत्साह है। इस समारोह में केन्द्र के बड़े नेताओं सहित मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी शिरक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र पर प्रदेश को विकास की राह पर आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1904 से गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तहत शैक्षणिक संस्थाओं से 36 बिरादरी के युवाओं को शिक्षा लेकर आगे बढने् का अवसर मिला है। रोहतक, सोनीपत, झज्जर, भिवानी,

पानीपत, जींद जिलों में आमजन का बड़ा झुकाव संस्था की ओर रहा है।

साथ ही उन्होंने कहा कि यह समारोह सैनिको व शहीदों को समर्पित रहेगा। बाद में कैबिनेट मंत्री ने गांव पहरावर पहुंच कर प्रदेश स्तरीय समारोह की तैयारियों का भी जायजा लिया और अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका, नगर निगम महापौर राम अवतार वाल्मीकि, हरियाणा कुश्ती संघ के प्रधान रमेश बोहर, रोहतक कॉपरेटिव बैंक चेयरमैन हरीश कौशिक, दीपक नागपाल, मनीष शर्मा, अमित मग्गू, लौकी सहगल, कपिल खत्री, अशोक खुराना, प्रवीण कौशिक, अनिता मिगलानी, कपिल नागपाल, कृष्णा देवी, सुशील नांदल, दीपक जैन, मनीषा, बेबी रोहिल्ला, रिम्पी देवी, राजेश बलियाना, धर्मबीर फौजी, कर्मबीर, सुखबीर चंदेलिया प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

युवक को नशीला पदार्थ देकर लूटा, दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। सोनीपत जिले के बरोदा थाना क्षेत्र में युवक को नशीला पदार्थ खिलाकर लूटने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। दोनों आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। मामला 22 अप्रैल 2025 का है जब पानीपत के मतलोड़ा गांव निवासी रोहित रोहतक रोड पर था। तभी विक्की और उसके चाचा का लड़का उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर महम रोड स्थित मदीना प्याऊ के पास ले गए। वहां उसे नशीला पदार्थ (समैक) पिलाया गया। नशे की हालत में उसकी चांदी की चेन, छह हजार नकद और मोबाइल फोन चुरा लिया गया। इस घटना की शिकायत रोहित ने 24 अप्रैल को थाना बरोदा में दी। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। बरोदा थाना की जांच टीम में शामिल सहायक उप निरीक्षक विनोद ने पुलिस दल के साथ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों अमरजीत निवासी गांव गामड़ी।

बीजेपी राज में कच्ची ही नहीं, बल्कि पक्की नौकरियों पर भी लटक रही तलवार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि एक बार फिर भर्तियों में बीजेपी के गड़बड़झालों की पोल खुल गई है। खुद हाई कोर्ट ने इस सरकार द्वारा की गई भर्तियों पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 2019 के बाद हुई सभी भर्तियों के परिणाम अब दोबारा से जारी करने होंगे। क्योंकि सरकार ने गलत नियमों के तहत ये भर्तियां की हैं। हुड्डा ने कहा कि सामाजिक आर्थिक आधार पर अंक देने की नीति को भाजपा सरकार कोर्ट में डिफेंड नहीं कर पाई। आखिर सरकार में बैठे वो कौन लोग हैं, जो ऐसी नीतियां बनाते हैं, जो कोर्ट में नहीं ठहर पातीं? इसका खामियाजा उन युवाओं को भुगतना पड़ेगा, जो कई साल से नौकरी कर रहे हैं। इससे पहले भी बीजेपी कार्यकाल के भर्ती घपलों, घोटालों और अनियमितताओं को लेकर हाई कोर्ट बार-बार कड़ी टिप्पणियां कर चुकी है। कई बार सरकार पर जुर्माना भी थोपा गया है। बावजूद इसके सरकार अपने रवैया से बाज नहीं आई।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भर्तियों को जानबूझकर लटकाना, भटकाना और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना बीजेपी की तय नीति बन चुकी है। जानबूझकर भर्ती नियमों में ऐसे लूप होल छोड़े जाते हैं, जिसके चलते भर्ती बाद में जाकर कोर्ट में फंस जाती है और फिर भाजपा को नौकरियां ना देने का बहाना मिल जाता है। इस सरकार की शायद ही ऐसी कोई भर्ती होगी, जो कोर्ट में ना गई हो।यही वजह है कि आज हरियाणा के सरकारी विभागों में 2 लाख से पद ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान दो लाख से ज्यादा पक्की नौकरियां दी गई थीं। साथ ही कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की ऐतिहासिक नीति बनाई गई थी। उस नीति के तहत लगे हजारों कर्मचारी आज भी सरकारी विभागों में नौकरी कर रहे हैं। बीजेपी सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद, कांग्रेस सरकार में हुई एक भी भर्ती में वो कोई खामी या गड़बड़ी साबित कर पाई। कांग्रेस कार्यकाल में रोजगार पाने वालों की नौकरी छीनने के सारे भाजपाई हथकंडे औंधे मुंह गिर गए। पक्की भर्तियां ही नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा बनाई गई कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की नीति पर भी कोर्ट ने खुद अपनी मुहर लगाई।

नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

मुंबई। टोक्यो स्थित फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के लिए 90 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक फुजिता कॉरपोरेशन समर्थित नीलसॉफ्ट लिमिटेड का 5 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम तथा प्रमोटरों और अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 80 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इस आईपीओ में 90 करोड़ रुपये तक के नए शेयर को जारी करना और प्रमोटरों तथा अन्य विक्रय शेयरधारकों द्वारा 8 मिलियन शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) भी इसमें शामिल है। कंपनी के मुताबिक यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें इस ऑफर का कम से कम 75 फीसदी आवंटन योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी क्रमशः गैर-संस्थागत निवेशकों और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित किया जाएगा। आईपीओ के लिए इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर के तौर पर काम करेंगे।

भारत की फिनटेक फर्म व्यापारियों और एमएसएमई को सशक्त बना रही हैं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंदीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की फिनटेक कंपनियां देश के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को मजबूत करने और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने में मदद कर रही हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नोएडा में स्थित डिजिटल फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स के कार्यालय का दौरा करने के बाद यह बात कही। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने पाइन लैब्स के कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों से बातचीत की। इस अवसर पर सीतारमण ने देश के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के विस्तार और व्यापारियों तथा एमएसएमई के लिए निर्बाध, सुरक्षित और समावेशी वित्तीय सेवाओं को सक्षम करने में भारत की फिनटेक फर्मों के योगदान की सराहना की। वित्त मंत्री ने मोबाइल रिटेलर और पाइन लैब्स के ग्राहक कुलदीप चौहान से भी बातचीत की हैं, जिन्हें भारत के बढ़ते फिनटेक इकोसिस्टम और मजबूत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) से बहुत लाभ हुआ है। कुलदीप मोबाइल हाउस के मालिक चौहान नोएडा में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स बेचने वाले तीन रिटेल स्टोर संचालित करते हैं। देशभर में डिजिटल भुगतान को व्यापक रूप से अपनाने से उनके व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सरकार ने निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए जारी, एक जून से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के लाभों को बहाल कर दिया है। ये लाभ एक जून, 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत लाभ बहाल करने की घोषणा कर दी है। ये लाभ एक जून 2025 से किए गए सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घरेलू टैरिफ क्षेत्र के लिए 10,780 एचएस लाइनों और एए/ईओयू/एसईजेड खंडों के लिए 10,795 एचएस लाइनों के तहत निर्यात का समर्थन करने के लिए 18,233 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

बोरोना वीव्स के शेयरों ने आईपीओ निवेशकों को किया खुश, मजबूत लिस्टिंग के बाद शेयरों पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। अनब्लीच्ड सिंथेटिक ग्रे फैब्रिक बनाने वाली कंपनी बोरोना वीव्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। कंपनी के शेयर 216 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी एंट्री 12.50 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 243 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 255.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 18.10 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।बोरोना वीव्स का 144.89 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 147.85 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी इकोनॉमी, छोटे व्यापारियों के लिए नया सवेरा : खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना देश के छोटे व्यापारियों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की व्यापारिक संरचना में एक शक्तिशाली बदलाव का संकेत है-विशेष रूप से उन छोटे व्यापारियों, व्यापारिक संगठनों, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। घरेलू खपत में वृद्धि, वैश्विक व्यापारिक रिश्ते और डिजिटल परिवर्तन के साथ छोटे व्यवसाय अब एक स्वर्णिम युग की दहलीज़ पर खड़े हैं। खंडेलवाल ने एक बयान में कहा कि देश और विदेश दोनों स्तर पर बड़े बाजारों तक पहुंच अब पहले से अधिक होगी जिससे घरेलू खपत में तेज़ी आएगी और स्थानीय व्यवसायों के लिए एक बड़ा बाज़ार तैयार होगा। बेहतर होते व्यापारिक रिश्ते और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए निर्यात के नए अवसर खोलेंगे। खंडेलवाल ने आगे कहा कि सरकार की ओर से मिलने वाला सहयोग और सुधार-जैसे कि पीएलआई (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजनाएं और एमएसएमई के लिए क्रेडिट योजनाएं-छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाएंगे। जीएसटी में सुधार, व्यापार करने में आसानी और अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाना छोटे व्यापारियों के लिए व्यापार को और सहज बनाएगा। उन्होंने कहा कि तेज़ी से हो रहा डिजिटल परिवर्तन और ई-कॉमर्स की पैठ छोटे व्यापारियों को अपने क्षेत्र से बाहर भी ग्राहकों तक पहुंचने में मदद कर रही है, वहीं सशक्त सप्लाई चेन के माध्यम से सड़कों, रेलवे, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन से लागत में कमी और डिलीवरी समय में सुधार होगा। 'मेक इन इंडिया' और 'चाइना +1' रणनीति के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ेगी। खंडेलवाल ने कहा कि बढ़ती आर्थिक ताकत के चलते अब बैंकों, फिनटेक कंपनियों और एनबीएफसी द्वारा छोटे व्यापारियों को अधिक फाइनेंस और क्रेडिट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही छोटे व्यापारियों का औपचारिकरण उन्हें सरकार की योजनाओं, टेंडर और संरचित ऋणों के लिए पात्र बनाता है। भाजपा सांसद ने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से छोटे व्यापारियों और उनके कर्मचारियों को डिजिटल टूल्स, अकाउंटिंग, मार्केटिंग और निर्यात जैसे विषयों में स्किलिंग दी जा रही है, जिससे दीर्घकालिक और टिकाऊ विकास संभव होगा। नवाचार आधारित प्रोत्साहन योजनाएं जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देंगी। खंडेलवाल ने विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रिटेल और ट्रेड सेक्टर में खपत बढ़ेगी और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बाज़ार की पहुँच गहराई तक होगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में स्थानीय सोर्सिंग और वेंडर डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। सेवाएं जैसे टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य और शिक्षा में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में वृद्धि होगी। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा और मूल्य श्रृंखला का आधुनिकीकरण होगा।

अब 15 सितंबर तक दाखिल किया जा सकेगा आईटीआरः सीबीडीटी

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के करोड़ों इनकम टैक्स दाखिल वाले करदाताओं के लिए अच्छी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की तारीख बढ़ाने का ऐलान किया है। सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2024-25 और आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि? 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर अब 15 सितंबर, 2025 कर दिया है। सीबीडीटी ने यह निर्णय आईटीआर फॉर्म की अधिसूचना जारी करने में देरी के बाद लिया है। आयकर विभाग ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी है। विभाग ने जारी पोस्ट में लिखा है, सीबीडीटी ने आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया है। सीबीडीटी ने अब 31 जुलाई, 2025 तक दाखिल होने वाली आईटीआर की नियत तारिख को बढ़ाकर 15 सितंबर, 2025 करने का फैसला किया है। ये विस्तार आईटीआर फॉर्म, सिस्टम डेवलपमेंट की जरूरतों और टीडीएस क्रेडिट रिफ्लेक्शन में महत्वपूर्ण संशोधनों के कारण ज्यादा समय प्रदान करेगा। यह सभी के लिए एक सहज और अधिक सटीक फाइलिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। औपचारिक अधिसूचना बाद में दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई, 2025 आईटीआर फाइल करने की अंतिम तिथि है, जो अधिकांश सामान्य श्रेणियों पर लागू होती है। इसमें अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी और वे सभी करदाता शामिल हैं जिनके खातों का ऑडिट करने की आवश?यकता नहीं है। अब वेतनभोगी कर्मचारी को अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए 46 दिन का अतिरिक्त समय मिलेगा। अगर अंतिम तिथि तक आईटीआर दाखिल नहीं किया जाता है, तो करदाता को 5,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है।

देश में एफडीआई प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 में 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था। हालांकि, 31 मार्च का समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर एफडीआई का प्रवाह 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आधिकारिक आंकड़ों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान देश में कुल एफडीआई प्रवाह, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 फीसदी बढ़कर 81.04 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले 3 वर्षों में सबसे अधिक है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 71.3 अरब अमरिकी डॉलर था। वित्त वर्ष 2024-25 की अक?टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान एफडीआई प्रवाह वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के

कारण सालाना आधार पर 5.6 फीसदी घटकर 10.9 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। मंत्रालय के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 24.5 फीसदी घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। पूरे वित्त वर्ष 202425 के दौरान 13 फीसदी बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 के जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान यह 12.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 अरब डॉलर था।

देश का कोयला आयात 2024-25 में 7.9 फीसदी घटा, 60,682 करोड़ रुपये की हुई बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 7.9 फीसदी घटकर 24.36 करोड़ टन रह गया, जिससे लगभग (60,681.67 करोड़ रुपये) की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश का कोयला आयात 26.45 करोड़ टन रहा था।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक कोयला आधारित बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 3.04 फीसदी बढ़ गया, लेकिन ताप-विद्युत बिजली संयंत्र द्वारा मिश्रण के लिए कोयला आयात में 41.4 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ये आयातित कोयले पर निर्भरता कम करने और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए जारी भारत के प्रयासों को दर्शाता है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार ने घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ाने और कोयला आयात

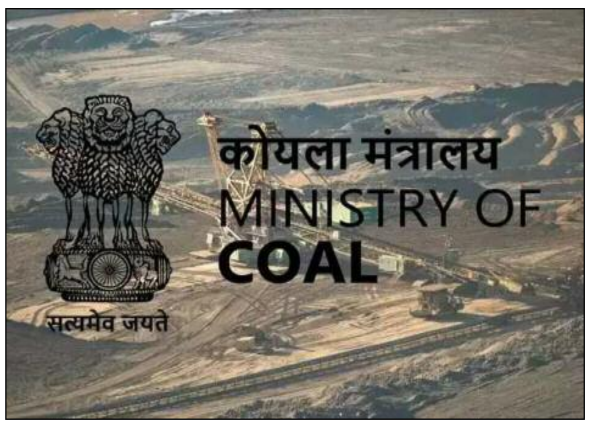

कम करने के लिए वाणिज्यिक कोयला खनन और मिशन कोकिंग कोल सहित कई पहल को लागू किया है। इन प्रयासों से वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कोयला उत्पादन में पांच फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। बिजली क्षेत्र से इतर गैर-विनियमित क्षेत्र में अधिक महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है, जिसमें आयात में सालाना आधार पर 8.95 फीसदी की गिरावट आई है।

चौथी तिमाही में बीएसएनएल को 280 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बीएसएनएल ने लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा कमाया है। कंपनी को 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है।कंपनी ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी को तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यह लगातार दूसरी तिमाही है, जब कंपनी लाभ में रही है। बीएसएनएल को इससे पिछले वित?त वर्ष की सामान अवधि में 849 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के अनुसार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफे के साथ वित्त

वर्ष 2024-25 में उसका घाटा सालाना आधार पर 5,370 करोड़ रुपये से घटकर 2,247 करोड़ रुपये रह गया है। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 में बीएसएनएल की परिचालन आय सालाना आधार पर 19,330 करोड़ रुपये से 7.8 फीसदी बढ़कर 20,841 करोड़ रुपये हो गई है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जारी बयान में कहा कि बीएसएनएल ने 17 वर्षों में पहली बार लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाया है। सिंधिया ने कहा कि अपने मुनाफे के रास्ते पर आगे बढ़ते हुए बीएसएनएल ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 280 करोड़ रुपये का मजबूत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 261 करोड़ रुपये के बाद लगातार दो तिमाहियों में मुनाफा कमाने का रिकॉर्ड है। दूरसंचार मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल का लगातार सुधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के केंद्रित और सुधार-संचालित नेतृत्व को दर्शाता है। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (एमडी) ए. रॉबर्ट जे. रवि ने कहा, ''यह तेज बदलाव पेशेवर प्रबंधन, सरकारी समर्थन और आय तथा मुनाफे दोनों पर लगातार ध्यान देने का प्रमाण है। उन?होंने कहा कि बीएसएनएल को न केवल पुनर्जीवित किया जा रहा है, बल्कि इसे एक नया रूप दिया जा रहा है।''

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से भारत में अपने म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में परिचालन शुरू करने के लिए विनियामक मंजूरी मिल गई है। इस मंजूरी के साथ ही अब कंपनी जल्द ही भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रख देगी। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की संयुक्त उद्यम जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को म्यूचुअल फंड कारोबार के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। ये जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट, जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का 50-50 का सयुंक्त उद्यम है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेस लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने जारी बयान में कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है, तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन, ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। हम मिलकर हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईशा ने कहा कि मुझे विश्वास है कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। वहीं, ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि जियो ब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा।उल लेखनीय है कि इस खबर के बीच जियो फाइनेंशियल के शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं का वजीफा बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) ने दो योजनाओं के तहत प्रशिक्षुओं को देय न्यूनतम मासिक वजीफा 30 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला किया है।

प्रस्तावित बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी होने के बाद वर्तमान में यह राशि 5,000-9,000 रुपये है, जिसे बढ़ाकर 6,800-12,300 रुपये कर दिया जाएगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में जयंत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद (सीएसी) की 38वीं बैठक में भारत के युवाओं के लिए प्रशिक्षुता को

अधिक फायदेमंद और आकांक्षापूर्ण बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के तहत प्रदान किए जाने वाले वजीफे में 30 फीसदी की वृद्धि की सिफारिश की गई। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय प्रशिक्षुता परिषद की आयोजित इस बैठक में भारत के उभरते प्रशिक्षुता परिदृश्य की समीक्षा की गई, जिसमें परिणाम को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों पर चर्चा की गई। इस सिफारिश में मौजूदा 5,000-9,000 रुपये के वजीफे को संशोधित कर 6,800-12,300 रुपये किया जाएगा, जिसका उद्देश्य ड्रॉपआउट दरों को कम करना और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक उम्मीदवारों को आकर्षित करना है। इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा, प्रशिक्षुता केवल कौशल प्रदान करने का तंत्र नहीं है, यह एक ऐसा पुल है जो शिक्षा, उद्योग और रोजगार को जोड़ता है, खासकर हमारे ग्रामीण युवाओं के लिए। एनएपीएस और एनएटीएस को मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा समर्थित स्तंभों के रूप में देखते हुए, हम इसे अधिक समावेशी, उत्तरदायी और आकांक्षी बनाने के लिए सक्रिय रूप से सुधार कर रहे हैं।

शेयर बाजार पर निवेशकों का बढ़ा भरोसा, 8 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा कैश मार्केट टर्नओवर

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों से आई तेजी के कारण इस माह कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। ये पिछले 8 महीने का सर्वोच्च स्तर है। कैश मार्केट में डेली एवरेज टर्नओवर के बढ़ने को शेयर बाजार की मजबूती और बाजार के प्रति निवेशकों के बढ़ते भरोसे का संकेत माना जा सकता है।

मई के महीने में टोटल एवरेज डेली टर्नओवर 1.16 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचना सितंबर, 2024 के बाद टोटल एवरेज डेली टर्नओवर का उच्चतम स्तर है। डेली एवरेज टर्नओवर में मासिक आधार पर 8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। फरवरी के बाद मार्च से ये लगातार तीसरा महीना है, जब कैश मार्केट के टर्नओवर में बढ़त दर्ज की गई है।

इससे पहले अक्टूबर, 2024 से घरेलू शेयर बाजार में शुरू हुई बिकवाली के कारण फरवरी 2025 तक कैश मार्केट का डेली एवरेज टर्नओवर 15 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। फरवरी के बाद मार्च के महीने से शुरू हुई खरीदारी के कारण अभी तक के कुल कारोबार में करीब 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। ये बढ़ोतरी शेयर बाजार की कारोबारी गतिविधि में मजबूती आने का स्पष्ट संकेत है।

जानकारों का मानना है कि कैश मार्केट के कारोबार में पिछले कुछ दिनों के दौरान आई मजबूती की एक बड़ी वजह बल्क और ब्लॉक डील में आई तेजी भी हो सकती है। पिछले कुछ दिनों के दौरान नाइका, स्विगी, केपीआर मिल, एटरनल, विशाल मेगा मार्ट, इंडस टावर और टीडी पावर के बड़े सौदे हुए हैं, जिनकी वजह से कैश मार्केट के कारोबार में तेजी आई है।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी का ऐलान होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मोर्चे पर 90 दिनों के लिए मिली राहत के कारण निवेशकों के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। इसके साथ ही पाकिस्तान के साथ सीजफायर के ऐलान के बाद जियो-पॉलिटिकल चिंताएं भी कम हुई हैं। इस वजह से घरेलू और वैश्विक दोनों मोर्चों पर निवेशकों को राहत मिला है, जिससे कैश मार्केट के डेली एवरेज टर्नओवर में भी सुधार हुआ है।

उद्योग जगत ने उत्तर प्रदेश पर जताया भरोसा

मुंबई। उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' ने मुंबई के जिओ वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक उच्च स्तरीय निवेशक राउंड टेबल का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह तथा संचालन इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय किरन आनंद ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी औद्योगिक इकाइयों के प्रमुखों ने भाग लिया और उत्तर प्रदेश की प्रगतिशील नीतियों और निवेश अनुकूल माहौल की सराहना करते हुए डेटा सेंटर, हरित ऊर्जा, सीमेंट और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की।इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभरा है। राज्य सरकार त्वरित एवं पारदर्शी निवेश-वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम प्रगतिशील उद्यमों का स्वागत करते हैं और उनकी विकास यात्रा में भागीदार बनने का संकल्प लेते हैं। बैठक में हीरानंदानी समूह के अध्यक्ष डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने योट्टा डेटा सर्विसेज द्वारा 30 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर केवल 18 महीनों में स्थापित करने में मिली सफलता को साझा किया। उन्होंने इसकी क्षमता 30 मेगावाट की वृद्धि करने की घोषणा की तथा 28 हजार 440 करोड़ रुपये की चिप निर्माण परियोजना की जानकारी दी।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन बार-बार जोरदार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में पहले बिकवाली के दबाव की वजह से बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। फिर सुबह 11 बजे के करीब खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार शानदार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। हालांकि दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार के दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.76 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान डिफेंस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, ऑटोमोबाइल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों की जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज खरीदारों ने अपना जोर बनाए रखा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.13 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,958 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,975 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 151 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,574 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,205 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,369 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 138.25 अंक की कमजोरी के साथ 82,038.20 के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 872.57 अंक टूट कर 81,303.88 अंक तक गिर गया। इसके बाद सुबह 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण अगले आधे घंटे में ही ये सूचकांक 1,100 अंक से अधिक उछल कर 234.07 अंक की तेजी के साथ 82,410.52 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ही बाजार में एक बार फिर चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ऊपरी स्तर से 1,288.82 अंक फिसल कर 1,054.75 अंक की कमजोरी के साथ 81,121.70 अंक तक आ गया। हालांकि आखिरी 1 घंटे के कारोबार में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया।

लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा दूसरे शॉटगन नेशनल ट्रायल में शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित दूसरी शॉटगन नेशनल ट्रायल्स की ट्रैप फ़ाइनल स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू ढांडा ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। लक्ष्य ने क्वालिफिकेशन में 120 अंक हासिल करते हुए फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया और फ़ाइनल में 43 अंक के साथ जीत दर्ज की। उन्होंने जसविंदर सिंह को दो अंकों से हराया, जिन्होंने 41 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। महिला वर्ग के फ़ाइनल में, राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने आशिमा अहलावत को 40-39 के करीबी अंतर से हराते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन राजेश्वरी कुमारी ने 31 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि भौनीश मेंदीरत्ता ने पुरुष वर्ग में 33 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में, जंगशेर एस. वीरक ने 119 अंक हासिल करते हुए लक्ष्य के बाद फ़ाइनल के लिए क्वालिफाई किया। राष्ट्रीय चैंपियन शार्दुल विहान, जसविंदर सिंह, भौनीश मेंदीरत्ता और रैयान रिज़वी ने क्रमशः 118, 117, 116 और 116 अंकों के साथ टॉप छह में जगह बनाई। ओलंपियन्स काइनन चेनाई (114), पृथ्वीराज टोंडईमान (112) और वर्ल्ड कप फ़ाइनल्स के सिल्वर मेडलिस्ट विवान कपूर (113) फ़ाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

सांबा में जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन, 246 बालिका खिलाड़ियों ने ली भागीदारी

सांबा। जिला युवा सेवा एवं खेल विभाग सांबा द्वारा रानी सुचेत सिंह स्टेडियम में आयोजित अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय टूर्नामेंट का दूसरा दिन है। चल रहे इस टूर्नामेंट में क्रिकेट (अंडर-17 लड़के) और वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो (अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियां) शामिल हैं। जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी धर्मवीर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने खिलाड़ियों का स्वागत किया। खेलों को बढ़ावा देने और नशे से दूर रहने की शपथ ली गई। सांबा जिले के सभी पांच जोनों से कुल 246 बालिका खिलाड़ी बड़े उत्साह के साथ भाग ले रही हैं। डीवाईएसएसओ ने सभी प्रतिभागियों को उनके समर्पण और उत्साही प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

डोडा में जिला स्तरीय बालिका कबड्डी टूर्नामेंट में 220 छात्राओं ने लिया हिस्सा

डोडा। आज इंडोर स्पोर्ट्स स्टेडियम डोडा में अंडर-14 और अंडर-17 बालिकाओं के लिए अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट का चौथा दिन था। यह आयोजन वाईएसएस के महानिदेशक राजिंदर सिंह तारा के निर्देशन और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी डोडा प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत बहुत उत्साह के साथ हुई और इसमें युवा एथलीटों के बीच अनुशासन, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। आज के कार्यक्रम विशेष रूप से बालिका अंडर-14 और अंडर-17 कबड्डी मैचों के लिए समर्पित थे जिसमें सक्रिय भागीदारी और मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला।लगभग 220 छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और खेल भावना, एकता और उत्कृष्टता के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

आउटडोर गेम्स के लिए बच्चों को किया जाएगा प्रेरित : इकबाल

धर्मशाला। धर्मशाला पुलिस ग्राउंड में आयोजित की जा रही अंडर-15 फुटबाल टूर्नामेंट के दूसरे दिन आयुक्त नगर निगम जफर इकबाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कहा कि धर्मशाला शहरी क्षेत्र में बच्चों को आउटडोर खेलों के लिए प्रेरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं इसके साथ ही पार्क भी निर्मित किए जा रहे हैं ताकि बच्चे स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित हो सकें। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से ही युवाओं को नशे से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने फुटबाल एसोसिएशन द्वारा टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रयासों की भी सराहना करते हुए कहा कि नगर निगम खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव मदद करेगी। इस अवसर पर एसडीएम मोहित रत्न, तहसीलदार गिरीराज भी विशेष तौर पर उपस्थित रहे। फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष वरूण गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता के ब्वायज वर्ग में हाई लैंड पब्लिक स्कूल, रोज पब्लिक स्कूल, एमटीपी पब्लिक स्कूल, आधुनिक पब्लिक स्कूल ने मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है वहीं गर्ल्स के मुकाबलों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घरोह, डीपीएस तथा स्टैंनफोर्ड तथा अचीवर हब की टीमों ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

बैंगलोर को मिला क्वालिफायर-1 का टिकट, रोमांचक मुकाबले में लखनऊ को छह विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। आईपीएल 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को छह विकेट से हराकर क्वालिफायर-1 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत के साथ आरसीबी ने 14 मैचों में 19 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर कब्जा किया है।

मैच का हाल

लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान ऋषभ पंत की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 227 रन बनाए। पंत ने 61 गेंदों में 118 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मिचेल मार्श ने 37 गेंदों में 67 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 5 छक्के शामिल थे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 230 रन बनाकर आईपीएल इतिहास में सबसे बड़े रन

चेज का रिकॉर्ड कायम किया। कार्यवाहक कप्तान जितेश शर्मा ने 33 गेंदों में नाबाद 85 रन की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 6 छक्के शामिल थे। उनका साथ देते हुए मयंक अग्रवाल ने 23 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल थे। विराट कोहली ने 30 गेंदों में 54 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल थे। आरसीबी ने इसके साथ ही दूसरे टीम की घरेलू मैदान में लगातार सात मैच जीतने का रिकॉर्ड भी कायम किया।

दोनों टीमों की ताकत

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : आरसीबी की ताकत उनके बल्लेबाजी क्रम में है, जिसमें विराट कोहली (548 रन, 145.36 स्ट्राइक रेट) और फिल सॉल्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। जोश हेजलवुड की वापसी से उनकी गेंदबाजी और मजबूत हुई है, जो पावरप्ले और डेथ ओवरों में प्रभावी हैं। हालांकि, राजत पाटीदार का हालिया फॉर्म (पिछले 7 मैचों में 96 रन) चिंता का विषय है। आरसीबी का इस सीजन का रिकॉर्ड उनकी लय को दर्शाता है।

लखनऊ सुपर जायंट्स: लखनऊ की बल्लेबाजी मिशेल मार्श (560 रन, 161.85 स्ट्राइक रेट) और निकोलस पूरन (511 रन, 198.83 स्ट्राइक रेट) पर निर्भर है। पूरन ने इस सीजन में स्पिन के खिलाफ सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाए हैं। गेंदबाजी में शार्दूल ठाकुर और दिग्वेश राठी (12-12 विकेट) प्रभावी रहे हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत का खराब फॉर्म (सबसे कम स्ट्राइक रेट और औसत) चिंता का विषय है, लेकिन हाल के मैच में उनकी आक्रामकता उम्मीद जगाती है।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड

दोनों टीमें अब तक 5 बार भिड़ चुकी हैं, जिसमें आरसीबी ने 3 और एलएसजी ने 2 मैच जीते हैं। जोश हेजलवुड ने एलएसजी के खिलाफ 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं, जबकि निकोलस पूरन ने आरसीबी के खिलाफ 3 मैचों में 236.17 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए हैं।

मध्य प्रदेश लीग ने आगामी सीज़न के लिए किया टीम जर्सियों का अनावरण

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) ने एक समारोह के दौरान अपने आगामी सीज़न के लिए सभी 10 फ्रेंचाइज़ी टीमों की जर्सियों का अनावरण किया। यह सीज़न 12 जून से ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाला है। पिछले साल भी एमपीएल का उद्घाटन सीज़न यहीं खेला गया था। भव्य जर्सी अनावरण समारोह में पुरुषों और महिलाओं दोनों ही टीमों के लुक्स को पेश किया गया। समारोह के दौरान सभी खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और राज्य भर के गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी सहभागिता निभाई। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष टीमों की संख्या पांच से बढ़ाकर सात कर दी गई है। इस बार बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की टीमें भी प्रतियोगिता में शामिल होंगी। इस सीज़न में पहली बार महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है, जो पुरुषों के मैचों के साथ ही आयोजित की जाएगी। महिला प्रतियोगिता में तीन टीमें भाग लेंगी, जिनमें भोपाल की टीम भी शामिल है। जर्सी अनावरण पर चेयरमैन महानार्यमन सिंधिया ने कहा, जर्सी अनावरण की सफलता एक रोमांचक सीज़न की शुरुआत का संकेत है। पहले सीजन की अपार सफलता और इस सीजन के उत्साह को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि मध्य प्रदेश लीग क्रिकेट प्रतिभा और क्षेत्रीय गौरव का उत्सव बन चुकी है। इस बार हम न केवल लीग का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि महिला प्रतियोगिता की शुरुआत भी कर रहे हैं, जो खेल के प्रति हमारी विचारधारा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए जीडीसीए अध्यक्ष प्रशांत मेहता ने कहा, मध्य प्रदेश लीग सीज़न 2 को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। टीम की जर्सियाँ उनके क्षेत्र और भावना को दर्शाती हैं और हमें विश्वास है।

मार्श-पंत की जोड़ी ने तोड़ा राहुल-डी कॉक का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 152 रन की साझेदारी की। यह लखनऊ के लिए किसी भी विकेट के लिए दूसरे सबसे बड़ी साझेदारी रही। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड केएल राहुल और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी के नाम है। 2022 में नवी मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ दोनों ने पहले विकेट के लिए 210 रनों की नाबाद साझेदारी की थी। इस ऐतिहासिक साझेदारी में केएल राहुल ने 51 गेंदों पर 68 और डी कॉक ने 70 गेंदों पर 140 रन बनाए, जिससे एलएसजी ने 20 ओवर में 2 विकेट पर 210 रन बनाए और 20 रन से जीत हासिल की। यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। 2025 में मिशेल मार्श और ऋषभ पंत ने लखनऊ में आरसीबी के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी की। मार्श 156.83 की स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाकर आऊट हुए जबकि पंत ने

शतक लगाया। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर राहुल और डी कॉक ही हैं जिन्होंने साल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ लखनऊ में 134 रनों की साझेदारी है। इस जोड़ी ने पावरप्ले में तेज शुरुआत दी, जिससे एलएसजी को जीत मिली। 2025 में मार्श और निकोलस पूरन ने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अहमदाबाद में तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी की। पूरन ने 200.98 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे। यही नहीं, यह आरसीबी के खिलाफ भी दूसरे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इससे पहले साल 2011 में धर्मशाला के मैदान पर एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श ने 206 रन की साझेदारी की थी। पंत और मार्श 152 रन की पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर जोस बटलर और संजू सैमसन हैं जिन्होंने साल 2024 में जयपुर के मैदान पर 148 रन बनाए थे।

आरसीबी के खिलाफ मिली हार के बाद पंत ने कहा-हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए

एजेंसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 61 गेंदों पर नाबाद 118 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले ऋषभ पंत ने कहा कि इस बार वह शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने पर फोकस कर रहे थे, जो वह पिछले मैचों में नहीं कर पाए थे। हालांकि, उनकी इस शानदार पारी के बावजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 227 रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। पंत ने इस हार पर कहा, हम 40 ओवर अच्छी क्रिकेट नहीं खेल पाए। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में पंत ने कहा, हर मैच के साथ मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन कई बार चीजें आपके मुताबिक नहीं होतीं। आज मैंने ठान लिया था कि अगर शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलना है, जैसे अनुभवी खिलाड़ी करते हैं। सबसे अच्छे खिलाड़ियों से यही सीखा है कि जब मौका मिले तो उसे भुनाओ। पंत का यह सीजन बल्ले से बेहद फीका रहा था। इस मुकाबले से पहले वह 12 पारियों में सिर्फ 151 रन ही बना पाए थे। उन्होंने बताया कि इस मैच में उन्होंने सीधा खेलने और

गैप्स तलाशने की रणनीति अपनाई, जो पहले काम नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने कहा, मैंने सोचा कि गेंदबाज किस एंगल से गेंदबाजी करेंगे और उसी के मुताबिक खुद को ढालने की कोशिश की। सीधा खेलना, गैप्स देखना, सब कुछ सिंपल रखा और हर गेंद को एक जैसी गंभीरता से खेला।

गेंदबाजी में अनुभव की कमी ने लखनऊ को किया परेशान

एलएसजी की गेंदबाजी इस मैच में खास असर नहीं छोड़ पाई। विल ओ'रूर्क और शाहबाज अहमद ने मिलकर सिर्फ 7 ओवरों में 113 रन लुटा दिए। वहीं फील्डिंग में चूक और दिग्वेश राठी की बैकफुट नो-बॉल, जिस पर प्लेयर ऑफ द मैच जितेश शर्मा को जीवनदान मिला, टीम की हार का कारण बनी। पंत ने कहा,टी20 में सिर्फ 20 ओवर अच्छा खेलना काफी नहीं है। 40 ओवर पूरे मैच में अच्छा खेलना होता है और यही हमारी कहानी रही है। टूर्नामेंट से पहले कई खिलाड़ियों की चोटें थीं, जिसका असर पूरे सीजन में दिखा।

कुछ गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा सराहनीय

एलएसजी ने इस सीजन 14 में से 6 मुकाबले जीतकर अंक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, पंत ने कुछ सकारात्मक पहलुओं की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, कुछ खास गेंदबाजी प्रदर्शन भी हुए हैं। दिग्वेश राठी का प्रदर्शन सराहनीय रहा, आवेश खान ने भी अहम ओवर फेंके। आकाश सिंह और आकाश दीप ने भी अच्छा किया। हमें मौके मिलते रहे, लेकिन हम उन्हें लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाए और यही हार की वजह बनी।

शीर्ष दो में जगह बनाना अद्भुत, लेकिन हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है : शशांक सिंह

एजेंसी

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने कहा कि टीम सामूहिक प्रयास से इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में शीर्ष दो में जगह बनाने में सफल रही लेकिन काम अभी पूरा नहीं हुआ है और उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। शशांक ने कहा, 'यह वास्तव में अद्भुत अहसास है। सबसे अच्छी बात यह है कि हमने सामूहिक प्रयास से इसे हासिल किया। नीलामी

के ठीक बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया और इस साल खिताब जीतने के बारे में बात की। हमारा पहला लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाना था और हमने इसे हासिल कर लिया है। इस 33 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि विश्वास और कड़ी मेहनत ही उनके सपने को वास्तविकता में बदलने की कुंजी थी। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को जाहिर करना अलग चीज है और उस पर विश्वास करना अलग। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हर एक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में शीर्ष दो में रहना आसान नहीं है। शशांक ने कहा, 'शीर्ष दो में जगह बनाने से अभी काम पूरा नहीं हुआ है। हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। चार जून को तड़के 12 बजे जब हम खिताब जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बैठे होंगे, तो मैं कह सकता हूं कि हां, हम दुनिया में शीर्ष पर हैं। शशांक उन कुछ खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्हें मेगा नीलामी से पहले टीम में बरकरार रखा गया था, लेकिन टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया।

एपीजीसी जूनियर चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने हांगकांग पहुंची चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम

एजेंसी

हांगकांग। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने चार सदस्यीय भारतीय टीम को हांगकांग, चीन में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक गोल्फ कॉन्फेडरेशन (एपीजीसी) जूनियर चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए भेजा है। यह टूर्नामेंट हांगकांग गोल्फ क्लब में आज से शुरू हो रहा है। भारतीय टीम में लड़कों की ओर से कृष चावला और रणवीर मिट्टू जबकि लड़कियों की ओर से सान्वी सोमू और काशिका मिश्रा शामिल हैं। टीम के साथ गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में डॉ. कोमल नरवर भी मौजूद हैं। यह तीन राउंड वाला टूर्नामेंट 27 से 29 मई तक चलेगा, जिसमें लड़कों और लड़कियों के व्यक्तिगत, टीम और मिक्स्ड टीम इवेंट शामिल होंगे। प्रतियोगिता स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली जाएगी। लड़कों और लड़कियों की टीम के लिए उनके संयुक्त स्कोर को जोड़ा जाएगा, जबकि मिक्स्ड टीम की रैंकिंग के लिए टीम के सर्वश्रेष्ठ लड़के और लड़की के स्कोर को जोड़ा जाएगा। हांगकांग में मौसम आमतौर पर बादलों से घिरा हुआ है लेकिन बीच-बीच में धूप भी निकल रही है, जो गोल्फ के लिए एक आदर्श माहौल बनाता है।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप: इंडियन वॉरियर्स ने किया धमाकेदार आगाज़, अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से हराया

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के पहले दिन का आगाज़ बेहद रोमांचक अंदाज़ में हुआ। मंगलवार रात उद्घाटन मुकाबले में शिखर धवन की इंडियन वॉरियर्स ने अफ्रीकन लायंस को 7 विकेट से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की।

अफ्रीकन लायंस ने रखा था 195 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीकन लायंस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाए। टीम के लिए शेखर सिरोही ने सिर्फ 26 गेंदों पर 65 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें कई आकर्षक शॉट्स देखने को मिले। अंतिम ओवरों में शिवम शर्मा ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़कर स्कोर को मजबूती दी।

धवन-पांचाल की ओपनिंग साझेदारी ने रखी जीत की नींव

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत तूफानी रही। शिखर धवन और कप्तान प्रियांक पांचाल ने पहले छह ओवर में ही 67 रन जोड़ दिए। हालांकि सातवें ओवर में टीम ने दो विकेट खो दिए, लेकिन इसके बाद पारी को पवन नेगी और केदार देवधर ने संभाला। वॉरियर्स की जीत में केदार देवधर ने 39 गेंदों में 60 रन और पवन नेगी ने 28 गेंदों में 57 रन की शानदार पारियां खेलीं। कप्तान पांचाल ने भी 17 गेंदों में तेज़ 38 रन बनाए। इन तीनों की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत टीम ने 15 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद कप्तान प्रियांक पांचाल ने कहा,पहली जीत बहुत खास है। शिखर धवन जैसे अनुभवी खिलाड़ी के साथ खेलना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने पारी के दौरान लगातार मार्गदर्शन किया, जिससे हमें लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी हुई। लीग स्टेज 3 जून तक चलेगा, उसके बाद 4 जून को दोनों सेमीफाइनल और 5 जून को रात 7:30 बजे फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

डीबीएपी और जार्डन टाइगर्स ने जीता खिताब

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट बास्केटबाल एसोसिएशन प्रयागराज (डीबीएपी) और जार्डन टाइगर्स ने द्वितीय डेकेथलान प्रयागराज बास्केटबाल लीग में क्रमशः बालक एवं बालिका वर्ग के खिताब पर कब्जा जमा लिया। मैरी ल्यूकस स्कूल कटरा में सोमवार रात खेले गये बालक वर्ग के फाइनल में डीबीएपी ने आर्मी डंकिन डैड्स को 14-8 से हराया। विजेता टीम के दिव्यांशु ने नौ, आर्य वीर ने चार, श्रीशांत ने एक अंक बनाये। पराजित टीम के साहिल ने पांच, अनुराग ने दो और सौरभ ने एक अंक बनाया। बालिका वर्ग के फाइनल में जार्डन टाइगर्स ने घोस्ट वेनम को 11-10 से हराया। विजेता टीम की नमस्वी ने सात, नित्या और खुशी ने दो-दो तथा पराजित टीम की निशि ने आठ एवं मान्या ने दो अंक बनाये। मुख्य अतिथि पूर्व अंतर राष्ट्रीय बास्केबाल खिलाड़ी आरएस बेदी, जिला बास्केबाल संघ के सचिव शील कुमार ओझा और प्रो. आरके उपाध्याय ने पुरस्कार वितरित किये।

गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है। यह सीरीज 29 मई से शुरू होगी, लेकिन इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एटकिंसन की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट में लगी चोट

एटकिंसन को यह चोट हाल ही में नॉटिंघम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान लगी थी। इस मैच में उन्होंने कुल 19.2 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए थे। उनकी चोट इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी में एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इससे पहले जोफ्रा आर्चर भी इसी सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए फिटनेस जरूरी

इंग्लैंड टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि एटकिंसन 20 जून से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

हैरी ब्रूक पहली बार स्थायी वनडे कप्तान के रूप में: इस सीरीज में हैरी ब्रूक पहली बार इंग्लैंड की वनडे टीम की कमान बतौर स्थायी कप्तान संभालेंगे। तीनों वनडे मुकाबले क्रमशः 29 मई (बर्मिंघम), 1 जून (कार्डिफ) और 3 जून (ओवल, लंदन) को खेले जाएंगे।

चोटों से जूझ रहा बांग्लादेश, पाकिस्तान के खिलाफ युवा तेज गेंदबाजों पर जताया भरोसा

एजेंसी

लाहौर। चोट के कारण सीनियर तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान और तस्कीन अहमद के बाहर होने के बाद बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस को उम्मीद है कि बाकी तेज गेंदबाज पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, जो बुधवार को लाहौर में शुरू होगी। तस्कीन टखने की चोट के कारण दो महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं, जबकि मुस्तफिज़ुर को पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने अंतिम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 मैच के दौरान अंगूठे में चोट लग गई थी। सिमंस ने कहा, 'आपको अपने सीनियर तेज गेंदबाजों की कमी खलेगी। जैसा कि हमने देखा, फिज (मुस्तफिज़ुर) उस समय आईपीएल में किस तरह की गेंदबाजी कर रहे थे। हमें उनकी कमी खलेगी। यह किसी के लिए इस सीरीज में उनकी जगह लेने का मौका भी है। उम्मीद है कि कोई गेंदबाज इस सीरीज में फिज की जगह लेना चाहेगा। इस फॉर्मेट में हमारी गेंदबाजी आमतौर पर हमारी मजबूती होती है। लेकिन दो वरिष्ठ गेंदबाजों, तस्कीन और फिज के बाहर होने से संतुलन बिगड़ा है। मुस्तफिज़ुर की अनुपस्थिति में चयनकर्ताओं ने खालिद अहमद को शामिल किया है। नाहिद राणा के प्रतिस्थापन खिलाड़ी को नहीं चुना गया है जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए दौरे से नाम वापस ले लिया है। खालिद के अलावा, तेज गेंदबाजी इकाई में तंजीम हसन साकिब, हसन महमूद और शोरीफुल इस्लाम शामिल हैं। ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज को भी चोटिल सौम्य सरकार की जगह लाया गया है ताकि उनके गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत किया जा सके। यूएई से 2-1 से सीरीज हारने के बावजूद सिमंस आशावादी बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि टीम का मनोबल अच्छा है और लाहौर में शानदार प्रदर्शन के साथ वापसी करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा, यूएई में सीरीज हारना मुश्किल था, लेकिन फिर कभी-कभी इससे आपका मनोबल बढ़ता है। हमारा मनोबल बहुत अच्छा रहा है, इसलिए हमें उम्मीद है कि (यूएई में परिणाम) हमारा मनोबल बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि सीरीज जीतने का हमेशा अच्छा मौका रहता है। लोग कहते रहते हैं कि पाकिस्तान अच्छा नहीं खेल रहा है। फिर से, यह उस दिन होने वाली घटनाओं पर निर्भर करता है। हमारे पास यहां सीरीज जीतने का अच्छा मौका है।

हम सभी पहलुओं में सुधार करने की कोशिश में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। यह सीरीज बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी विभाग के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत भी करेगी, जिसमें शॉन टैट दो साल के अनुबंध पर तेज गेंदबाजी कोच के रूप में अपने पहले काम के लिए कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। सिमंस ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी कोच मुश्ताक अहमद के साथ टैट, जो दोनों कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी के साथ हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल थे, विपक्षी टीम की ताकत के बारे में मूल्यवान जानकारी देंगे। सिमंस ने कहा, मुझे लगता है कि वह (टैट) न केवल गेंदबाजों के लिए, बल्कि पूरी टीम के लिए शानदार साबित होंगे। हम यहां स्थिति का आकलन करेंगे। मुशी क्क्ररु में थे, इसलिए हम उनसे जानकारी लेंगे और अपने फैसले लेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों के न होने के कारण अब युवा तेज गेंदबाजों पर जिम्मेदारी आ गई है। उनमें से सबसे अनुभवी शोरफुल इस्लाम से आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद की जाएगी।

ऐसे मुस्कुराएगी गर्मियों में स्किन...

जी हां, गर्मियां जोर पकड़ रही हैं। घर से बाहर निकलना मानों मुसीबत को न्यौता देने हो गया है। गर्मियों में स्किन काफी नाजुक और सेंसिटिव हो जाती है। सूरज की तीखी किरणें, नमी की कमी व धूल-मिट्टी स्किन की रंगत कम कर देते हैं। आपकी खूबसूरत स्किन कैसे मौसम के इन थपेड़ों को सहने के बावजूद मुस्कुरा सकते हैं। जैसी स्किन, वैसी केयर। चेहरे की स्किन भी कई तरह की होती है इसलिए केयर के तरीके भी बदल जाते हैं।

ऑइली स्किन

ऑइली स्किन देखने में ऐसी लगती है जैसे चेहरे पर तेल लगाया हुआ हो। ऐसी स्किन को धोने के थोड़ी देर बाद तेल निकल आता है। इस तरह की स्किन पर लगया गया मेकअप जल्दी खराब हो जाता है। ऐसी स्किन पर तिल, मुहांसे और फुंसियां निकलने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसी स्किन को खास ख्याल की जरूरत होती है। किशोरावस्था में ऐसी स्किन में कुछ ज्यादा ही चिकनाहट नजर आती है, जो उम्र बढ़ने के साथ-साथ कम हो जाती है।

ऑयली स्किन की देखभाल

- फेस को कम से कम दिन में चार-पांच बाद धोएं।
- उसी मेकअप का इस्तेमाल करें जो खासतौर पर ऑइली स्किन के लिए बनाया गया हो।
- ऐसी स्किन पर फेस-मास्क और पैक वही लगाएं, जो ऑइली स्किन के लिए ही बने हैं।
- अधिक मात्रा में चीनी, अधिक मसालेदार और ऑयली खाना न खाएं।
- मेकअप से पहले चेहरे पर ऐस्ट्रिनजेंट लगाएं।

घरेलू नुस्खे

- एक चम्मच शहद में अंडे की सफेदी मिलाकर अपने चेहरे और गर्दन पर मलें। 10-15 मिनट बाद धो लें।
- दो चम्मच पपीते का गूदा, 10 बूंद नीबू के रस को डालकर अच्छी तरह मसलें। इसे चेहरे पर लगाएं। सूखने के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।
- मटर के दानों को छाया में सुखा कर पीस लें और शीशी में भरकर रखें। दो च्मच गुलाब जल में एक चम्मच मटर पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं।जब यह सूख जाए तो ठंडे पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करने स्किन में ऑयल कुछ कम होता है।
- संतरा, माल्टा, तरबूज या पपीता इन सबका रस चेहरे पर लगाएं। इनमें से किसी का भी रस 10-15 मिनट लगा कर रखें और बाद में चेहरा धो लें। इससे स्किन पोर्स खुल जाएंगे और खून का दौरा बढ़ेगा।

नॉर्मल स्किन

ऐसी स्किन वालों का चेहरा काफी फ्रेश दिखता है। इस प्रकार की स्किन न तो ऑयली होती है और न ड्राई। ऐसी स्किन पर अगर कम मेकअप करें तो बेहतर होगा। अगर ऐसा न कर सकें तो कम से कम हफ्ते में एक दिन मेकअप फ्री रहें।

नॉर्मल स्किन की देखभाल

- नॉर्मल स्किन को हमेशा माइल्ड सोप (जैसे कि जॉनसन बेबी शॉप, डव, पीयर्स आदि) या फेशवॉश से साफ करें।
- चेहरे को धोते वक्त पानी का ज्यादा इस्तेमाल करें।
- चेहरे की सफाई के लिए उसे धोने से पहले .लींजिंग लोशन या क्रीम लगाकर रुई से पोछें। जब भी बाहर से आएं तो चेहरे को साफ जरूर करें।
- जब मेकअप करें तो उसे सोने से पहले रिमूव जरूर करें।
- सर्दियों में और गर्मियों में नॉर्मल स्किन के लिए माकूल मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। आमतौर पर नॉर्मल स्किन के लिए ढेर सारे मॉइश्चराइजर आसानी से मिल जाते हैं।

घरेलू नुस्खे

- तरबूज, कद्दू, खीरा और खरबूजे के बीज बराबर मात्रा में लेकर दूध में बारीक पीस लें और इसे मलाई के साथ फेस पर लगाएं। एक घंटे बाद धो दें।
- सरसों को बारीक पीस कर दूध या पानी में लेई-सी बना लें। इसके रोज लगाने से रंगत निखरती है।
- नहाते वक्त पानी में एक चूमच जैतून का तेल मिला देने से स्किन मुलायम होती है।

ड्राई स्किन

ऐसी स्किन पर खुश्की की वजह से सफेद-सफेद दाग निकलने लगते हैं। सही देखभाल की कमी से ऐसी स्किन वाले वक्त से पहले ही बूढ़े नजर आने लगते हैं। ड्राई स्किन पर मौसम का असर फौरन होता है। तेज हवा, धूप और ठंडे पानी से ऐसी स्किन को बचाना चाहिए। इस तरह की स्किन को ठंडे पानी से कम धोना चाहिए और साबुन का इस्तेमाल भी कम करना चाहिए। ड्राई स्किन पर मॉइश्चराइजिंग क्रीम गर्दन और शरीर के उन भागों पर भी लगाएं, जो दिनभर खुले रहते हैं।

ड्राई स्किन की देखभाल

- साबुन का इस्तेमाल न करें, वरना स्किन और सूखी हो जाएगी।
- बहुत देर एयर कंडिशनर और रूम हीटर का इस्तेमाल न करें।
- अधिक देर तक सूरज के सामने बैठना स्किन को सूखा और बेजान बनाता है।
- अल्कोहल वाले स्किन लोशन का इस्तेमाल न करें।

घरेलू उपाय

- हफ्ते में एक बार चेहरे की मालिश जरूर करें।
- हफ्ते में एक बार खरबूजे के रस से चेहरे को धोएं।
- स्किन साफ करने या मेकअप रिमूव करने के बाद स्किन टॉनिक जरूर लगाएं।
- मेकअप से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
- चेहरे को .लीजिंग मिल्क से साफ करें और ऐस्ट्रिनजेंट लोशन का इस्तेमाल न करें।
- ज्यादा ड्राई स्किन के लिए मिल्क सोप का इस्तेमाल करें और कोल्ड क्रीम जरूर लगाएं।

ड्राई स्किन के लिए उबटन

- एक चम्मच बादाम रोगन में 10 चम्मच ठंडा कच्चा दूध और एक चम्मच चीनी मिलाकर रुई के फाहे से पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। 15 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें।
- एक अंडे की जर्दी (पीला हिस्सा) में 2 चम्मच संतरे का रस मिलाएं, पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। 30- 35 मिनट बाद चेहरा धो दें।
- 50 ग्राम सोयाबीन या मसूर की दाल को रात भर भिगोकर रखें। सुबह छिलका उतार कर बारीक पीसिए। उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध और 4-5 बूंदें बादाम रोगन की डालें। पेस्ट बनाकर फेस पर लगाएं। सूखने के बाद ताजे पानी से धो लें। यह पेस्ट अगली बार इस्तेमाल करने के लिए फ्रिज में रख सकते हैं।
- एक चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी, आधा चम्मच शहद और आधा चम्मच जैतून का तेल मिलाकर चेहरे पर लगाने से ड्राई स्किन में चमक आने लगती है।
- एक छोटा चम्मच बारीक पिसी हुई मुल्तानी मिट्टी में एक छोटा चम्मच गुलाब जल और .लीजिंग मिल्क मिलाकर पेस्ट तैयार करें और चेहरे पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद चेहरा गुनगुने पानी से धो लें।
- चेहरे की स्किन अगर लू लगने से खुश्क हो गई है तो एक कप पानी में एक चम्मच मख्खन डालकर गरम करें और चेहरे पर रुई के फाहे से लगाएं। ऐसा 10- 15 मिनट करें। फिर चेहरा सूखी रुई से पोंछ लें।

तरावट लाए तरबूज का शरबत

तरबूज का शरबत बहुत ही स्वादिष्ट होता है। यह हमें चिपचिपी गर्मी, धूप, लू, उमस, आदि में ठंडक देने का काम करता है। उत्तर भारत में तो लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं, लेकिन मुंबई में यह हर जगह मिलता है और लोग इसे बहुत पसंद भी करते हैं। तो आइये आज हम भी मुंबई का मशहूर तरबूज का शरबत बनाते हैं।

आवश्यक सामग्री–

5 गिलास शरबत बनाने के लिये–

तरबूज – 2– 2.1/2 कि.ग्रा.

नींबू – 1

बर्फ के क्यूब्स – 1 कप

विधि–

तरबूज का शरबत बनाने के लिये सबसे पहले तरबूज को धोकर काटिये और फिर इसके मोटे हरे भाग को काट कर अलग कर दीजिये। अब लाल वाले भाग को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट कर मिक्सी में पीस लीजिये। थोड़ी देर बाद जब तरबूज का गूदा और रस

बिल्कुल घुल जाए तब इस जूस को छलनी में छान लीजिये।

अब इस जूस में नींबू निचोड़ कर अच्छे से मिलाइये और फिर इसे गिलासों में डाल दीजिये। ठंडा करने के लिये इसमें अपने अनुसार बर्फ डाल दीजिये और चाहें तो गिलास में शरबत के ऊपर 1–2 पोदीने की पत्तियाँ भी सजा दीजिये (यदि आप को इसमें मीठा कम लग रहा हो तो आप अपने स्वादानुसार इसमें चीनी मिला कर इसे और अधिक मीठा भी कर सकते हैं, लेकिन चीनी मिलाने के बाद यह जूस अपना वास्तविक स्वाद खो देता है)।

ठंडा–ठंडा तरबूज का शरबत तैयार है। अब इसे जितना मर्जी पीजिये और घर में सभी को पिलाइये।

यकीन मानिये इस शरबत को पीने के बाद आप बाजार में बिकने वाले बनाबटी रंग और स्वाद वाली रंगीन पानी की बोतलों को छुएंगे भी नहीं

जानिये आलू की खासियतें

भारत और विश्व में आलू विख्यात है और अधिक उपजाया जाता है7 आलू को हमेशा छिलके समेत पकाना चाहिए क्योंकि आलू का सबसे अधिक पौष्टिक भाग छिलके के एकदम नीचे होता है, जो प्रोटीन और खनिज से भरपूर होता है। आलू में स्टॉर्च, पोटाश और विटामिन ए व डी होता है।

यह अन्य सब्जियों के मुकाबले सस्ता मिलता है लेकिन है गुणों से भरपूर 7 आलू से मोटापा नहीं बढ़ता7 आलू को तलकर तीखे मसाले, घी आदि लगाकर खाने से

जो चिकनाई पेट में जाती है, वह चिकनाई मोटापा बढ़ाती है7 आलू को उबालकर अथवा गर्म रेत या राख में भूनकर खाना लाभदायक और निरापद है।

- आलू में विटामिन बहुत होता है।
- आलू को छिलके सहित गरम राख में भूनकर खाना सबसे अधिक गुणकारी है।
- भुना हुआ आलू पुरानी कब्ज और अंतड़ियों की सड़ांध दूर करता है7 आलू में पोटेशियम साल्ट होता है जो अम्लपित्त को रोकता है।
- चार आलू सेंक लें और फिर उनका छिलका उतार कर नमक, मिर्च डालकर नित्य खाएं। इससे गठिया ठीक हो जाता है।

हरा भाग खतरनाक

आलू के हरे भाग में सोलेनाइन विषैला पदार्थ होता है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक होता है। आलू के अंकुरित हिस्से का भी प्रयोग नहीं करना चाहिए।

आलुओं में प्रोटीन होता है, सूखे आलू में 8 .5 प्रतिशत प्रोटीन होता है।

- आलू का प्रोटीन बूढ़ों के लिए बहुत ही शक्ति देने वाला और बुढ़ापे की कमजोरी दूर करने वाला होता है। आलू में कैल्शियम, लोहा, विटामिन-बी तथा फास्फोरस बहुतायत में होता है।
- आलू खाते रहने से रक्त वाहिनियां बड़ी आयु तक लचकदार बनी रहती हैं तथा कठोर नहीं होने पातीं।
- इसको छिलके सहित पानी में उबालें और गल जाने पर खाएं। यदि दो-तीन आलू उबालकर छिलके सहित थोड़े से दही के साथ खा लिए जाएं तो ये एक संपूर्ण आहार का काम करते हैं।
- आलू के छिलके ज्यादातर फेंक दिए जाते हैं, जबकि अच्छी तरफ साफ़ किये छिलके सहित आलू खाने से ज्यादा शक्ति मिलती है।

ऊर्जा का भंडार

केला

भारत में केला हर जगह पाया जाता है और इसकी सबसे अच्छी किस्में भारत में ही होती हैं 7 भले ही रोज एक सेब खाने से आप डॉक्टर के पास जाने से बच सकते हैं, लेकिन केला खाने से आप अपनी पूरी जिन्दगी स्वस्थ्य रह सकते हैं। रिसर्च के मुताबिक केला आपको कई बीमारियों से बचा सकता है।

तो आइए जानते हैं केला खाने का स्वास्थ्य लाभ –

1 - केला खिलाड़ियों का प्रिय फल है क्योंकि यह तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। सुबह नाश्ते में केला खाने से ऊर्जा बढती है और सूकरोज़, फ्रक्टोज़ और ग्लूकोज जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं। यदि आप दिन भर भूखे प्यासे रहते हैं, तो केवल केला ही खा लें देखिये अन्य फल के मुकाबले केले से तुरंत एनर्जी मिलेगी।

2- केले में प्रोटीन पाया जाता है, जो कि दिमाग को आराम देता है इसलिए डिप्रेशन दूर करने में सहायक है 7

3- दूध के साथ केला और शहद मिला कर पीने से अनिद्रा की समस्या दूर हो जाती है।

4- केले में रेशा पाया जाता है, जिससे पाचन क्रिया मजबूत बनती है। गैस्ट्रिक व कब्ज़ की बीमारी वाले लोंगो के लिये केला बहुत प्रभावशाली उपचार है। अक्सर यात्रा के दौरान कब्ज की शिकायत हो जाती है। इसको दूर करने के लिये केला एक अच्छा विकल्प है 7

5- केला शरीर के खून में हीमोग्लोबिन को बढाता है। जिससे एनीमिया की शिकायत दूर हो जाती है।वे लोग जो एनीमिया से प्रभावित हैं, उन्हें अपने भोजन में केला शामिल करना चाहिये।

6 - केले में पोटैशियम पाया जाता है, जो उच्चरक्तचाप के रोगियों के लिए विशेष लाभकारी होता है7 केला खाने से उच्चरक्तचाप

सामान्य बना रहता है 7

7- दो केले लगभग 100 ग्राम दही के साथ सेवन करने से दस्त व पेचिश में लाभ होता है 7

8 - केले पर चीनी और इलायची डालकर खाने से खट्टी डकारें आनी बंद हो जाती हैं।

स्वादिष्ट कसूंदी का उठाएं जायका

कसूंदी सॉस खाने में बेहद स्वादिष्ट व चटपटी लगती है। इसे आप पकौड़ों, पिज़्ज़ा, सैंडविच या किसी भी स्नैक्स के साथ खा सकते हैं। कसूंदी बनाना बेहद आसान है और इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। तो आइये आज कसूंदी बना लेते हैं।

आवश्यक सामग्री–

राई (काली सरसों) - 2 टेबल स्पून
पीली सरसों - 2 टेबल स्पून
कच्चे आम - 2 या 300 ग्राम (मीडियम आकार के)
अदरक - 2 इंच लंबा टुकड़ा
हरी मिर्च - 4-5
लाल मिर्च - 1/2 छोटी चम्मच
जीरा - 1 छोटी चम्मच
धनिया पाउडर - 2 छोटी चम्मच
चीनी - 1 छोटी चम्मच
सरसों का तेल - आधा कप
हींग - 1/4 छोटी चम्मच से कम
हल्दी पाउडर - 1 छोटी चम्मच
सिरका - एक चौथाई कप
नमक - 2 छोटी चम्मच (स्वादानुसार)

विधि–

आम को धोकर छीलिये और गूदा निकाल कर काट लीजिये, राई और पीली सरसों को अच्छी तरह से साफ कर लीजिये, हरी मिर्च के डंठल हटा कर मिर्चों को धो लीजिये और अदरक को छील कर धोकर उसके टुकड़े कर लीजिये।

मिक्सर में राई, पीली सरसों, आम का गूदा, हरी मिर्च, अदरक के टुकड़े, जीरा, धनिया पाउडर, हींग, हल्दी पाउडर व चीनी डालकर बारीक पीस लीजिये और यदि ये मसाले पीसते समय पानी की आवश्यकता लग रही हो तो 1-2 टेबल स्पून पानी मिलाकर सभी मसालों को अच्छी तरह पीस लीजिये।

अब कढ़ाई में तेल गर्म कीजिये और उसमें पिसे हुए मसाले डालकर धीमी गैस पर 3-4 मिनट तक अच्छी तरह भूनिये। जब मसालों से भुनने की महक आने लगे तो गैस बंद कर दीजिये और मसालों के इस मिश्रण में सिरका व नमक मिलाकर इसे किसी कांच के कंटेनर में भर कर धूप में रख दीजिये। 3-4 दिन बाद जब आप देखें कि कसूंदी के ऊपर तेल तैरने लगा है तो समझ लीजिये कि कसूंदी खाने के लिये तैयार है। अब इसे आप गरमा गरम पालक या गोभी आलू के पकौड़ों के साथ परोस कर खाइये और बची हुई कसूंदी को फ्रिज में रखकर 6 महिने तक कभी भी खाइये।

सुझाव – कसुंदी को कांच के कंटेनर में भरने से पहले उस कंटेनर को उबलते हुए पानी से अच्छी तरह धोकर सुखालें ताकि कसूंदी जल्दी खराब न हो और ज्यादा दिन तक चल सके।

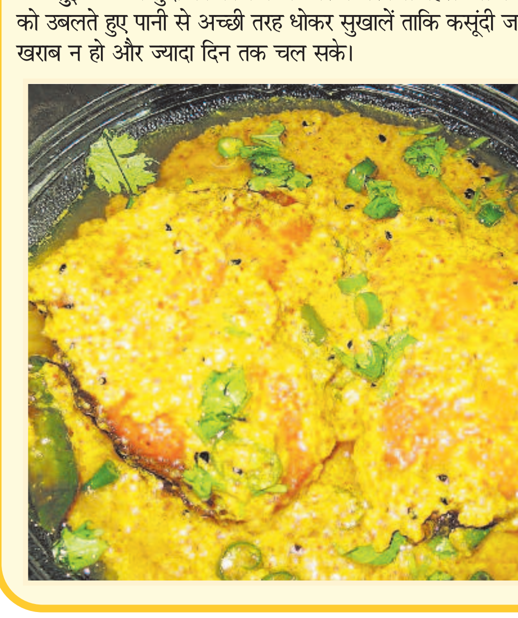

'बिग बॉस' फेम

बंदगी कालरा

के घर लाखों की चोरी, बहन की शादी के लिए घर में रखे थे कैश

रियलिटी शो 'बिग बॉस 11' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस और इन्फ्लुएंसर बंदगी कालरा के घर चोरी की खबर ने सबको चौंका दिया. बताया जा रहा है कि उनकी बहन की शादी से ठीक पहले दिल्ली स्थित उनके घर में लाखों की चोरी हुई है, जिसमें भारी नकदी और कीमती सामान गायब है. इस घटना के बाद से बंदगी काफी परेशान हैं और उन्होंने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर निराशा जताई है.दरअसल, हा ही में बंदगी कालरा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए घर पर हुई चोरी का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो अपने घर लौटीं, तो देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था और दरवाजों के ताले टूटे हुए थे.

चोर घर से नकदी, गहने और यहां तक कि सीसीटीवी कैमरे का एसडी कार्ड भी चोरी कर भाग गए थे. बंदगी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि उनकी बहन की शादी के चलते उन्होंने घर में बड़ी रकम रखी हुई थी. उन्होंने टूटे हुए ताले और अस्त-व्यस्त घर की तस्वीरें भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की थी.

सिस्टम पर उठाए सवाल

चोरी की इस घटना के बाद बंदगी कालरा ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन उनका कहना है कि शिकायत के 30 घंटे बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिखी. उन्होंने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमारा सिस्टम इतना कमजोर और सुस्त है कि कार्रवाई करने के बजाय, वे आराम कर रहे हैं और खाना खा रहे हैं. मैंने कभी इतना असहाय महसूस नहीं किया. उन्होंने ये भी आशंका जताई कि पुलिस इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है.

परेशान हैं बंदगी

बंदगी ने सवाल उठाया कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो लोग भारत से बाहर क्यों नहीं जाना चाहेंगे ? उन्होंने अपने फैंस से समर्थन की अपील की है और उम्मीद जताई है कि उन्हें जल्द न्याय मिलेगा. बंदगी के फैंस का कहना है कि इस तरह की घटना ने एक बार फिर आम लोगों की सुरक्षा और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

इधर युजवेंद्र चहल और

आरजे महवश

की डेटिंग की खबरें आईं, उधर धनश्री वर्मा ने कह दी ये बात

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा ने दिसंबर 2020 में खूबसूरत तरीके से और ग्रैंड लेवल पर शादी की थी. हालांकि, उनकी शादी में आई खटास के चलते 20 मार्च, 2025 को उनका तलाक हो गया. युजवेंद्र लंबे वक्त से आरजे महवश के साथ अपनी डेटिंग की खबरों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. इस बीच, धनश्री ने पहली बार नई शुरुआत के बारे में बात की है.

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में धनश्री वर्मा ने युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद नई शुरुआत के बारे में बात की. उन्होंने कहा, मैं हमेशा कहूंगी और मानूंगी कि प्यार जीवन का एक खूबसूरत पहलू है, और इसके बारे में आपकी समझ समय के साथ विकसित होती है. उन्होंने कहा, फिलहाल मैं अपने काम और करियर पर ध्यान दे रही हूं और साथ ही अपने व्यक्तिगत विकास पर भी काम कर रही हूं.

मेरा करियर और परिवार जरूरी

धनश्री वर्मा ने अपनी बात को पूरा करते हुए आगे कहा, भविष्य जो कुछ भी मेरे लिए लेकर आएगा, उसके लिए तैयार हूं, लेकिन अभी मेरे लिए मेरा करियर और मेरा परिवार ही सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है. कोरियोग्राफर से यह भी पूछा गया कि वह पब्लिक जजमेंट को कैसे मैनेज करती हैं. उन्होंने बताया कि वह इन सबसे परेशान नहीं हैं. धनश्री ने आगे कहा कि उन्होंने खुद को आंतरिक शक्ति से घेर लिया है और पूरी तरह से अपने काम और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं.

धनश्री वर्मा के जीवन का गोल

उन्होंने कहा, पहले दिन से ही नकारात्मकता और सार्वजनिक आलोचना ने मुझे कभी परेशान नहीं किया है और यह मुझे कभी परेशान नहीं करेगी. धनश्री वर्मा के अनुसार, 'शोर' को अनदेखा करना और रचनात्मक प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना उनका जीवन मंत्र है. उन्होंने बताया कि गोल सेट करना और उन्हें हासिल करने तक अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही इन दिनों उनका लक्ष्य है.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया था सोने का टुकड़ा?

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रही श्रीदेवी की पॉपुलैरिटी किसी मेल सुपरस्टर की तरह थी. इंडस्ट्री में उन्हें 'लेडी अमिताभ बच्चन' भी कहा जाता था. हालांकि ये दिग्गज एक्ट्रेस अब हमारे बीच नहीं हैं. उनका करीब सात साल पहले निधन हो गया था. श्रीदेवी के अचानक निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी थी और फैंस को बहुत बड़ा झटका लगा था. श्रीदेवी को आखिरी बार सुहागन की तरह सजाया गया था और उनके अंतिम संस्कार में लाखों की भीड़ उमड़ी थी.श्रीदेवी का अंतिम संस्कार विधिवत तरीके से किया गया था. उनके अंतिम संस्कार की हर रस्म को अच्छे तरीके से निभाया गया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में सोने का टुकड़ा भी रखा गया था. इसके पीछे एक बेहद खास वजह है. आइए इसके बारे में जानते हैं.

मौत के बाद श्रीदेवी के मुंह में क्यों रखा गया सोने का टुकड़ा ?

श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के मीनाम्पत्ति में हुआ था. वहीं एक्ट्रेस का निधन 24 फरवरी 2018 को दुबई में हो गया था. श्रीदेवी को अंतिम विदाई देने के दौरान उनके मुंह में परिवार के लोगों ने सोने का टुकड़ा रखा था. तमिल परंपरा के अनुसार सुहागन की मौत पर उसके मुंह में सोने का पान या सोने का टुकड़ा रखा जाता है. इसी वजह से श्रीदेवी के मुंह में भी सोने का टुकड़ा रखा गया था.

बेटी जान्हवी की डेब्यू फिल्म नहीं देख पाई श्रीदेवी

जिस साल श्रीदेवी का निधन हुआ उसी साल उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी. जान्हवी अपनी मां के बेहद करीब थीं. जान्हवी ने फिल्म 'धड़क' से डेब्यू किया था. इसकी शूटिंग के दौरान श्रीदेवी हर समय अपनी बेटी के साथ मौजूद रहती थीं. लेकिन वो बेटी का डेब्यू नहीं देख पाई.श्रीदेवी ने फरवरी 2018 में दुनिया को अलविदा कह दिया था. जबकि जान्हवी की डेब्यू फिल्म जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ ईशान खट्टर अहम रोल में नजर आए थे. अब श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर भी इंडस्ट्री में अपने कदम रख चुकी हैं. खुशी ने साल 2023 की बॉलीवुड फिल्म 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था. इसका डायरेक्शन जोया अख्तर ने किया था.

'इतना दर्द था कि नजर नहीं...' जिया खान केस के बाद कैसा था सूरज पंचोली की फैमिली का हाल, एक्टर ने बताया

बॉलीवुड एक्टर सूरज पंचोली जितना अपनी फिल्मों को लेकर फेमस नहीं होते, उससे कहीं ज्यादा उनका नाम कंट्रोवर्सी में हाइलाइट होता है. सूरज इन दिनों अपनी फिल्में केसरी वीर को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने इस फिल्म से लंबे वक्त बाद अपना कमबैक किया है. फिल्म को लेकर लोगों की मिक्सड राय है.

एक्टर सूरज पंचोली की जिंदगी की सबसे बड़ी कंट्रोवर्सी एक्ट्रेस जिया खान के केस में सामने आया उनका नाम थी. इस केस ने बॉलीवुड में आने से पहले ही सूरज का करियर लगभग खत्म कर दिया. जिया की मौत ने किस तरह उनकी जिंदगी बदली, इस बारे में सूरज अब खुलकर अपनी बात रखते हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि मुश्किल दौर में कैसे उनके परिवार ने उनका साथ दिया.

इतना दर्द था, नजर नहीं मिला पाते थे

सूरज केसरी वीर के प्रमोशंस में बिजी हैं. इसी बीच अपने पास्ट पर बात करते हुए सूरज ने कहा कि फैमिली उनका कितना बड़ा सपोर्ट सिस्टम रही है. उन्होंने कहा कि जिया खान केस के वक्त उनके पिता आदित्य पंचोली, ने कैसे उन्हें सपोर्ट किया. उन्होंने बताया कि उस दौर में वो अपनी फैमिली से आंखें नहीं मिला पाते थे. उनका परिवार इतने दर्द में था, कि एक दूसरे को देखना मुश्किल हो जाता था. स्क्रीन के साथ हालिया बातीचत में सूरज ने कहा- मेरी फैमिली के साथ मेरी इक्युएशन अब पहले से काफी बेहतर है. एक वक्त था कि हम एक दूसरे की तरफ नहीं देख पा रहे थे, क्योंकि हमारी आंखों में इतना दर्द था, पर अब सब ठीक है.

पिता से कैसे हैं सूरज के रिश्ते

पिता आदित्य के साथ अपने बॉन्ड पर सूरज ने कहा कि वो दोनों इस हादसे से पहले इतना क्लोज नहीं थे, लेकिन इस हादसे के बाद से दोनों के बीच एक अजीब सा बॉन्ड बन गया और वो आज भी कायम है. उन्होंने कहा कि आदित्य उनके और उनकी बहन के सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम हैं. करियर की बात पर सूरज ने कहा कि वो अजय देवगन से काफी इन्सपायर्ड हैं और उन्हीं की राह पर चलना चाहते हैं.